

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 82 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 21 नवम्बर 2026 (शनिवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पीएम मोदी ने पहले एससीओ सभ्यतागत संवाद मंच का किया उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम दिल्ली के पुराना किला में पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद मंच का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जब दुनिया में युद्ध और अशांति को लेकर चर्चा हो रही है, तब भारत में विभिन्न सभ्यताओं के बीच संवाद स्थापित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में सांस्कृतिक जुड़ाव और आपसी सहयोग के माध्यम से शांति का रास्ता मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने सभ्यताओं के बीच संवाद को आपसी समझ और सहयोग बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम में शामिल पाकिस्तान के मंत्री मुसादिक मसूद मलिक ने उम्मीद जताई कि इस मंच के आयोजन के बाद भारत-पाकिस्तान सहित सभी देशों के आपसी संबंध बेहतर होंगे। उन्होंने कहा कि संस्कृति की भूमिका केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। एक-दूसरे के विचारों और रहन-सहन को समझे बिना आगे बढ़ना संभव नहीं है। आपसी संवाद से ही एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। 20 से 22 नवंबर तक आयोजित इस मंच में पाकिस्तान सहित कई देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहला अवसर है, जब पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत आया है। कार्यक्रम के दौरान पुराना किला में भारत की सभ्यतागत विरासत और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनियां भी लगाई गई हैं।



चोरी के चार एक्टिवा के साथ दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, अहमदाबाद के चार थाना क्षेत्रों में की थी वारदातें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/अहमदाबाद। खेड़ा-नडियाद अपराध शाखा पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से अहमदाबाद शहर और जिले के अलग-अलग चार थाना क्षेत्रों से चोरी किए गए चार एक्टिवा मोपेड बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से वाहन चोरी के चार मामलों का खुलासा हुआ है। अपराध शाखा की टीम को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी शुरू की। इस दौरान संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिए दो युवकों को रोककर उनके पास मौजूद वाहनों के दस्तावेजों की जांच की गई। गहन पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अहमदाबाद के अलग-अलग क्षेत्रों से एक्टिवा चोरी करने की बात स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय उर्फ बुचियो ईश्वरभाई कांगसिया निवासी इंदिरा नगरी, पानी की टंकी के पास, वैशाली रोड, नडियाद और हितेश फूटरमल जैन निवासी किरण अपार्टमेंट, शनिदेव मंदिर के पास, शाहीबाग, अहमदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों चोरी के एक्टिवा जब्त कर लिए हैं। अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि उन्होंने अन्य कितने वाहन चोरी किए हैं और चोरी के वाहनों को किसे बेचा जाता था। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

धोलका के सरगवाड़ा में पाइपलाइन को लेकर किसान और पुलिस आमने-सामने, खेतों में काम रुकवाने की मांग पर बढ़ा विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धोलका/अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद जिले के धोलका तहसील के सरगवाड़ा गांव में खेतों से होकर गुजर रही विवादित पाइपलाइन बिछाने के काम को लेकर किसानों का विरोध तेज हो गया है। अपनी जमीन और खड़ी फसल बचाने की मांग को लेकर किसान मैदान में उतर आए। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच आमने-सामने की स्थिति बन गई। गांव में भारी पुलिस बल तैनात किए जाने के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। जानकारी के अनुसार, सरगवाड़ा गांव की सीमा में एक परियोजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। किसानों का आरोप है कि पाइपलाइन का मार्ग उपजाऊ कृषि भूमि के बीच से निकाला जा रहा है, जिससे उनकी खड़ी फसल को नुकसान पहुंच रहा है और जमीन की उर्वरता प्रभावित होने की आशंका है। किसानों ने पहले भी प्रशासन के सामने पाइपलाइन का मार्ग बदलने अथवा उचित मुआवजा देने की मांग उठाई थी, लेकिन उनका आरोप है कि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया। विरोध कर रहे किसानों का आरोप है कि प्रशासन और संबंधित कंपनी पुलिस बल की मौजूदगी में निर्माण कार्य आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इसे लेकर किसानों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस और तनाव की स्थिति बनी। महिलाओं और बुजुर्ग किसानों ने भी मौके पर पहुंचकर पाइपलाइन का काम तत्काल रोकने की मांग की। किसानों ने सवाल उठाया कि उनकी जमीन और फसल को प्रभावित करने वाली परियोजना में उन्हें विश्वास में क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने उचित मुआवजा और पाइपलाइन का वैकल्पिक मार्ग तय करने की मांग की है। किसानों ने चेतावनी दी है कि उनकी मांगों पर जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। फिलहाल गांव में पुलिस बल की तैनाती के बीच तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

करजण क्षेत्र में रेत-मिट्टी के अवैध खनन का खुला खेल!

घुघो और गोकुल भरवाड़ के नाम चर्चा में; विधायक अक्षय पटेल का नाम जुड़ने से गरमाई राजनीति



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन



विधायक अक्षय पटेल



घुघो भरवाड़



करजण। वडोदरा जिले के करजण क्षेत्र में लंबे समय से कथित रूप से बेरोकटोक चल रहे रेत और मिट्टी के अवैध खनन का मामला अब राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इस अवैध खनन गतिविधि को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। इस मामले में घुघो भरवाड़ और गोकुल भरवाड़ के नाम सामने आ रहे हैं। वहीं, इस पूरे कथित नेटवर्क के साथ करजण के भाजपा विधायक अक्षय पटेल का नाम भी जोड़े जाने से जिले की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। स्थानीय स्तर पर सामने आ रही जानकारी के अनुसार, करजण क्षेत्र और आसपास के नदी किनारों, गोचर भूमि तथा सरकारी जमीनों से बड़े पैमाने पर रेत और मिट्टी का अवैध उत्खनन किए जाने के आरोप हैं। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर रात के अंधेरे के साथ-साथ दिनदहाड़े भी भारी मशीनों और डंपरों के माध्यम से खनन किया जा रहा है। लंबे समय से चल रही इन गतिविधियों के कारण सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये की राजस्व हानि होने और पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। करजण क्षेत्र में भारी उत्खनन मशीनों और अन्य उपकरणों के माध्यम से नर्मदा नदी के आसपास कथित रूप से बड़े पैमाने पर खनन किए जाने को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेत के अवैध कारोबार में शामिल लोगों ने नदी के प्राकृतिक स्वरूप को नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में रॉयल्टी पास के दुरुपयोग और निर्धारित क्षमता से अधिक रेत का परिवहन किए जाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। आरोपों के अनुसार, 23 टन क्षमता के रॉयल्टी पास के मुकाबले एक ही पास पर लगभग 54 टन रेत भरकर ट्रकों से परिवहन किया जा रहा है। इतना ही नहीं, एक रॉयल्टी पास की आड़ में तीन से अधिक ट्रकों में रेत भरकर ले जाने की भी चर्चा है। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है तो यह खनन नियमों और राजस्व व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला हो सकता है। स्थानीय जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों की ओर से पहले भी घुघो भरवाड़ और गोकुल भरवाड़ के नाम लेकर कथित खनन गतिविधियों को लेकर शिकायतें किए जाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों का सवाल है कि प्रशासन और खनन विभाग की जानकारी में आए बिना इतने बड़े स्तर पर अवैध खनन कैसे जारी रह सकता है। वहीं, स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि इस कारोबार को निर्बाध रूप से चलाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कथित रूप से मोटी रकम का लेन-देन होता है। हालांकि, इन चर्चाओं और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में पुलिस और भूविज्ञान एवं खनन विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस अधीक्षक से लेकर संबंधित पुलिस थानों तक शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। इसके अलावा जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और खनन विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लोगों के बीच यह चर्चा है कि कथित खनन कारोबार से जुड़े लोगों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। इस संदर्भ में विधायक अक्षय पटेल का नाम भी चर्चाओं में आने से मामला और संवेदनशील हो गया है। हालांकि, विधायक की संलिप्तता या किसी प्रकार के संरक्षण के आरोपों की पुष्टि के लिए निष्पक्ष जांच आवश्यक है। अवैध खनन और भारी वाहनों की आवाजाही का असर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई देने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, क्षमता से अधिक भार लेकर चलने वाले डंपरों और ट्रकों के कारण सड़कों की हालत खराब हो रही है। इससे किसानों, वाहन चालकों और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर सरकार विकास और संसाधनों के संरक्षण की बात करती है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक संपदा के कथित अवैध दोहन को लेकर उठ रहे सवाल प्रशासनिक व्यवस्था की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न लगा रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि करजण क्षेत्र में कथित रूप से चल रहे रेत-मिट्टी के अवैध खनन की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कब होगी। क्या जिला प्रशासन, पुलिस और खनन विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई कर वास्तविक स्थिति सामने लाएंगे? साथ ही, घुघो भरवाड़, गोकुल भरवाड़ और विधायक अक्षय पटेल का नाम लेकर लगाए जा रहे आरोपों की सच्चाई जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल, इस पूरे मामले ने करजण क्षेत्र में प्रशासनिक जवाबदेही और राजनीतिक संरक्षण को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

अनंत सिंह की बेटी का शाही विवाहः 4 लाख मेहमान, 6 हेलीपैड, 3 करोड़ की डिफेंडर कार और घुड़दौड़ में थार का इनाम, दिसंबर में करना पड़ सकता है आत्मसमर्पण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति में हमेशा चर्चा में रहने वाले मोकामा के बाहुबली नेता और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक अनंत सिंह उर्फ 'छोटे सरकार' के घर जल्द ही शहनाइयां बजने वाली हैं। आगामी 25 नवंबर को अनंत सिंह की बेटी शिवांगी का विवाह उनके पैतृक गांव नदवां में बेहद शाही और भव्य अंदाज में आयोजित होने जा रहा है। इस विवाह समारोह की तैयारियां और उससे जुड़ी व्यवस्थाएं इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। मेहमानों की संख्या से लेकर महंगे उपहारों और विशेष आयोजनों तक, इस विवाह को लेकर कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। अनंत सिंह के परिवार में आयोजित होने वाले इस विवाह समारोह में लगभग 4 लाख मेहमानों को आमंत्रित किए जाने की जानकारी सामने आई है। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले मेहमानों की मेहमाननवाजी के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। उनके भोजन के लिए लगभग 150 प्रकार के व्यंजनों का विशेष प्रबंध किया गया है। देशभर से आने वाले बड़े नेताओं, मंत्रियों, चर्चित हस्तियों और विशिष्ट अतिथियों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए नदवां गांव में छह हेलीपैड तैयार किए जा रहे हैं। इतनी बड़ी व्यवस्था के कारण विवाह समारोह किसी बड़े राजनीतिक सम्मेलन जैसा नजर आने लगा है। आयोजन को व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इस शाही विवाह में महंगे उपहार और विशेष आकर्षण भी चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार, दूल्हे को उपहार स्वरूप लगभग 3 करोड़ रुपये कीमत की लग्जरी लैंड रोवर डिफेंडर कार देने की तैयारी है। इसके अलावा विवाह समारोह में लगभग 150 घोड़ों की भव्य दौड़ आयोजित करने की भी योजना है। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को पुरस्कार के रूप में महिंद्रा थार गाड़ी दी जाएगी। घुड़दौड़ और इतने बड़े पुरस्कार की घोषणा ने क्षेत्र में लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी है। एक ओर अनंत सिंह के परिवार में बेटी के विवाह की भव्य तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर उनके सामने कानूनी चुनौतियां भी बनी हुई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विवाह समारोह संपन्न होने के बाद अनंत सिंह को हत्या के एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के तहत आगामी दिसंबर में आत्मसमर्पण करना पड़ सकता है। ऐसे में परिवार में एक ओर बेटी के विवाह की खुशियां हैं, तो दूसरी ओर संभावित कानूनी कार्रवाई को लेकर चर्चा बनी हुई है।

धर्म की आड़ में करोड़ों की ठगी का आरोपः वडताल स्वामीनारायण संप्रदाय के दो स्वामियों समेत पांच लोगों पर गंभीर आरोप

तीन साल में 8.79 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/राजकोट/आणंद। गुजरात में वडताल स्वामीनारायण संप्रदाय से जुड़े कुछ स्वामियों पर मंदिर निर्माण के नाम पर श्रद्धालुओं और संपन्न लोगों से करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी करने के आरोप सामने आए हैं। 20 नवंबर 2026 को प्रकाशित समाचार के अनुसार, दर्शन प्रकाश उर्फ डी.पी. स्वामी और माधवप्रिय उर्फ एम.पी. स्वामी समेत पांच लोगों पर मंदिर निर्माण और जमीन खरीदने का झांसा देकर करोड़ों रुपये लेने के आरोप हैं। इस मामले ने धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों की भूमिका और श्रद्धालुओं के विश्वास को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजकोट और आणंद में दर्ज पुलिस शिकायतों के अनुसार, आरोपियों ने डाकोर में 300 से 400 बीघा जमीन पर भव्य स्वामीनारायण मंदिर बनाने की योजना बताकर सेवानिवृत्त अधिकारी नरसिंहभाई लघरभाई वाधेर को विश्वास में लिया। उन्हें बताया गया कि अफ्रीका से बड़ा दान मिलने वाला है और जमीन खरीदने में निवेश करने पर मूल रकम के साथ आकर्षक कमीशन भी मिलेगा। इसी भरोसे पर उनसे कथित रूप से 1.25 करोड़ रुपये नकद लिए गए। शिकायतों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में अहमदाबाद के सैटेलाइट क्षेत्र के बिल्डर एवं जमीन कारोबारी जीवनभाई टोकड़भाई परमार से वडोदरा के पास मंदिर निर्माण के नाम पर 4.50 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की गई। इस संबंध में आणंद ग्रामीण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। वहीं, सितंबर 2024 में राजकोट के जमीन कारोबारी जसमीन माढक को लींब गांव में भव्य मंदिर और गौशाला बनाने के लिए 510 बीघा जमीन खरीदने का प्रस्ताव दिया गया था। आरोप है कि इस बहाने उनसे 3.04 करोड़ रुपये लिए गए। इस मामले में भक्तिनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज हुई थी। इन मामलों को मिलाकर पिछले तीन वर्षों में कुल 8.79 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले के सामने आने के बाद धार्मिक संस्थाओं के संचालन, आर्थिक पारदर्शिता और श्रद्धालुओं से प्राप्त दान के उपयोग को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। संप्रदाय की अलग-अलग शाखाओं और उनके प्रशासनिक ढांचे को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। फिलहाल, पुलिस शिकायतों में लगाए गए आरोपों की जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। धर्म और आस्था के नाम पर आर्थिक लेन-देन करने वाले लोगों की जवाबदेही तय करना भी महत्वपूर्ण है, ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास सुरक्षित रह सके।



नडियाद सिविल अस्पताल में कर्मचारियों के पीएफ को लेकर बवाल, 5 से 7 साल से राशि जमा नहीं कराने का आरोप

एजेंसी के खिलाफ कर्मचारियों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद/खेड़ा। गुजरात के खेड़ा जिले की नडियाद सिविल अस्पताल में कर्मचारियों के आर्थिक शोषण का मामला सामने आया है। अस्पताल में सफाईकर्मियों, वार्ड बॉय और अन्य संविदा कर्मचारियों को उपलब्ध कराने वाली साइनाथ कृपा एस.वी. सहाय समूह नामक एजेंसी पर कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) की राशि जमा नहीं कराने सहित कई गंभीर आरोप लगे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले 5 से 7 वर्षों से उनके वेतन से पीएफ के नाम पर नियमित कटौती की जा रही है, लेकिन यह रकम उनके पीएफ खातों में जमा नहीं कराई गई। कर्मचारियों के अनुसार, एजेंसी की ओर से हर महीने वेतन से पीएफ की राशि काटी जाती रही, लेकिन लंबे समय से उन्हें अपने खातों में जमा राशि का लाभ नहीं मिला। उनका आरोप है कि इस संबंध में जानकारी और बकाया राशि मांगने पर उन्हें कथित रूप से धमकियां दी जाती हैं। कर्मचारियों ने लाखों रुपए की पीएफ राशि का हिसाब देने और उसे खातों में जमा कराने की मांग उठाई है। कर्मचारियों ने वेतन भुगतान में अनियमितता का आरोप लगाते हुए बताया कि उन्हें समय पर पूरा वेतन भी नहीं मिलता। इसके अलावा आज तक नियमित रूप से वेतन पर्ची उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे वेतन और कटौती का सही विवरण जानने में परेशानी होती है। त्योहारों पर मिलने वाले बोनस और अस्पताल परिसर में ड्यूटी के दौरान जरूरी पहचान पत्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराने के आरोप लगाए गए हैं। कर्मचारियों ने सवाल उठाया है कि सरकारी अस्पताल में इतने वर्षों से कथित रूप से श्रमिकों के अधिकारों का उल्लंघन कैसे होता रहा और संबंधित अधिकारियों ने इस पर ध्यान क्यों नहीं दिया। उन्होंने एजेंसी के कामकाज की जांच कराने, पीएफ की बकाया राशि जमा करवाने और अन्य कानूनी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही साइनाथ कृपा एस.वी. सहाय समूह के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की गई और उनके बकाया अधिकार नहीं दिलाए गए तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा। कर्मचारियों ने अस्पताल का कामकाज ठप करने की चेतावनी भी दी है। फिलहाल पीएफ राशि और अन्य सुविधाओं को लेकर लगाए गए इन गंभीर आरोपों पर संबंधित एजेंसी तथा अस्पताल प्रशासन का पक्ष सामने आना बाकी है।

राजस्थान निकाय चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर, आदिवासी अस्मिता की आवाज बना 'बिरसा का उलगुलान'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों ने प्रदेश की राजनीति में नए समीकरणों के संकेत दिए हैं। सत्तारूढ़ भाजपा को कांग्रेस ने कड़ी चुनौती दी है। कई नगर निगमों, नगर परिषदों और नगरपालिकाओं में कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, वहीं कुछ स्थानों पर निर्दलीय उम्मीदवारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। चुनावी नतीजों के बीच आदिवासी क्षेत्रों में भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और उनके 'उलगुलान' यानी महाविद्रोह का नारा भी चर्चा का विषय बना हुआ है। जल, जंगल और जमीन पर अधिकार तथा आदिवासी समाज की अस्मिता को लेकर बढ़ती जागरूकता ने राजनीतिक दलों का ध्यान खींचा है। बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए आदिवासी समाज अपने अधिकारों की आवाज बुलंद कर रहा है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, महंगाई, बेरोजगारी और स्थानीय समस्याओं के साथ अधिकारों की लड़ाई भी चुनावी माहौल को प्रभावित कर रही है। कांग्रेस ने नतीजों को भाजपा के प्रति जनता की नाराजगी बताया है। इन परिणामों ने संकेत दिया है कि राजस्थान की राजनीति में आने वाले समय में आदिवासी अस्मिता और जनहित के मुद्दे अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आणंद में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 3.98 करोड़ का सामान जब्त; मशीनें, नाव और डंपर पकड़े

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

आणंद। जिले में अवैध खनन और खनिजों के गैरकानूनी परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिला कलेक्टर उत्सव गौतम के मार्गदर्शन में सहायक भूविज्ञान अधिकारी की जांच टीम ने मही नदी के तटवर्ती क्षेत्रों और निजी जमीनों पर अचानक जांच अभियान चलाया। इस दौरान अलग-अलग स्थानों पर अवैध खनन और परिवहन के मामले सामने आने पर मशीनों, नावों, ट्रैक्टरों और डंपरों सहित करीब 3.98 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया गया। प्रशासन की टीम ने आणंद तहसील के मांडवापुरा-वसाद स्थित मही नदी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 2 उत्खनन मशीनें, 2 यांत्रिक नावें और रेत छानने की 2 मशीनें जब्त कीं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 1.32 करोड़ रुपए बताई गई है। वहीं आंकलाव तहसील के गंभीर-बामणगाम स्थित मही नदी क्षेत्र से 3 यांत्रिक नावें जब्त कर करीब 12 लाख रुपए का सामान कब्जे में लिया गया। बोरसद तहसील के कठाणा-रामपुरा में निजी जमीन पर साधारण मिट्टी के अवैध खनन और परिवहन के मामले में एक जेसीबी मशीन तथा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। इनकी अनुमानित कीमत करीब 34 लाख रुपए है। इसी प्रकार अजरपुरा-सोलापुरा मार्ग पर सड़क दुर्घटना के दौरान जांच में साधारण रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रक-डंपर को पकड़ा गया। इसकी अनुमानित कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई गई है। इसके अलावा आणंद तहसील के सारसा क्षेत्र में निजी जमीन से साधारण मिट्टी के अवैध खनन और परिवहन के मामले में प्रशासन ने 2 जेसीबी मशीनें और 4 ट्रक-डंपर जब्त किए। इस कार्रवाई में करीब 1.80 करोड़ रुपए का सामान कब्जे में लिया गया। जिला कलेक्टर के निर्देश और मार्गदर्शन में की गई इन कार्रवाइयों के दौरान कुल मिलाकर लगभग 3.98 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया गया है। प्रशासन की ओर से संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।







कोहणा गांव में रेत खनन को लेकर विवाद, किसानों की जमीन पर अवैध रास्ता बनाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा/करजण। वडोदरा जिले के करजण तहसील के नर्मदा नदी किनारे स्थित कोहणा गांव की सीमा में रेत खनन से जुड़े लोगों पर मनमानी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रेत खनन के लिए पट्टाधारकों और अन्य लोगों ने किसानों की निजी जमीन के साथ-साथ सरकारी बंजर भूमि पर भी बुलडोजर चलाकर कथित रूप से अवैध रास्ता बना दिया है। इस गतिविधि को लेकर स्थानीय किसानों और ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। मामला सामने आने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ है और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

किसानों के खेतों से गुजर रहे रेत से भरे भारी वाहन

मिली जानकारी के अनुसार, कोहणा गांव की सीमा से गुजरने वाली नर्मदा नदी के तल से रेत निकालने के लिए खनन से जुड़े लोगों ने नदी तक पहुंचने का छोटा रास्ता तैयार किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके लिए किसी प्रकार की पूर्व अनुमति लिए बिना जेसीबी और हिताची जैसी भारी मशीनों से जमीन की खुदाई कर चौड़ा रास्ता बना दिया गया। बताया जा रहा है कि इस रास्ते से दिन-रात रेत से भरे भारी डंपरों और ट्रकों की आवाजाही हो रही है। इससे आसपास के खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। किसानों का कहना है कि उनकी निजी जमीन का बिना अनुमति उपयोग किए जाने से खेती-किसानी प्रभावित हो रही है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, भारी डंपर तेज गति से गुजरते हैं, जिससे पूरे खेत क्षेत्र में धूल के गुबार उठते हैं। उड़ती धूल खेतों में खड़ी फसलों पर जम रही है, जिससे उनकी गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। इसके अलावा खेतों में आने-जाने वाले किसानो के लिए भी भारी वाहनों की लगातार आवाजाही खतरा बनी हुई है।

खंभात में 765 केवी बिजली लाइन को लेकर किसानों में भय, खेतों में करंट महसूस होने का आरोप; मजदूरों ने काम करने से किया इनकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंभात/आणंद। गुजरात के किसान पहले ही प्राकृतिक आपदाओं, महंगाई और फसलों का उचित भाव नहीं मिलने जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में सरकारी और अर्धसरकारी परियोजनाओं से जुड़ी लापरवाही किसानों की परेशानियां बढ़ा रही है। खंभात क्षेत्र में पावरग्रिड कॉरपोरेशन की ओर से बिछाई गई 765 केवी की अति उच्च दबाव वाली बिजली लाइन को लेकर किसानों ने गंभीर चिंता जताई है। किसानों की शिकायतों के बाद मौके पर पहुंचकर की गई पड़ताल में खेतों में काम करने के दौरान सुरक्षा संबंधी जोखिमों का मुद्दा सामने आया है।



खंभात के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों का आरोप है कि उनके खेतों के ऊपर से गुजर रही इस उच्च क्षमता वाली बिजली लाइन के कारण आसपास के क्षेत्र में विद्युत प्रेरण का प्रभाव महसूस होता है। किसानों के अनुसार, खेतों में लोहे के औजारों और नलकूप की पाइप को छूने पर उन्हें बिजली का झटका महसूस होता है। इस स्थिति के चलते किसान अपने ही खेतों में काम करने को लेकर भयभीत हैं। किसानों का कहना है कि बिजली लाइन के नीचे स्थित खेतों में काम करने के लिए मजदूर भी तैयार नहीं हो रहे हैं। कपास, धान और अन्य फसलों की कटाई तथा निराई के समय मजदूर नहीं मिलने से किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उनका आरोप है कि समय पर काम नहीं होने के कारण खड़ी फसल खराब होने और नष्ट होने का खतरा बना हुआ है। किसानों के सामने अपने खेतों में काम करवाने और फसल बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस गंभीर समस्या को लेकर जब पावरग्रिड के अधिकारियों से संपर्क किया गया और किसानों की शिकायतों से अवगत कराया गया, तो अधिकारियों ने इसे सामान्य विद्युत प्रेरण बताया। किसानों का आरोप है कि अधिकारियों ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेने के बजाय सामान्य स्थिति बताकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया। किसानों का सवाल है कि यदि खेतों में काम करने वाले किसी किसान या मजदूर के साथ दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन और पावरग्रिड के सामने कई सवाल उठाए हैं। किसानों का कहना है कि यदि बिजली लाइन के कारण कोई बड़ा हादसा होता है, तो उसकी जवाबदेही किसकी होगी? फसल को होने वाले नुकसान और जमीन के मूल्य पर पड़ने वाले प्रभाव की भरपाई कौन करेगा? क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही कार्रवाई करेगा? खंभात क्षेत्र के किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन और पावरग्रिड के अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से लेकर बिजली लाइन के आसपास सुरक्षा के उचित इंतजाम नहीं करते हैं, तो आंदोलन किया जाएगा।

अधिक किराये का लालच देकर ईको चालक से ठगी का प्रयास, चालक की सतर्कता से बची बड़ी रकम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोडेली/छोटा उदयपुर। गुजरात के छोटा उदयपुर जिले के बोडेली क्षेत्र में वाहन चालकों को अधिक किराये का लालच देकर ठगी करने का मामला सामने आया है। ठगों ने एक ईको चालक को अलग-अलग स्थानों से मूंग और चने के कट्टे लाने के बहाने अपने जाल में फंसाने की कोशिश की। इसके बाद आंगड़िया के माध्यम से रुपये प्राप्त करने का झांसा देकर चालक से 4,600 रुपये जमा करवाने की योजना बनाई गई। हालांकि, चालक की सतर्कता और संयोग से उसके पास पर्याप्त नकदी नहीं होने के कारण वह बड़ी आर्थिक ठगी का शिकार होने से बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोडेली निवासी मोहम्मद शकीलभाई ईको गाड़ी चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। 19 नवंबर 2026 को दोपहर करीब डेढ़ बजे जब वह घर पर भोजन कर रहे थे, तभी उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से मिस्ड कॉल आया। उन्होंने किसी ग्राहक का फोन समझकर वापस कॉल किया। दूसरी ओर मौजूद व्यक्ति ने उनसे डाकोर मंदिर तक मूंग के पांच कट्टे पहुंचाने की बात कही और इसके बदले 3,000 रुपये किराया देने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद ठग ने कुछ देर बाद दोबारा फोन किया और कहा कि मूंग के कट्टों की सफाई की जा रही है। तब तक वह हालोल से चने का एक कट्टा ले आएं, जिसके लिए उन्हें अतिरिक्त 2,000 रुपये दिए जाएंगे। अधिक किराये की बात सुनकर चालक को काम मिलने की उम्मीद हुई, लेकिन फोन करने वाले व्यक्ति की असली योजना कुछ और ही थी।

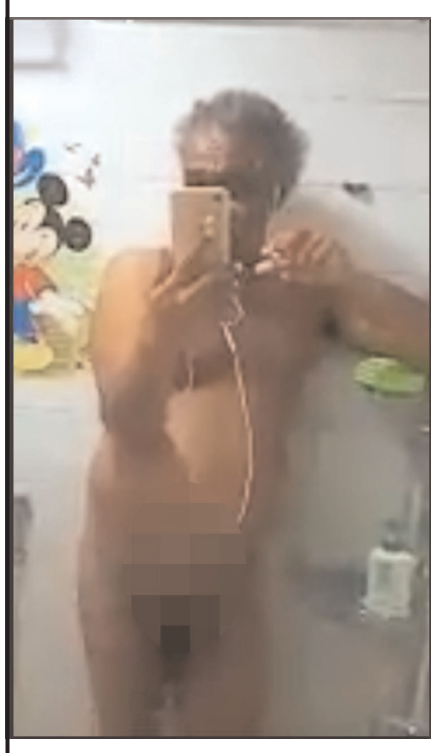


तीसरी बार फोन कर रची रुपये ऐंठने की साजिश

बताया गया कि कुछ समय बाद ठग ने तीसरी बार फोन किया और एक नया प्रस्ताव रखा। उसने कहा कि एक व्यक्ति से 40,000 रुपये लेने बाकी हैं। इस रकम में से चालक को 5,000 रुपये किराये के रूप में दे दिए जाएंगे। हालांकि, इसके लिए पहले उसे 4,600 रुपये आंगड़िया के माध्यम से जमा करवाने होंगे।

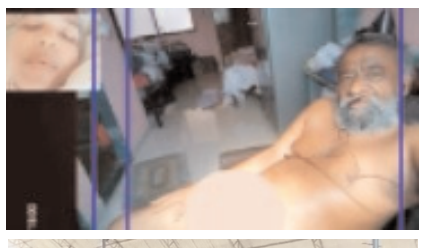
सागरचंद्रसागर विवाद : एक्सक्लूसिव रिपोर्ट

साधु वेश की आड़ में मर्यादाओं का चीरहरण या साजिश? आखिर कब तक चुप्पी साधेंगे ट्रस्टी?



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर/अहमदाबाद। अहिंसा, अपरिग्रह, त्याग और कठोर आत्मसंयम जैन धर्म के वे बुनियादी स्तंभ हैं, जिन पर सदियों से पूरी जैन साधु परंपरा की नींव टिकी रही है। समाज जिस वेश को श्रद्धा, समर्पण और पवित्रता की दृष्टि से देखता है, आज उसी पवित्र वेश की आड़ में खड़े हुए गंभीर सवालों ने गुजरात से लेकर देश-विदेश के जैन समाज की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। यह सिर्फ एक व्यक्ति विशेष के आचरण का विवाद नहीं है, बल्कि यह उस संपूर्ण संत परंपरा, उसकी विश्वसनीयता और उन धार्मिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर एक बहुत बड़ा और खतरनाक प्रहार है, जिनके कंधों पर समाज की धार्मिक व्यवस्थाओं और मर्यादाओं को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है।





वायरल सामग्री और सनसनीखेज खुलासे: क्या यह डिजिटल युग का सबसे बड़ा काला सच है?

सोशल मीडिया के विभिन्?न प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से वायरल हो रहे ऑडियो और डिजिटल दस्तावेजों ने इस पूरे प्रकरण में जो खुलासे किए हैं, उन्होंने हर उस इंसान को सकते में डाल दिया है जो जैन धर्म और उसकी संस्कृति से जुड़ा है। इन वायरल क्लिप्स में सागरचंद्रसागर से जुड़ी जो कथित बातचीत और साक्ष्य सामने आ रहे हैं, वे बेहद आपत्तिजनक, अकल्पनीय और धार्मिक गरिमा को तार-तार करने वाले हैं। हालाँकि, इस स्तर पर यह भी समझना अनिवार्य है कि कोई भी डिजिटल सामग्री बिना फॉरेंसिक जांच के अंतिम सत्य नहीं हो सकती। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यदि ये सामग्रियां झूठी और मनगढ़ंत हैं, तो इन्हें फैलाने वालों के खिलाफ अब तक कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? और यदि इनमें एक प्रतिशत भी सच्चाई है, तो इस स्तर के नैतिक पतन के बाद भी आरोपी अब तक खुलेआम कैसे घूम रहा है? समाज के भीतर अब यह चर्चा आम हो चुकी है कि क्या धर्म की चादर ओढ़कर मर्यादाओं की धज्जियां उड़ाने वालों को संरक्षण देने का कोई बड़ा खेल चल रहा है?

उपाश्रयों, संघों और ट्रस्टियों की आपराधिक चुप्पी: किसके दबाव में साधी गई है जुबान?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे खतरनाक और शर्मनाक पहलू धार्मिक संस्थाओं, उपाश्रयों के प्रबंधकों और ट्रस्टियों का संदिग्ध मौन है। जब आग चारों तरफ फैल चुकी है, जब समाज का हर वर्ग गुस्से में उबल रहा है, तब तथाकथित जिम्मेदार पदाधिकारी भूमिगत क्यों हैं? क्या जैन संघों के ये पदाधिकारी अपनी कुर्सियों और चंदे के समीकरणों को बचाने के लिए इस गंभीर अपराध पर पर्दा डाल रहे हैं? स्थानकों और उपाश्रयों में इस प्रकार के तत्वों की आवाजाही को लेकर अब श्रावक वर्ग खुलकर बगावत के मूड में आ चुका है। समाज के युवाओं और जागरूक वर्गों ने साफ कह दिया है कि ऐसे विवादित चरित्र वाले व्यक्तियों को अब गोचरी देना, उपाश्रयों में प्रवेश देना या किसी भी धार्मिक आयोजन में मंच साझा करना जैन धर्म के अपमान के समान है। यदि ट्रस्टियों ने जल्द ही अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी, तो यह असंतोष किसी बड़े सामाजिक विद्रोह का रूप ले सकता है।

हजारों निष्कलंक संतों की तपस्या पर कलंक: चंद भ्रष्ट चेहरों के कारण क्यों भुगते पूरा समाज?

इस पूरे प्रकरण की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक तरफ आज भी हजारों साधु-साध्वी और आचार्य पूरी निष्ठा, कठोर तपस्या और कठिन नियमों का पालन करते हुए समाज को सही दिशा दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सागरचंद्रसागर जैसे कुछ लोग अपनी हरकतों से पूरी संत परंपरा को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। क्या वेश धारण कर लेने मात्र से कोई इंसान कानून, नैतिकता और समाज के प्रति जवाबदेही से ऊपर हो जाता है? जैन समाज का बच्चा-बच्चा आज इसी सवाल पर आक्रोशित है। समाज का स्पष्ट संदेश है कि धर्म की रक्षा किसी व्यक्ति के पद, प्रभाव या प्रतिष्ठा से कहीं ऊपर है। यदि कोई व्यक्ति साधु वेश की आड़ में अनैतिक कृत्यों में लिप्त पाया जाता है, तो उसे तत्काल प्रभाव से संघ से बाहर किया जाना चाहिए और उस पर सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए।

महानागर मेट्रो की सीधी हुंकार: अब लीपापोती नहीं, आर-पार की लड़ाई का वक्त

महानागर मेट्रो स्पष्ट रूप से मानता है कि इस मामले में किसी भी तरह की लीपापोती, पर्देदारी या लीपापोती की कोशिशें अब बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। जैन समाज को केवल खोखले आश्वासन या गोल-ममोल बयानबाजी नहीं चाहिए, बल्कि निम्नलिखित बिंदुओं पर तत्काल और ठोस कदम उठाए जाने चाहिए:

स्वतंत्र फॉरेंसिक जांच: वायरल ऑडियो और डिजिटल साक्ष्यों की तुरंत किसी निष्पक्ष और उच्च स्तरीय तकनीकी एजेंसी से जांच कराई जाए और रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

तथ्यों के आधार पर कठोर कार्रवाई: यदि आरोप फर्जी हैं, तो झूठी अफवाह फैलाने वालों को कटघरे में खड़ा किया जाए और सागरचंद्रसागर की प्रतिष्ठा को बहाल किया जाए। लेकिन यदि आरोप सत्य साबित होते हैं, तो उन्हें बिना किसी धार्मिक दबाव या संकोच के तुरंत साधु पद से बहिष्कृत किया जाए।

संरक्षकों और ट्रस्टियों की जवाबदेही तय हो: जो लोग इस मामले में पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं या आरोपियों को बचा रहे हैं, उन ट्रस्टियों और पदाधिकारियों को भी तुरंत उनके पदों से बर्खास्त किया जाए।

आस्था कायरता से नहीं, बल्कि सत्य के साथ खड़े होने से बचती है। आज जैन समाज चौराहे पर खड़ा है–एक तरफ आंखें मूंदकर परंपरा के नाम पर पाप ढंकने का अंधकार है, तो दूसरी तरफ सच का सामना कर धर्म को बचाने की अग्निपरीक्षा है। अब फैसला समाज और उसके जिम्मेदारों को करना है कि वे किसके साथ खड़े हैं।

थानगढ़ में अवैध कोयला खनन का पर्दाफाश, 500 मीट्रिक टन कोयला सहित 25.75 लाख रुपये का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर/थानगढ़। सुरेंद्रनगर जिले के थानगढ़ क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वेलाळा और जामवाळी गांवों की सीमा में छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने करीब 500 मीट्रिक टन अवैध कोयले का विशाल भंडार और खनन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण व वाहन सहित कुल 25.75 लाख रुपये का सामान जब्त किया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थानगढ़ तहसील के वेलाळा और जामवाळी गांवों की सीमा में लंबे समय से कथित तौर पर अवैध रूप से कोयले का उत्खनन किया जा रहा था। आरोप है कि बिना सरकारी अनुमति और निर्धारित रॉयल्टी जमा किए जमीन में गहरे कुएं खोदकर कोयला निकाला जा रहा था। इस गतिविधि की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने विशेष जानकारी के आधार पर क्षेत्र में छापेमारी की।



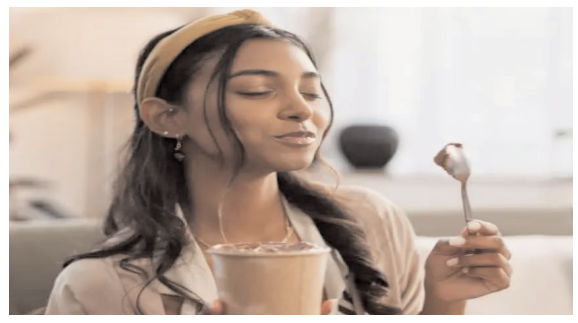
पुलिस की अचानक कार्रवाई से मची अफरा-तफरी

बताया जा रहा है कि पुलिस दल ने खनन गतिविधियों से जुड़े लोगों को भनक लगे बिना दोनों गांवों की सीमा में कार्रवाई की। अचानक पुलिस के पहुंचने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। छापेमारी के दौरान पुलिस को करीब 500 मीट्रिक टन कोयले का बड़ा भंडार मिला। इसके अलावा खनन कार्य में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और वाहन भी बरामद किए गए। पुलिस ने सभी सामान को जब्त कर उसकी कुल कीमत 25.75 लाख रुपये आंकी है। इस बड़ी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चल रही अवैध खनन गतिविधियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में कोयले का उत्खनन और भंडारण लंबे समय से कैसे होता रहा और संबंधित विभागों को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिली।

खान एवं खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

पुलिस की कार्रवाई के बाद अब खान एवं खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि 500 मीट्रिक टन कोयले का उत्खनन और भंडारण एक-दो दिन में संभव नहीं है। ऐसे में यह जांच जरूरी है कि क्षेत्र में अवैध खनन कितने समय से चल रहा था।

आइसक्रीम और फ्रोजन डेजर्ट में बड़ा अंतर, असली दूध की मलाई खा रहे हैं या वनस्पति तेल से बना उत्पाद? गुजरात सरकार चलाएगी व्यापक जागरूकता अभियान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गर्मी हो या सर्दी, आइसक्रीम का नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। होटल, रेस्तरां या ठेले पर जाकर लोग अक्सर आइसक्रीम मांगते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आप जिस चीज का स्वाद ले रहे हैं, वह वास्तव में दूध से बनी आइसक्रीम है या कम कीमत पर मिलने वाला फ्रोजन डेजर्ट? अधिकांश लोग इन दोनों के बीच का अंतर जाने बिना ही इन्हें एक समान समझकर खरीद लेते हैं। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए गुजरात सरकार ने उपभोक्ताओं को जागरूक करने और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। आइसक्रीम और फ्रोजन डेजर्ट के बीच मूल अंतर इनके निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का है। वास्तविक आइसक्रीम दूध, दूध की मलाई, मावा और अन्य खाद्य सामग्री से तैयार की जाती है। इसमें दूध से प्राप्त वसा का उपयोग किया जाता है। इसके विपरीत, फ्रोजन डेजर्ट में दूध की वसा के स्थान पर वनस्पति तेल, पाम तेल और अन्य वनस्पति वसा का इस्तेमाल किया जाता है। इसे भी ठंडा करके आइसक्रीम की तरह ही बाजार में बेचा जाता है, जिसके कारण कई ग्राहक दोनों उत्पादों के बीच अंतर नहीं समझ पाते। स्वास्थ्य के लिहाज से भी इन दोनों उत्पादों को लेकर सावधानी बरतना जरूरी है। फ्रोजन डेजर्ट में इस्तेमाल होने वाली वसा की गुणवत्ता और मात्रा के आधार पर इसका स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से अधिक मात्रा में संतृप्त वसा और ट्रांस वसा का सेवन शरीर में हानिकारक कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने तथा हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ाने से जुड़ा है। ऐसे में बच्चों और युवाओं को ध्यान में रखते हुए खाद्य पदार्थों की सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी पढ़ना आवश्यक है। कीमत के मामले में भी उपभोक्ताओं के साथ भ्रम की स्थिति बनती है। वनस्पति तेल से बने उत्पादों की निर्माण लागत दूध की वसा से बने उत्पादों की तुलना में अलग हो सकती है। इसके बावजूद कई बार फ्रोजन डेजर्ट को आइसक्रीम के समान कीमत पर बेचा जाता है। ऐसे में ग्राहक बिना अंतर समझे अधिक कीमत चुकाकर अपनी पसंद का उत्पाद खरीदने से वंचित रह सकते हैं।गुजरात सरकार के खाद्य एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस विषय पर जागरूकता बढ़ाने की तैयारी की गई है।

चिचोला में गांजे के साथ महाराष्ट्र की दो महिलाएं गिरफ्तार, 8.224 किलो मादक पदार्थ जब्त



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान के तहत चिचोला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चिचोला बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर गांजा तस्करी के आरोप में महाराष्ट्र की दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुल 8 किलो 224 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख 500 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं रायपुर की ओर से बस में सवार होकर गांजे की खेप लेकर चिचोला पहुंची थीं और यहां बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रही थीं।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 18 नवंबर 2026 की रात पुलिस चौकी चिचोला को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध महिलाएं रायपुर की ओर से बस के माध्यम से गांजा लेकर चिचोला बस स्टैंड पहुंची हैं। दोनों यहां गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रही हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डोंगरगढ़ केसरी नंदन नायक के मार्गदर्शन में चिचोला पुलिस की टीम तत्काल सक्रिय हुई। पुलिस टीम ने बस स्टैंड के आसपास घेराबंदी कर नाकाबंदी की। इस दौरान मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर दो संदिग्ध महिलाओं को पकड़ा गया। पूछताछ और तलाशी लेने पर उनके पास मौजूद दो पिट्ठू बैग से खाकी रंग के टेप में लिपटे प्लास्टिक के पैकेट बरामद हुए।

करजण के कोहणा गांव में रेत माफियाओं पर किसानों की जमीन पर अवैध रास्ता बनाने का आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा/करजण। वडोदरा जिले के करजण तहसील के नर्मदा नदी किनारे स्थित कोहणा गांव की सीमा में रेत खनन से जुड़े लोगों की मनमानी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पट्टाधारकों और रेत खनन करने वाले लोगों ने नियमों को ताक पर रखकर किसानों की निजी जमीन और सरकारी बंजर भूमि पर बुलडोजर चलाकर अवैध रास्ता बना दिया है। इस घटना से स्थानीय किसानों और ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया और अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

किसानों के खेतों से गुजर रहे भारी वाहन

मिली जानकारी के अनुसार, कोहणा गांव की सीमा से होकर गुजरने वाली नर्मदा नदी के तल से रेत निकालने के लिए खनन से जुड़े लोगों ने नदी तक पहुंचने का रास्ता तैयार किया है। आरोप है कि इसके लिए बिना किसी पूर्व अनुमति के गांव की सीमा में स्थित जमीनों पर जेसीबी और हिताची जैसी भारी मशीनों से मिट्टी की खुदाई कर चौड़ा रास्ता बना दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, इस रास्ते से दिन-रात रेत से भरे भारी डंपरों और ट्रकों की आवाजाही हो रही है। इससे आसपास के खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंच रहा है। किसानों का कहना है कि उनकी जमीनों का उपयोग बिना अनुमति किए जाने से खेती-किसानी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि भारी वाहन तेज गति से गुजरते हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में धूल के गुबार उठते हैं। खेतों में खड़ी फसलों पर धूल की परत जमने से उनकी गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इसके अलावा खेतों में आने-जाने वाले किसानों, पशुपालकों और कृषि मजदूरों के लिए भी भारी वाहनों की लगातार आवाजाही खतरा बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन इसके बावजूद कथित अवैध रास्ते का उपयोग जारी रहा।

सफाईकर्मी की ईमानदारी ने जीता दिल, कचरे में मिले 7 लाख रुपये के सोने के चार सिक्के मालिक को लौटाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। आज के समय में जहां छोटी-छोटी चीजों के लिए भी लोगों के बीच विवाद देखने को मिलते हैं, वहीं गुजरात के सुरेंद्रनगर से ईमानदारी और मानवता की मिसाल पेश करने वाली घटना सामने आई है। शहर के मयूरनगर क्षेत्र में एक परिवार के सोने के चार कीमती सिक्के गलती से कचरे के साथ बाहर फेंक दिए गए थे। ये सिक्के कचरा एकत्र करने वाली नगर पालिका की गाड़ी में चले गए। परिवार को जब अपनी गलती का पता चला तो उसने तुरंत कचरा संग्रह करने वाली गाड़ी और वहां कार्यरत सफाई कर्मचारियों से संपर्क किया। इसके बाद सफाईकर्मी मांगू डांगी ने कचरे में काफी तलाश करने के बाद चारों सोने के सिक्के खोज निकाले और बिना किसी लालच के परिवार को लौटा दिए। जानकारी के अनुसार, मयूरनगर क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार के घर में सफाई के दौरान करीब चार तोला वजन के सोने के चार सिक्के अनजाने में कचरे के साथ बाहर फेंक दिए गए थे। परिवार को शुरुआत में इस बात का पता नहीं चला। जब उन्हें एहसास हुआ कि सोने के सिक्के कचरे में चले गए हैं और कचरा नगर पालिका की गाड़ी में भी पहुंच चुका है, तो परिवार की चिंता बढ़ गई। चारों सिक्कों की कीमत करीब 7 लाख रुपये बताई गई है। इतनी बड़ी कीमत का सोना खोने की आशंका से परिवार के लोग परेशान हो गए और उन्होंने तत्काल नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों से संपर्क किया। परिवार की परेशानी जानने के बाद सफाईकर्मी मांगू डांगी ने सराहनीय पहल की। उन्होंने कचरे में सोने के सिक्के तलाशने का जिम्मा उठाया। कचरे के ढेर में छोटी-सी वस्तु ढूंढना आसान नहीं था, लेकिन मांगू डांगी ने धैर्य के साथ एक-एक हिस्से की जांच की। काफी मेहनत के बाद उन्हें कचरे में से सोने के चारों सिक्के सुरक्षित मिल गए। उन्होंने बिना किसी स्वार्थ या लालच के सभी सिक्के उनके असली मालिक को वापस सौंप दिए। करीब 7 लाख रुपये मूल्य के सोने के सिक्के वापस मिलने पर परिवार ने राहत की सांस ली। जिस संपत्ति के खो जाने की आशंका से परिवार परेशान था, वह मांगू डांगी की ईमानदारी और मेहनत के कारण वापस मिल गई। परिवार के सदस्यों ने सफाईकर्मी का आभार जताते हुए उनकी सराहना की।

वास्तु पूजन के बाद शराब पार्टी का वीडियो प्रसारित, भाजपा विधायक की दिन में मौजूदगी से मामला चर्चा में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी के बीच अहमदाबाद में एक वास्तु पूजन कार्यक्रम के बाद शराब और बीयर की कथित पार्टी का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और तस्वीरों में कुछ युवक शराब की महफिल करते दिखाई दे रहे हैं। एक महिला के हाथ में बीयर का डिब्बा नजर आ रहा है और वह फिल्मी गीतों पर नृत्य करती दिखाई दे रही है। इस मामले में चर्चा इसलिए भी तेज हो गई है, क्योंकि कार्यक्रम के दिन दोपहर में नरोदा की भाजपा विधायक डॉ. पायल कुकरानी वास्तु पूजन समारोह में शामिल हुई थीं। हालांकि, दिन में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम और रात में हुई कथित पार्टी के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद में एक नए मकान या कार्यालय के वास्तु पूजन के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। दिन के समय धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना हुई। इस अवसर पर भाजपा विधायक डॉ. पायल कुकरानी भी पहुंची थीं और उन्होंने आयोजकों को शुभकामनाएं दी थीं। बताया जा रहा है कि दिन में धार्मिक माहौल के बीच आयोजित इस कार्यक्रम के बाद रात को उसी स्थान पर पार्टी हुई, जिसमें शराब और बीयर परोसे जाने का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और तस्वीरों में कुछ युवक शराब की बोतलों के साथ पार्टी करते दिखाई दे रहे हैं। एक महिला हाथ में बीयर का डिब्बा लेकर नृत्य करती नजर आ रही है। वीडियो में फिल्मी गीतों पर युवकों और महिला के नृत्य करने के दृश्य भी दिखाई देने की बात कही जा रही है। इन तस्वीरों और वीडियो के सामने आने के बाद शहर में चर्चा शुरू हो गई है कि शराबबंदी वाले राज्य में इस तरह की पार्टी के लिए शराब कहां से लाई गई और आयोजन किस स्थान पर किया गया था। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर पुलिस की निगरानी और गश्त व्यवस्था पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि किसी आवासीय क्षेत्र में इतनी बड़ी पार्टी आयोजित हुई और वहां शराब तथा बीयर का इस्तेमाल किया गया, तो इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को क्यों नहीं मिली।

करजण-मालसर रेल मार्ग के भूमि मुआवजे का विवाद गहराया, किसानों में नाराजगी; विधायक की प्रतिक्रिया से गरमाई राजनीति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करजण। वडोदरा जिले के करजण क्षेत्र से गुजरने वाली करजण-मालसर रेल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और मुआवजे का पुराना विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। परियोजना के लिए अपनी जमीन देने वाले कई किसान लंबे समय से उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि उन्हें जमीन के बदले मिलने वाली पूरी राशि, बाजार मूल्य के अनुसार मुआवजा और उस पर देय ब्याज को लेकर अब तक स्पष्ट स्थिति नहीं बताई गई है। इस मामले में स्थानीय विधायक की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी भी बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, करजण से मालसर के बीच रेल परियोजना और संपर्क मार्ग से जुड़ी योजना के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के कई किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया गया था। किसानों ने परियोजना के लिए अपनी जमीन दी, लेकिन मुआवजे की राशि और भुगतान की प्रक्रिया को लेकर लंबे समय से असंतोष बना हुआ है। प्रभावित किसानों का कहना है कि जमीन उनके लिए केवल संपत्ति नहीं, बल्कि परिवार की आजीविका का प्रमुख साधन थी। जमीन अधिग्रहण के बाद उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है और पर्याप्त मुआवजा नहीं मिलने से परेशानियां बढ़ी हैं। किसानों के बीच सबसे बड़ा सवाल मुआवजे की गणना को लेकर है। उनका कहना है कि अधिग्रहित जमीन का मूल्य किस आधार पर तय किया गया, बाजार भाव के अनुसार कितनी राशि मिलनी चाहिए और भुगतान में देरी होने पर ब्याज का लाभ किस प्रकार दिया जाएगा।



अहमदाबाद में भोला भाई चार रास्ते के पास शराब की बोतलों और तलवार के साथ युवकों की तस्वीरें प्रसारित, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी के सख्त कानूनों के बावजूद अहमदाबाद के भोला भाई चार रास्ते के पास शराब की बोतलों और तलवार के साथ कुछ युवकों की तस्वीरें तथा वीडियो इंटरनेट माध्यमों पर प्रसारित होने से क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। बताया जा रहा है कि यह इलाका कागड़ापीठ पुलिस थाने और जोन-6 के अधिकार क्षेत्र में आता है। युवकों की तस्वीरें उनके इंस्टाग्राम खाते की कहानी पर साझा किए जाने का दावा किया जा रहा है। इनमें शराब की बोतलों के साथ कुछ युवक दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक युवक के हाथ में तलवार नजर आ रही है। इस मामले ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और पुलिस की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रसारित तस्वीरों में युवक शराब की बोतलों के साथ दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में एक युवक के हाथ में तलवार भी नजर आ रही है। दावा किया जा रहा है कि युवकों ने शराब की महफिल और हथियार के साथ अपनी तस्वीरें तथा वीडियो स्वयं इंटरनेट माध्यमों पर साझा किए थे। तस्वीरें सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और इंटरनेट माध्यमों के उपयोगकर्ताओं ने पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल उठाए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि भोला भाई चार रास्ते के आसपास का इलाका व्यस्त क्षेत्र है। ऐसे में सार्वजनिक रूप से शराब की बोतलों और तलवार के साथ युवकों की तस्वीरें सामने आना चिंता का विषय है। लोगों का सवाल है कि यदि इस तरह की गतिविधियां क्षेत्र में हो रही हैं, तो पुलिस की गश्त और निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है। नागरिकों ने मामले की जांच कर संबंधित युवकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का यह भी दावा है कि कागड़ापीठ पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी रोक नहीं लग पाने को लेकर नाराजगी जताई जा रही है। लोगों का कहना है कि पुलिस को संवेदनशील इलाकों में नियमित गश्त बढ़ाने के साथ असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे। इस घटना के बाद पुलिस की निगरानी व्यवस्था, गश्त और सूचना तंत्र को लेकर भी चर्चा तेज हो गई है। नागरिकों का सवाल है कि क्या संबंधित अधिकारियों को इन गतिविधियों की जानकारी थी और तस्वीरें सामने आने के बाद अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

डिजिटल व्यवस्था का सर्वर ठप, गुजरात की 17 हजार से अधिक राशन दुकानों पर अनाज वितरण बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात में डिजिटल व्यवस्था के बड़े-बड़े दावों के बीच सरकारी सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र की खामी का खामियाजा गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को भुगतना पड़ा। शुक्रवार, 20 नवंबर की सुबह गुजरात राज्य नागरिक आपूर्ति विभाग का मुख्य ऑनलाइन सर्वर अचानक बंद हो गया। इसके चलते पूरे प्रदेश की सार्वजनिक वितरण व्यवस्था प्रभावित हो गई और 17 हजार से अधिक उचित मूल्य की राशन दुकानों पर अनाज वितरण का काम ठप पड़ गया। नवंबर महीने का राशन लेने पहुंचे हजारों राशनकार्ड धारकों को बिना अनाज लिए ही घर लौटना पड़ा।सुबह से लगी लंबी कतारें, निराश होकर लौटे लोग नवंबर महीने का निर्धारित राशन लेने के लिए सुबह से ही बुजुर्ग, महिलाएं और मजदूर वर्ग के लोग राशन दुकानों के बाहर कतारों में खड़े हो गए थे। कई लोग अपना कामकाज छोड़कर राशन लेने पहुंचे थे, लेकिन सर्वर बंद होने के कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। राशन दुकानों पर रखी गई ऑनलाइन बिक्री केंद्र की मशीनें सर्वर से संपर्क नहीं कर पा रही थीं। इसके चलते अंगूठे के निशान से पहचान की प्रक्रिया और ऑनलाइन प्रविष्टि पूरी नहीं हो सकी। व्यवस्था ठप रहने के कारण हजारों राशनकार्ड धारकों को अनाज का एक दाना भी मिले बिना वापस लौटना पड़ा। रोज कमाकर खाने वाले श्रमिक परिवारों को पूरे दिन की मजदूरी गंवाने की परेशानी भी उठानी पड़ी। सर्वर बंद होने से प्रदेश के कई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की राशन दुकानों पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। राशन लेने पहुंचे उपभोक्ता दुकानदारों से अनाज देने की मांग कर रहे थे, जबकि ऑनलाइन प्रविष्टि पूरी नहीं होने के कारण दुकान संचालक भी असहाय नजर आए। इस स्थिति के चलते कई स्थानों पर उपभोक्ताओं और दुकानदारों के बीच तीखी बहस और विवाद होने की घटनाएं सामने आईं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से वर्ष 2010 से बारकोड आधारित राशनकार्ड व्यवस्था लागू की गई थी।

अहमदाबाद के पॉश पालड़ी इलाके में बहू पर गंभीर आरोप, सास को नशीली दवाएं देकर 1.84 करोड़ रुपये हड़पने की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर के पॉश इलाके पालड़ी में पारिवारिक रिश्तों को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां 79 वर्षीय वृद्धा ने अपनी ही पुत्रवधू अंकिता शाह के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वृद्धा ने आरोप लगाया है कि पुत्रवधू ने चिकित्सक के पर्चे में कथित रूप से छेड़छाड़ कर उन्हें घेन और नशीली दवाएं दीं। इसके बाद उनकी शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर अवस्था का फायदा उठाकर खाली चेकों तथा महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए गए। शिकायत में वृद्धा के बैंक खातों से करीब 1 करोड़ 84 लाख रुपये की बड़ी रकम अलग-अलग माध्यमों से हस्तांतरित कराने का भी आरोप लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पालड़ी पुलिस और अपराध शाखा ने जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, वृद्धा की देखभाल और उपचार के नाम पर उनके साथ कथित तौर पर यह पूरा घटनाक्रम अंजाम दिया गया। वृद्धा का आरोप है कि पुत्रवधू अंकिता शाह चिकित्सक की ओर से लिखे गए दवाओं के पर्चे में अपनी तरफ से बदलाव करती थी। इसके बाद उन्हें ऐसी दवाएं दी जाती थीं, जिनके प्रभाव से वह लंबे समय तक घेन में रहती थीं और कई बार अर्धचेतन अवस्था में पहुंच जाती थीं। आरोप है कि इस वजह से वह घर के कामकाज, अपनी संपत्ति और बैंक खातों से जुड़े आर्थिक लेन-देन पर ध्यान नहीं दे पाती थीं। वृद्धा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी कमजोर स्थिति का कथित रूप से लगातार फायदा उठाया गया। जब वह पूरी तरह सचेत नहीं रहती थीं, तब उनसे खाली चेकों और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए जाते थे। उन्हें इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने के पीछे के उद्देश्य और उनके संभावित इस्तेमाल की पूरी जानकारी नहीं रहती थी। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि इसी तरीके से उनकी आर्थिक स्थिति और बैंक खातों पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश की गई। मामले में सबसे गंभीर आरोप बैंक खातों से 1 करोड़ 84 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित किए जाने को लेकर है। वृद्धा के मुताबिक, अलग-अलग माध्यमों से उनके खातों से यह बड़ी रकम निकालकर या दूसरे खातों में भेजी गई। शिकायत में इस राशि के लेन-देन को लेकर जांच की मांग की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रकम किन खातों में पहुंची, किन लोगों के माध्यम से उसका हस्तांतरण हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में किन दस्तावेजों तथा चेकों का इस्तेमाल किया गया। वृद्धा की शिकायत सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पालड़ी पुलिस थाने के अधिकारियों के साथ अपराध शाखा की टीम भी मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। पुलिस की ओर से संबंधित बैंक खातों के विवरण और पिछले वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है। इसके साथ ही संदिग्ध धन हस्तांतरण, चेकबुक, खाली चेकों और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की भी बारीकी से पड़ताल की जा रही है। जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू दवाओं और चिकित्सक के पर्चे में कथित छेड़छाड़ से जुड़ा है। वृद्धा ने आरोप लगाया है कि उन्हें नियमित रूप से ऐसी दवाएं दी गईं, जिनके कारण उनकी सामान्य स्थिति प्रभावित होती थी। पुलिस इस आरोप की भी जांच कर रही है कि चिकित्सक ने वास्तव में कौन-सी दवाएं लिखी थीं और शिकायत में बताए गए अनुसार पर्चे में किसी प्रकार का बदलाव किया गया था या नहीं। दवाओं के इस्तेमाल और वृद्धा की स्थिति के बीच संबंध की पड़ताल भी मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस के सामने अब यह स्पष्ट करना चुनौती है कि 1 करोड़ 84 लाख रुपये की राशि का हस्तांतरण किस अवधि में हुआ और इसमें किन बैंक खातों तथा दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा यह भी जांच की जा रही है कि वृद्धा से हस्ताक्षर करवाए गए चेकों और दस्तावेजों का उपयोग किस उद्देश्य से किया गया। बैंक लेन-देन और दस्तावेजों की जांच से मामले की पूरी कड़ी सामने आने की उम्मीद है। पालड़ी जैसे पॉश इलाके में सामने आए इस मामले ने बुजुर्गों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति से जुड़े अधिकारों को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुत्रवधू के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच जारी है। पुलिस की जांच और उपलब्ध दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वृद्धा के साथ वास्तव में क्या हुआ और कथित रूप से हस्तांतरित की गई बड़ी धनराशि के पीछे कौन-कौन शामिल था।

अहमदाबाद में 'चिल्ड्रन बैंक' की नकली नोटों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। शहर की घातलोडिया पुलिस ने ऑनलाइन आंगड़िया सेवा और असली नोटों के लेन-देन के नाम पर व्यापारियों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिल्ली और राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 'चिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडिया' और 'पांच सौ कूपन' लिखी 500 रुपये के मूल्य वाली कुल 1,666 नकली नोटें बरामद की गई हैं। इनका कुल दर्शित मूल्य 8 लाख 33 हजार रुपये बताया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह नकली नोटों को असली मुद्रा की तरह दिखाने के लिए विशेष तरीके से पैक करता था और व्यापारियों को ठगी का शिकार बनाता था। इस गिरोह का एक मामला कुछ दिन पहले मेहसाणा जिले के ऊंझा में सामने आया था। यहां जीरा और सौंफ का कारोबार करने वाले एक व्यापारी के साथ करीब 40 लाख रुपये की ठगी की गई थी। बताया गया है कि व्यापारी को नागपुर में किए गए कारोबारी लेन-देन के तहत 40 लाख रुपये नकद दिए जाने थे। इसी दौरान आरोपियों ने असली नोटों की गड्डियों जैसा पैकेट तैयार कर उसके भीतर 'चिल्ड्रन बैंक' लिखी नकली नोटें रख दीं। पैकेट की बाहरी बनावट असली नोटों के बंडल जैसी होने के कारण व्यापारी धोखे में आ गया और उसे नकली नोट थमा दिए गए। ऊंझा की घटना के बाद पुलिस और व्यापारियों ने इस तरह की ठगी करने वाले गिरोह पर नजर रखना शुरू किया। इसी दौरान बुधवार, 19 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली कि गिरोह के कुछ सदस्य अहमदाबाद में एक और आर्थिक लेन-देन करने अथवा ठगी की वारदात को अंजाम देने के लिए आने वाले हैं। सूचना के आधार पर घातलोडिया पुलिस ने योजना बनाकर पारसनगर पेट्रोल पंप के पास तीन रास्ते पर निगरानी शुरू की। पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो युवकों को रोककर उनके पास मौजूद थैलों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान नकली नोटों के कई बंडल बरामद हुए। जांच में सामने आया कि कुल 17 बंडलों में 500 रुपये के मूल्य वाली 1,666 नकली नोटें रखी गई थीं। इन नोटों पर 'चिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडिया' और 'पांच सौ कूपन' लिखा हुआ था। बरामद नोटों का कुल दर्शित मूल्य 8 लाख 33 हजार रुपये है। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने इन नकली नोटों को पहली नजर में असली बैंक नोटों की गड्डियों जैसा दिखाने के लिए विशेष पैकिंग की थी। बंडलों पर असली बैंक की गड्डियों की तरह पीले रंग की कागजी पट्टियां लगाई गई थीं। इसके साथ ही नकली मुहर और सिक्के जैसे निशान भी लगाए गए थे, ताकि व्यापारी पैकेट देखकर आसानी से धोखे में आ जाएं। इसी तरीके से गिरोह कथित तौर पर असली मुद्रा के लेन-देन का भरोसा दिलाकर व्यापारियों से बड़ी रकम ऐंठता था। इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुलसिंह विजयसिंह ठाकुर (23), निवासी नई दिल्ली और मालचंद प्रमेश्वरलाल शर्मा (30), निवासी नोखा, बीकानेर, राजस्थान के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आरोपी नकली नोटों की खेप पहुंचाने के लिए आए थे। इसके बदले उन्हें पांच हजार रुपये कमीशन और रेल यात्रा का किराया दिया जाना था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नकली नोटों की खेप कहां से तैयार होकर आई थी और इसे किन व्यापारियों तक पहुंचाया जाना था।

डभोई में निर्माण के कुछ ही दिनों में जर्जर हुआ करोड़ों का आरसीसी मार्ग, घटिया निर्माण को लेकर लोगों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। नगर पालिका की ओर से विकास कार्यों को लेकर किए जा रहे दावों के बीच डभोई में सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। सरिता ओवरब्रिज के नीचे से नड़ा की ओर जाने वाला नवनिर्मित आरसीसी मार्ग बनने के कुछ ही दिनों में जर्जर हालत में पहुंच गया है। सड़क की सतह से सीमेंट, रेत और गिट्टी उखड़ने लगी है तथा जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए इस मार्ग की ऐसी स्थिति देखकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी की गई है और सरकारी धन का उचित उपयोग नहीं हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरसीसी सड़क का निर्माण इस उद्देश्य से किया जाता है कि वह लंबे समय तक मजबूत और टिकाऊ बनी रहे। लेकिन सरिता ओवरब्रिज से नड़ा की ओर जाने वाले मार्ग की हालत कुछ ही दिनों में खराब हो गई। सड़क की ऊपरी परत से सीमेंट, रेत और गिट्टी बाहर निकलने लगी है। कई स्थानों पर बड़े गड्ढे बन गए हैं और सड़क पर कंकड़ बिखरे पड़े हैं। इससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की खराब स्थिति दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष रूप से परेशानी का कारण बन रही है। बिखरी हुई गिट्टी के कारण वाहनों के टायर में कंकड़ लगने और पंचर होने का खतरा बना रहता है। वहीं, सड़क पर फिसलने की आशंका से भी वाहन चालक चिंतित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग की मौजूदा हालत के कारण यहां से गुजरना जोखिम भरा हो गया है। सड़क की सतह से रेत और मिट्टी उखड़ने के कारण दिनभर धूल उड़ती रहती है। इससे आसपास रहने वाले लोगों और छोटे बच्चों को परेशानी हो रही है। लोगों ने आशंका जताई है कि लगातार उड़ती धूल से सांस संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। उनका कहना है कि जिस सड़क से लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलनी चाहिए थी, वही अब परेशानी का कारण बन गई है।

सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी, जीशान अख्तर के नाम से संदेश मिलने के बाद मुंबई पुलिस सतर्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिलने की खबर से फिल्म जगत में हलचल मच गई है। बताया जा रहा है कि अभिनेता को एक धमकी भरा संदेश भेजा गया है, जिसमें उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई है। इस संदेश में कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े होने और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांछित आरोपी जीशान अख्तर का नाम सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। मुंबई पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। वहीं, अभिनेता के निवास स्थान के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सैफ अली खान को हाल ही में एक धमकी भरा संदेश मिला। संदेश में दी गई धमकी के बाद मुंबई पुलिस की अपराध शाखा और वसूली विरोधी प्रकोष्ठ सक्रिय हो गए। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि संदेश वास्तव में किसने भेजा और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। शुरुआती जानकारी में जीशान अख्तर का नाम सामने आने की बात कही जा रही है। हालांकि, धमकी भेजने वाले व्यक्ति और जीशान अख्तर के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

जीशान अख्तर का नाम सामने आने से मामले ने पकड़ा तूल

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के बाद से ही मुंबई में अपराध जगत और उससे जुड़े लोगों की गतिविधियों पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर बनी हुई है। इस हत्याकांड में वांछित आरोपी जीशान अख्तर का नाम सैफ अली खान को भेजे गए कथित धमकी भरे संदेश के संदर्भ में सामने आने से पुलिस जांच का दायरा बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियां इस पहलू की भी पड़ताल कर रही हैं कि संदेश भेजने वाले का किसी संगठित गिरोह से संबंध है या नहीं। पुलिस साइबर विशेषज्ञों की सहायता से संदेश के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। इसके लिए संदेश से जुड़े तकनीकी विवरणों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि संदेश किस माध्यम से भेजा गया, उसका स्रोत कहां है और इसके पीछे किसी अन्य व्यक्ति या गिरोह की भूमिका तो नहीं है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सैफ अली खान के निवास स्थान पर सुरक्षा बढ़ाई

धमकी की सूचना मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने अभिनेता की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। उनके निवास स्थान के आसपास निगरानी मजबूत की गई है और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। पुलिस यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि अभिनेता और उनके परिवार की सुरक्षा में किसी प्रकार की चूक न हो।जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि धमकी के पीछे कोई व्यक्तिगत विवाद है या किसी आपराधिक गिरोह के माध्यम से डर पैदा करने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल पुलिस के सामने सबसे महत्वपूर्ण सवाल धमकी भेजने वाले की पहचान और उसके वास्तविक उद्देश्य का पता लगाना है।

बॉलीवुड कलाकारों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

पिछले कुछ समय से बॉलीवुड कलाकारों को धमकियां मिलने की घटनाओं ने फिल्म जगत में चिंता बढ़ाई है। सलमान खान और शाहरुख खान जैसे चर्चित कलाकारों को भी पहले धमकियां मिलने की खबरें सामने आ चुकी हैं। वहीं, बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद मुंबई में आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों और प्रभाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे।

पाली में जिला परिषद की 19 सीटों पर भाजपा का कब्जा, कांग्रेस को मिलीं 14 सीटें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पंचायती राज चुनाव के तहत शुक्रवार को पाली के बांगड़ कॉलेज में जिला परिषद के 33 सदस्यों और जिले की 9 पंचायत समितियों के 179 सदस्यों के लिए हुए चुनाव की मतगणना हुई। मतगणना के परिणाम सामने आने के बाद जिला परिषद में भाजपा ने स्पष्ट बढ़त हासिल की है। जिला परिषद की कुल 33 सीटों में से भाजपा ने 19 और कांग्रेस ने 14 सीटों पर जीत दर्ज की। इस परिणाम के साथ ही जिला प्रमुख की कुर्सी पर भाजपा का कब्जा होना फिलहाल लगभग तय माना जा रहा है। वहीं पंचायत समितियों के परिणामों में भी भाजपा ने बढ़त बनाई है। जिले की 9 पंचायत समितियों में से 6 में भाजपा और 3 में कांग्रेस ने बढ़त हासिल की। पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव में भाजपा के 82, कांग्रेस के 90 और 7 निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। हालांकि पंचायत समितियों के स्तर पर सीटों के परिणामों में दोनों प्रमुख दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भाजपा ने बगड़ी नगर, रानी, देसूरी और मारवाड़ जंक्शन पंचायत समितियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई, जबकि कांग्रेस ने पाली, सुमेरपुर और सोजत में एकतरफा जीत दर्ज की। बाली और रोहट पंचायत समितियों में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। इन दोनों पंचायत समितियों में भाजपा ने महज एक-एक सीट के अंतर से बढ़त हासिल की। वहीं निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी कुछ क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बगड़ी नगर, मारवाड़ जंक्शन और रानी पंचायत समिति में एक-एक निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहा, जबकि सुमेरपुर पंचायत समिति में तीन निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। चुनाव परिणामों से स्पष्ट हुआ कि जिले में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला रहा, लेकिन जिला परिषद के स्तर पर भाजपा ने बढ़त बनाने में सफलता हासिल की। जिला परिषद चुनाव में जीत और हार के अंतर को लेकर भी दिलचस्प तस्वीर सामने आई। वार्ड संख्या 6 में भाजपा प्रत्याशी मंजू ने कांग्रेस प्रत्याशी शोभा को महज 50 मतों के अंतर से हराया। यह पूरे जिला परिषद चुनाव में सबसे कम अंतर से दर्ज की गई जीत रही। इसके विपरीत वार्ड संख्या 15 में कांग्रेस प्रत्याशी यशपाल सिंह राजपुरोहित ने भाजपा प्रत्याशी हरिसिंह को 4,852 मतों के बड़े अंतर से पराजित किया। यह जिला परिषद चुनाव में सबसे बड़े अंतर से मिली जीत रही। दोनों वार्डों के परिणामों ने चुनावी मुकाबले की दिलचस्प तस्वीर पेश की। इधर, मतगणना के दौरान कांग्रेस की ओर से अनियमितताओं के आरोप भी लगाए गए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह ने मतगणना प्रक्रिया में गड़बड़ी का गंभीर आरोप लगाते हुए जिला परिषद के वार्ड संख्या 6, 20, 23, 28 और 31 की मतगणना पर सवाल उठाए। उन्होंने इन वार्डों में मतगणना के दौरान गड़बड़ी होने का आरोप लगाया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष के इन आरोपों के बाद चुनाव परिणामों को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जिला परिषद की 33 सीटों में भाजपा को 19 और कांग्रेस को 14 सीटें मिलने से भाजपा जिला प्रमुख के निर्वाचन में मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। अब सभी राजनीतिक दलों की नजर आगामी निर्वाचन प्रक्रिया पर रहेगी। पंचायत समितियों में प्रधान और उप प्रधान के चुनाव को लेकर भी राजनीतिक जोड़-तोड़ तेज होने की संभावना है। वहीं जिला प्रमुख की कुर्सी पर भाजपा की दावेदारी मजबूत होने से जिले की राजनीति में नए समीकरण बनने लगे हैं।

डीआरएम राजू भूतड़ा ने किया अजमेर-आबूरोड रेलखंड का निरीक्षण, यात्री सुविधाओं और पुनर्विकास कार्यों का लिया जायजा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) राजू भूतड़ा ने गुरुवार को अजमेर-आबूरोड रेलखंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति और यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आबूरोड रेलवे स्टेशन पर उन्होंने कर्मचारियों के साथ स्टेशन संरक्षा संवाद भी किया और रेल परिचालन में सुरक्षा नियमों की पालना को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव ने बताया कि डीआरएम राजू भूतड़ा ने अपने निरीक्षण की शुरुआत अजमेर रेलवे स्टेशन से की। इसके बाद वे मारवाड़ जंक्शन पहुंचे, जहां उन्होंने स्टेशन की व्यवस्थाओं और यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद रानी और फालना रेलवे स्टेशनों पर पहुंचकर वहां चल रहे विकास कार्यों तथा उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति देखी। आबूरोड रेलवे स्टेशन पहुंचने पर डीआरएम ने स्टेशन परिसर में चल रहे विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन परिसर और सुलभ कॉम्प्लेक्स में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इसके बाद यात्री प्रतीक्षालय का निरीक्षण कर वहां यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं और कार्यों की स्थिति को लेकर चर्चा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने रेलवे कर्मचारियों के साथ स्टेशन संरक्षा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने रेल परिचालन में संरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों से सीधे संवाद कर कार्यस्थल की समस्याओं और व्यवस्थाओं को लेकर उनका फीडबैक भी लिया। कर्मचारियों से प्राप्त सुझावों और जानकारियों के आधार पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

एंकरिंग की फीस के 60 हजार रुपए मांगने पर इवेंट संचालक ने दी धमकी, न्यायालय के आदेश पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। इवेंट में एंकरिंग करने के बाद बकाया 60 हजार रुपए मांगने पर इवेंट संचालक द्वारा भुगतान से इनकार करने और जान-माल को नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में महामंदिर थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर बालोतरा के इवेंट संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार पीड़िता ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 3, जोधपुर महानगर के समक्ष परिवाद पेश किया था। परिवाद में बताया गया कि वह जोधपुर सहित अन्य शहरों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में एंकरिंग का काम करती हैं। पूर्व में बालोतरा के जबरदस्त हनुमान रोड स्थित आर.यू.डी. इवेंट एंड वेडिंग के संचालक उदित व्यास ने उन्हें एक कार्यक्रम में एंकरिंग के लिए बुलाया था। उस कार्यक्रम का भुगतान समय पर कर दिया गया था। इसके बाद आरोपी ने दोबारा बड़े आयोजन में एंकरिंग करने के लिए उनसे संपर्क किया। परिवाद के अनुसार आरोपी उदित व्यास ने 6 और 7 मार्च 2026 तथा 10 और 11 मार्च 2026 को आयोजित कार्यक्रमों में कुल चार दिन एंकरिंग करने के लिए पीड़िता को बुलाया था। दोनों चरणों के लिए 50-50 हजार रुपए के हिसाब से कुल एक लाख रुपए फीस तय की गई थी। आरोप है कि कार्यक्रमों में एंकरिंग करने के बाद पीड़िता को 40 हजार रुपए नकद दिए गए, जबकि तय भुगतान के अनुसार शेष 60 हजार रुपए बकाया रह गए।

सिरोही में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत, 8 में से 7 पंचायत समितियों पर कब्जे की तैयारी

146 पंचायत समिति सीटों में से कांग्रेस ने जीतीं 96 सीटें, भाजपा महज 32 पर सिमटी; भारत आदिवासी पार्टी को 7 और निर्दलीयों को मिलीं 11 सीटें, अब नगर परिषद के नतीजों पर टिकी निगाहें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। पंचायत आम चुनाव 2026 के परिणामों ने सिरोही जिले की ग्रामीण राजनीति में कांग्रेस की मजबूत पकड़ का बड़ा प्रमाण पेश किया है। जिले की आठ पंचायत समितियों के चुनाव परिणाम घोषित होते ही राजनीतिक तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 146 पंचायत समिति सदस्य सीटों में से 96 सीटों पर जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही कांग्रेस ने जिले की सात पंचायत समितियों में अपना बोर्ड बनाने की स्थिति मजबूत कर ली है। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी को महज 32 सीटों पर संतोष करना पड़ा है और वह केवल रेवदर पंचायत समिति में ही अपना बोर्ड बनाने की स्थिति में है। भारत आदिवासी पार्टी ने 7 सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि 11 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने सफलता हासिल की है। चुनाव परिणामों ने जिले में कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक ताकत के अंतर को स्पष्ट कर दिया है। कांग्रेस की इस बड़ी जीत को जिले की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। आठ पंचायत समितियों में से सात पर कांग्रेस का बोर्ड बनने की स्थिति ने पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा दिया है। आबूरोड, भावरी, शिवगंज, सिरोही, कालन्द्री, पिण्डवाड़ा और मंडार पंचायत समितियों में कांग्रेस को बहुमत मिला है। इन क्षेत्रों में पार्टी के प्रत्याशियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए सदस्य पदों पर



जीत हासिल की। वहीं रेवदर पंचायत समिति में भाजपा को बहुमत मिलने से पार्टी को जिले में एक स्थान पर अपना राजनीतिक आधार बचाए रखने में सफलता मिली है। अब इन पंचायत समितियों में बोर्ड गठन की प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है। सीटों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कांग्रेस ने कुल 146 सीटों में से 96 सीटें जीतकर करीब 66 प्रतिशत सीटों पर कब्जा जमाया है। इसके मुकाबले भाजपा केवल 32 सीटें ही जीत सकी, जो कुल सीटों का लगभग 22 प्रतिशत है। इस तरह भाजपा कांग्रेस से 64 सीटें पीछे रह गई। भारत आदिवासी पार्टी ने 7 सीटें हासिल कीं, जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों ने 11 सीटों पर जीत दर्ज की। इन परिणामों से स्पष्ट है कि इस बार पंचायत समिति चुनाव में कांग्रेस को ग्रामीण मतदाताओं का व्यापक समर्थन मिला है। भाजपा के लिए परिणाम इसलिए भी चुनौतीपूर्ण हैं, क्योंकि आठ में से सात पंचायत समितियों में वह बहुमत हासिल करने में सफल नहीं हो सकी। पंचायत आम चुनाव के तहत शुक्रवार सुबह 8 बजे सिरोही के गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन भवन में मतगणना की प्रक्रिया शुरू हुई। सुबह से ही मतगणना केंद्र के आसपास प्रत्याशियों, समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गतिविधियां तेज हो गई थीं। मतगणना को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। केंद्र में प्रवेश से पहले प्रत्याशियों के अभिकर्ताओं की कड़ी जांच की गई और निर्धारित प्रक्रिया के बाद ही उन्हें मतगणना परिसर में प्रवेश दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा, ताकि मतगणना के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न नहीं हो। मतगणना केंद्र के अंदर और बाहर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की गई थीं। उपखंड मजिस्ट्रेट सिरोही ने मतगणना परिसर के अंदर की व्यवस्थाओं की निगरानी की, जबकि तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट सिरोही ने परिसर के बाहर व्यवस्था संभाली।

आठवें वेतन आयोग और पुरानी पेंशन की मांग को लेकर रेलवे कर्मचारियों का प्रदर्शन, सैकड़ों रेलकर्मी हुए शामिल

यूनियन पदाधिकारियों ने मंडल रेल प्रबंधक का ध्यान आकर्षित कराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। रेलवे कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर आबूरोड रेलवे स्टेशन पर नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एंप्लॉयज यूनियन की ओर से प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में रेलवे कर्मचारी शामिल हुए और आठवें वेतन आयोग को जल्द लागू करने, पुरानी पेंशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा कर्मचारियों से जुड़ी अन्य मांगों को प्रमुखता से उठाया। यूनियन पदाधिकारियों ने रेलवे के जोनल और मंडल स्तर पर लंबे समय से लंबित समस्याओं की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करते हुए इनके शीघ्र समाधान की मांग की। यूनियन की ओर से कहा गया कि रेलवे कर्मचारियों की आर्थिक और सेवा संबंधी मांगों पर लंबे समय से ध्यान देने की आवश्यकता है। इसी को लेकर प्रदर्शन के माध्यम से आठवें वेतन आयोग की प्रक्रिया जल्द पूरी करने और इसकी अनुकूल



सिफारिशों को 1 जनवरी से लागू करने की मांग रखी गई। कर्मचारियों का कहना था कि बढ़ती महंगाई और बदलती आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए वेतनमान में उचित संशोधन आवश्यक है। इसके साथ ही पेंशनर्स की पेंशन फिटमेंट फैक्टर के अनुसार निर्धारित करने की मांग भी उठाई गई, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी वेतन संशोधन का उचित लाभ मिल सके। प्रदर्शनकारियों ने बोनस भुगतान पर निर्धारित 7 हजार रुपए की सीमा समाप्त करने की मांग करते हुए कहा कि बोनस की गणना में वर्तमान व्यवस्था के स्थान पर कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाना चाहिए।

आबूरोड पंचायत समिति में कांग्रेस का दबदबा, 23 में से 16 सीटों पर दर्ज की जीत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। पंचायत चुनाव के तहत जिला मुख्यालय पर जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव की मतगणना सुबह 8 बजे शुरू हुई। मतगणना के बाद आबूरोड पंचायत समिति के सभी 23 वार्डों के परिणाम घोषित कर दिए गए। चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं भारत आदिवासी पार्टी को 4, निर्दलीय प्रत्याशियों को 2 और भाजपा को केवल 1 सीट पर संतोष करना पड़ा। आबूरोड पंचायत समिति में कुल 23 वार्ड हैं। चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने सभी 23-23 वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारे थे। इसके अलावा अन्य दलों के 30 प्रत्याशी भी



चुनाव मैदान में थे। परिणाम घोषित होने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कांग्रेस की जीत के बाद ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गणेश बंजारा और नगर कांग्रेस अध्यक्ष नरगिस कायमखानी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्टेशन चौराहे पर आतिशबाजी कर खुशी मनाई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। कार्यक्रम में वरुण गौतम, सलीम खान, अल्पसंख्यक अध्यक्ष असलम खान, पार्षद भवनीश बारोट, कांतिलाल परिहार, पूजा राणा, मनीष राणा, शमशाद अली अब्बासी, मंडल अध्यक्ष हीरसिंह, इंदा देवीसिंह, तरतोली, ब्लॉक प्रवक्ता देवीलाल भाटी, सुनील धारू, जितेंद्र परिहार, मोरथला सरपंच प्यारेलाल, चिराग भाई, कस्तूरमल, भबूतमल, मुकेश जिनगर, नवीन साखला, गोविंद प्रसाद अग्रवाल, अनिल बंजारा, मुकेश बंजारा, रमेशजी कच्छावा, टैक्सी यूनियन अध्यक्ष फिरोज खान और शहिद खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

25 से 28 नवंबर तक होंगे जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव

मतगणना पूरी होने के बाद अब जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, पंचायत समिति प्रधान और उप प्रधान के चुनाव की प्रक्रिया होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 25 नवंबर को जिला प्रमुख, 26 नवंबर को उप जिला प्रमुख, 27 नवंबर को प्रधान और 28 नवंबर को उप प्रधान का चुनाव कराया जाएगा।

जयपुर में कांग्रेस की आंधी में उड़ी भाजपा, जिला परिषद की 57 में से 41 सीटों पर कांग्रेस का कब्जा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। पंचायती राज चुनाव में जयपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भाजपा को करारी शिकस्त दी है। जिला परिषद के 57 वार्डों में से कांग्रेस ने 41 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि भाजपा केवल 12 सीटों पर सिमट गई। आरएलपी को 2 सीटें मिलीं। चुनाव में सबसे बड़ा झटका भाजपा को तब लगा, जब जिला प्रमुख रमा चोपड़ा और उप जिला प्रमुख मोहन डागर भी अपनी सीट नहीं बचा सके। वार्ड संख्या 18 से रमा चोपड़ा को कांग्रेस के सुनील कुमावत ने हराया। जिले की 22 पंचायत समितियों में भी कांग्रेस का दबदबा रहा। कांग्रेस ने 14 पंचायत समितियों फागी, आमेर, शाहपुरा, चाकसू, जमवारामगढ़, तुंगा, बस्सी, माधोराजपुरा, गोविंदगढ़, झोटवाड़ा, जोबनेर, किशनगढ़ रेनवाल और आंधी में बहुमत हासिल किया। भाजपा केवल सांभरलेक और चौमूं में बोर्ड बनाने की स्थिति में रही, जबकि सांगानेर में आरएलपी अपना बोर्ड बनाएगी। अमरसर, जालसू, रामपुरा डाबरी और दूदू में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। वहीं शाहपुरा, झोटवाड़ा, आंधी और माधोराजपुरा में भाजपा को केवल एक-एक सीट मिली, जबकि फागी में पार्टी अपना खाता भी नहीं खोल पाई। कांग्रेस की जीत पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ग्रामीण मतदाताओं ने भाजपा सरकार को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब उसके जाने का समय आ गया है।

आईआईटी जोधपुर में खाद्य सामग्री सप्लाई के नाम पर 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप, ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। करवड़ स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर में विद्यार्थियों के भोजन के लिए सब्जी और किराना सामग्री की आपूर्ति करने वाले व्यापारी के साथ करीब 42 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि संस्थान में विद्यार्थियों के खाने का ठेका लेने वाली फर्म ने कई महीनों तक सब्जियां, किराना और अन्य आवश्यक सामग्री तो खरीदी, लेकिन उसका भुगतान नहीं किया। बकाया राशि मांगने पर टालमटोल करने के साथ धमकियां देने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित की शिकायत पर करवड़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच



शुरू कर दी है।

कई महीनों तक ली सब्जियां और किराना सामग्री

पुलिस के अनुसार भदवासिया निवासी अशोक दाधीच ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। परिवादी ने बताया कि आईआईटी जोधपुर परिसर में विद्यार्थियों के भोजन की व्यवस्था का ठेका शीला ट्रेडर्स के पास था, जिसकी अवधि 31 अक्टूबर को समाप्त हो चुकी थी। इसी दौरान उनकी फर्म अनंत एंटरप्राइजेज के माध्यम से संस्थान परिसर में खाद्य सामग्री की आपूर्ति की गई। परिवाद के अनुसार 1 नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के बीच फर्म के माध्यम से लगातार हरी सब्जियां, किराना सामग्री और अन्य आवश्यक सामान उपलब्ध करवाया गया। संबंधित पक्ष की ओर से नियमित रूप से सामग्री ली जाती रही। इस दौरान आपूर्ति का काम जारी रहा, लेकिन सामान का पूरा भुगतान नहीं किया गया। परिवादी के अनुसार धीरे-धीरे बकाया राशि बढ़कर करीब 42 लाख रुपए तक पहुंच गई। अशोक दाधीच का आरोप है कि सामान की आपूर्ति पूरी होने के बाद जब उन्होंने बकाया 42 लाख रुपए का भुगतान मांगा तो संबंधित संचालक की ओर से लगातार आनाकानी की जाने लगी। कई बार संपर्क करने और भुगतान के लिए आग्रह करने के बावजूद राशि नहीं दी गई।

जयपुर में पर्यटकों को परेशान करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 6 लपके गिरफ्तार, 15 अन्य असामाजिक तत्वों पर भी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। गुलाबी नगरी में देशी-विदेशी पर्यटकों को परेशान करने, उनके साथ अभद्रता करने और पर्यटन स्थलों पर अव्यवस्था फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ जयपुर पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत पुलिस ने अब तक 6 लपकों को गिरफ्तार किया है, जबकि 15 अन्य असामाजिक तत्वों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। पुलिस ने इस दौरान 5 मुकदमे दर्ज किए हैं। इस तरह कुल 21 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। जयपुर पुलिस की ओर से यह विशेष अभियान 17 से 23 नवंबर तक चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य शहर में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। पुलिस का मुख्य ध्यान ऐसे लोगों पर है, जो पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को जबरन परेशान करते हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं या अवैध रूप से अपना सामान और सेवाएं बेचने के लिए दबाव बनाते हैं। डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर माणकचौक, ब्रह्मपुरी, आमेर और पर्यटक थाना पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों, बाजारों और ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाई गई है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ पर्यटकों को परेशान करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा रही है।



6 लपकों को गिरफ्तार कर दर्ज किए 5 मुकदमे

अभियान के दौरान पुलिस ने पांच मामलों में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुमून निवासी लेखराज नगर, जयसिंहपुरा खोर, साजिद खान निवासी मेहंदी नगर, आमेर, मनोज कुमार सिंधी निवासी नंद वाटिका, कुंड रोड, आमेर, सानू निवासी रामगंज बाजार, अकील निवासी अमृतपुरी, घाटगेट और पिंटू कुमार निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

15 अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई

पुलिस ने पर्यटक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत 15 अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। इनमें कृष्ण महावर निवासी जोशी कॉलोनी, राजामल का तालाब, सुभाष चौक, सुनील सांभरिया निवासी प्रतापपुरी, छीपीवाड़ा, ब्रह्मपुरी, आरिफ निवासी ठाठर काजीवाड़ा, आमेर, शाहरुख, सतीश खींची, शाहरून, फरहान, शरवर निवासी जेपी कॉलोनी, जलमहल, आमेर, सोहेल पुत्र जफ्फार निवासी कृष्णा कॉलोनी, आमेर, महेश, मोहम्मद रेहान, दानिश बेग, अमजद, मोहम्मद फरदीन और गोलू सांवरिया निवासी आमेर शामिल हैं।

23 नवंबर तक जारी रहेगा अभियान

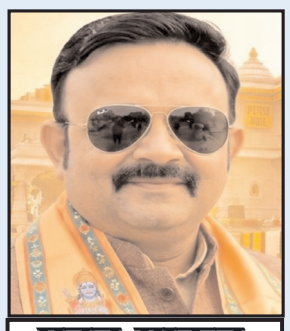
जयपुर पुलिस का कहना है कि शहर में आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा और सम्मान से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पुलिस की निगरानी और गश्त लगातार जारी रहेगी। अभियान 23 नवंबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान पर्यटकों के साथ अभद्रता करने, उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करने और पर्यटन स्थलों पर अव्यवस्था फैलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



सम्पादकीय

सेना का राजनीतिकरण और लोकतंत्र की निष्पक्षता पर सवाल, राष्ट्रीय सुरक्षा को दलगत राजनीति से अलग रखने की जरूरत

गांधीनगर/नई दिल्ली। लोकतंत्र में सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों को राजनीतिक दलों के चुनावी हितों से अलग रखना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। जब देश की रक्षा करने वाली सेना की उपलब्धियों, सैन्य अभियानों और उसकी प्रतिष्ठा को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाता है, तो सेना की निष्पक्षता और संस्थागत स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठने लगते हैं। वरिष्ठ पत्रकार पुण्य प्रसून बाजपेयी के हालिया विश्लेषण में भी इसी विषय को प्रमुखता से उठाया गया है। इसमें सवाल किया गया है कि क्या भारतीय सेना के पराक्रम और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए किया जाना चाहिए? क्या सेना जैसी संवैधानिक संस्था को राजनीतिक दलों के प्रचार और चुनावी बहसों से दूर नहीं रखा जाना चाहिए? यह बहस केवल किसी एक सरकार या राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में संस्थाओं की भूमिका और उनकी मर्यादा से जुड़ा व्यापक विषय है। लोकतंत्र में सबसे पहले सरकार और देश के बीच अंतर को समझना आवश्यक है। सरकार एक अस्थायी व्यवस्था है, जिसका गठन चुनाव के माध्यम से होता है और समय के साथ उसमें बदलाव भी आता रहता है। इसके विपरीत देश, संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाएं स्थायी आधार हैं। किसी राजनीतिक दल को बहुमत मिलने का अर्थ यह नहीं है कि वह देश की सभी संस्थाओं को अपनी राजनीतिक विचारधारा के अनुरूप संचालित करने का अधिकार भी प्राप्त कर लेता है। सत्ता में बैठी सरकार की नीतियों का समर्थन करना या उनका विरोध करना नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है। इसलिए सरकार की आलोचना को देश की आलोचना या देशविरोध के रूप में देखना उचित नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना का सम्मान किसी एक राजनीतिक दल की बपौती नहीं हो सकता। भारतीय सेना पूरे देश की संस्था है और उसकी निष्ठा संविधान तथा राष्ट्र के प्रति होती है। इस मुद्दे को समझने के लिए वर्ष 1974-75 के राजनीतिक घटनाक्रम का उल्लेख भी किया जा रहा है। उस समय जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में देशभर में आंदोलन चल रहा था। इस आंदोलन में भारतीय जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भी भूमिका रही थी। रामलीला मैदान की एक सभा में जयप्रकाश नारायण की ओर से पुलिस और सशस्त्र बलों को गैरकानूनी आदेशों का पालन नहीं करने का आह्वान किए जाने पर उस समय व्यापक राजनीतिक और संसदीय विवाद हुआ था। यह प्रसंग भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। आज इसी ऐतिहासिक घटना का संदर्भ देते हुए यह सवाल उठाया जा रहा है कि राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार संस्थाओं की भूमिका को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण क्यों अपनाए जाते हैं? जब सत्ता से बाहर रहते हुए किसी संस्था की भूमिका पर सवाल उठाए जाते हैं और सत्ता में आने के बाद उसी संस्था को राजनीतिक विमर्श में शामिल किया जाता है, तो राजनीतिक दलों के दोहरे मापदंडों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। भारतीय सेना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में उसकी गैरराजनीतिक पहचान और पेशेवर निष्पक्षता शामिल है। सेना का काम देश की सीमाओं की रक्षा करना, बाहरी खतरों से निपटना और संवैधानिक व्यवस्था के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। सेना के जवान देश के अलग-अलग राज्यों, क्षेत्रों, भाषाओं और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आते हैं, लेकिन वर्दी पहनने के बाद उनकी पहचान एक राष्ट्रीय संस्था के सदस्य के रूप में होती है। यही विशेषता सेना को राजनीतिक दलों से अलग रखती है। यदि सेना के अभियानों, उपलब्धियों और सैन्य अधिकारियों के बयानों को किसी दल के राजनीतिक प्रचार से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, तो उसकी संस्थागत निष्पक्षता पर अनावश्यक सवाल खड़े हो सकते हैं। इसलिए सैन्य उपलब्धियों का सम्मान करते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि सेना का गौरव किसी एक नेता या दल तक सीमित नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर राजनीतिक बहस होना अपने आप में गलत नहीं है। लोकतंत्र में रक्षा बजट, सीमा सुरक्षा, सैन्य तैयारियों, हथियारों की खरीद, विदेश नीति और सुरक्षा संबंधी फैसलों पर सरकार से सवाल पूछे जा सकते हैं। विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह सरकार के निर्णयों की समीक्षा करे और आवश्यक होने पर जवाबदेही तय करने की मांग करे। इसी प्रकार सरकार का दायित्व है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जनता को सही और जिम्मेदार जानकारी उपलब्ध कराए। लेकिन सैन्य अभियानों और सुरक्षा संबंधी संवेदनशील सूचनाओं को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। सेना के पराक्रम का सम्मान और सरकार की नीतियों की समीक्षा दो अलग-अलग विषय हैं, जिन्हें एक-दूसरे के विरोध में खड़ा नहीं किया जाना चाहिए। आज देश में एक ऐसी मानसिकता पर भी चर्चा हो रही है, जिसमें सरकार की नीतियों का विरोध करने वाले नागरिकों को कभी-कभी देशविरोधी बताकर उनकी आलोचना की जाती है। जबकि लोकतंत्र की मूल भावना ही यह है कि नागरिक सरकार के फैसलों पर सवाल उठा सकें। किसी नीति से असहमति जताना, भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाना या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े निर्णयों की समीक्षा की मांग करना नागरिक अधिकारों के दायरे में आता है।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस-वे का टोल 145 रुपये, जबकि हवाई अड्डे पर एक घंटे की पार्किंग के 200 रुपये! आखिर यह कैसा गणित, सड़क सस्ती या हवाई अड्डे की पार्किंग महंगी?

गुजरात में यात्रा और वाहन पार्किंग से जुड़े शुल्क को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। आम नागरिकों के बीच इन दिनों एक ऐसी तुलना चर्चा का विषय बनी हुई है, जो परिवहन व्यवस्था और शुल्क निर्धारण की नीतियों पर सवाल खड़े करती है। अहमदाबाद से वडोदरा तक लगभग 100 किलोमीटर से अधिक लंबे एक्सप्रेस-वे पर वाहन चलाने के लिए जहां 145 रुपये टोल शुल्क देना पड़ता है, वहीं अहमदाबाद हवाई अड्डे पर वाहन को केवल एक घंटे खड़ा रखने के लिए 200 रुपये तक पार्किंग शुल्क लिया जाता है।



इन दोनों शुल्कों के बीच का अंतर देखकर लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर एक घंटे की पार्किंग का खर्च 100 किलोमीटर से अधिक की सड़क यात्रा के टोल से भी ज्यादा कैसे हो सकता है?

मामला केवल दो अलग-अलग शुल्कों की तुलना तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे यह सवाल भी जुड़ा है कि सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं का उपयोग करने वाले आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ किस आधार पर तय किया जा रहा है।

एक ओर सरकार और संबंधित संस्थाएं बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के लिए बड़े-बड़े राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे तैयार कर रही हैं, ताकि लोगों की यात्रा आसान और सुविधाजनक हो सके। दूसरी ओर हवाई अड्डों पर वाहन लेकर आने वाले लोगों को कुछ समय के लिए पार्किंग की सुविधा लेने पर अपेक्षाकृत अधिक राशि चुकानी पड़ती है। ऐसे में आम आदमी के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि सड़क पर लंबी दूरी तय करने का शुल्क कम और हवाई अड्डे पर वाहन खड़ा रखने का शुल्क अधिक क्यों है? आज महंगाई के दौर में पेट्रोल, डीजल, वाहन रखरखाव, टोल और अन्य यात्रा खर्च पहले से ही आम परिवारों के बजट को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में जब कोई व्यक्ति अपने परिवार के सदस्य को विमान यात्रा के लिए छोड़ने या लेने अहमदाबाद हवाई अड्डे पहुंचता है, तो उसे पार्किंग शुल्क का भी ध्यान रखना पड़ता है।

परिवार के किसी सदस्य को विदा करने, सामान उतारने या विमान से आने वाले यात्री की प्रतीक्षा करने में यदि कुछ समय लग जाता है, तो पार्किंग शुल्क का बोझ बढ़ सकता है। विशेष रूप से उन परिवारों के लिए यह खर्च परेशानी का कारण बन सकता है, जो नियमित रूप से हवाई अड्डे तक आने-जाने के लिए निजी वाहनों का इस्तेमाल करते हैं।

आम नागरिकों की नाराजगी का एक बड़ा कारण यह है कि पार्किंग शुल्क और सड़क टोल के निर्धारण के पीछे अलग-अलग व्यवस्थाएं काम करती हैं, लेकिन इनका आधार और औचित्य आम लोगों को स्पष्ट रूप से समझ में नहीं आता। एक्सप्रेस-वे पर टोल की राशि सड़क निर्माण, रखरखाव, संचालन और संबंधित अनुबंधों के आधार पर तय की जाती है।

वहीं हवाई अड्डे पर पार्किंग शुल्क का निर्धारण पार्किंग सुविधा के संचालन, स्थान, व्यवस्था और संबंधित प्राधिकरण या संचालक की शर्तों के अनुसार होता है। दोनों सेवाओं की लागत और संचालन का ढांचा अलग-अलग होने के बावजूद आम नागरिक के लिए इनकी तुलना करना इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि दोनों ही मामलों में भुगतान उसकी जेब से होता है। हवाई अड्डे पर पार्किंग की सुविधा सामान्य सड़क किनारे वाहन खड़ा करने जैसी नहीं होती।

वहां सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश और निकास नियंत्रण, वाहन प्रबंधन तथा यात्रियों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाएं होती हैं। इन व्यवस्थाओं के संचालन में खर्च भी आता है।

भाजपा में आखिर कौन असंतुष्ट है और क्यों? क्या दो व्यक्तियों के अलावा किसी को नाराजगी जताने का अधिकार नहीं? गुजरात की राजनीति में उठे सवालों से गरमाया सियासी माहौल

गुजरात की राजनीति में इन दिनों भारतीय जनता पार्टी के भीतर कथित असंतोष और संगठन में निर्णय लेने की व्यवस्था को लेकर चर्चाएं तेज हैं। राजनीतिक गलियारों से लेकर सामाजिक माध्यमों तक यह सवाल उठाया जा रहा है कि आखिर भाजपा में कौन असंतुष्ट है और उसकी नाराजगी की वजह क्या है? पार्टी के भीतर अनुशासन और संगठनात्मक एकजुटता की बात की जाती है, लेकिन दूसरी ओर कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं की कथित नाराजगी को लेकर भी चर्चा सामने आ रही है। राजनीतिक विश्लेषणों में यह सवाल उठ रहा है कि क्या पार्टी के भीतर सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपनी बात खुलकर रखने का पर्याप्त अवसर मिल रहा है या फिर निर्णय लेने की प्रक्रिया कुछ सीमित लोगों तक ही सिमटती जा रही है? इस राजनीतिक चर्चा का सबसे प्रमुख पहलू यह दावा है कि भाजपा की पूरी व्यवस्था में केवल दो व्यक्तियों का प्रभाव सर्वोपरि हो गया है और उनके अलावा अन्य नेताओं को अपनी नाराजगी जाहिर करने की स्वतंत्रता नहीं है। हालांकि यह एक राजनीतिक टिप्पणी और विश्लेषण का विषय है, लेकिन इसके माध्यम से संगठन के भीतर अधिकारों, जिम्मेदारियों और निर्णय प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सवाल यह भी है कि यदि किसी मंत्री, विधायक, सांसद या वरिष्ठ पदाधिकारी को अपने क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों अथवा संगठनात्मक फैसलों को लेकर असहमति है, तो क्या वह अपनी बात नेतृत्व तक बिना किसी राजनीतिक दबाव के पहुंचा सकता है? एक समय राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक चर्चा और विचार-विमर्श को संगठन की मजबूती का महत्वपूर्ण आधार माना जाता था। नेताओं के बीच मतभेद होना असामान्य नहीं था। अलग-अलग विचार सामने आते थे और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी बातचीत के माध्यम से उनका समाधान निकालने का प्रयास करते थे। लेकिन वर्तमान राजनीतिक माहौल को लेकर आलोचकों का कहना है कि पार्टी के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक केंद्रीकृत होती जा रही है। उनके अनुसार, संगठन में ऊपर से आने वाले निर्देशों का पालन करना प्राथमिकता बन गया है और स्थानीय स्तर पर नेताओं की राय तथा सुझावों को अपेक्षित महत्व नहीं मिल रहा है।



गांधीनगर से लेकर दिल्ली तक नेतृत्व और संगठन के बीच निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा है कि पार्टी के कई नेता अपने क्षेत्र की समस्याओं, कार्यकर्ताओं की शिकायतों और स्थानीय विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी बात रखना चाहते हैं, लेकिन उन्हें अपनी बात खुलकर रखने में कठिनाई महसूस होती है। आलोचनात्मक टिप्पणियों में यह भी कहा जा रहा है कि यदि कोई नेता संगठनात्मक फैसले पर असहमति जताता है या अपने क्षेत्र के मुद्दे को लेकर अलग रुख अपनाता है, तो उसे राजनीतिक रूप से किनारे किए जाने की आशंका बनी रहती है। हालांकि ऐसी आशंकाओं और आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित नेताओं के बयान तथा संगठन की ओर से उपलब्ध जानकारी भी महत्वपूर्ण होगी। विधानसभा क्षेत्र वटवा सहित गुजरात के अलग-अलग इलाकों में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच कथित असंतोष की चर्चा इस बहस को और हवा दे रही है। स्थानीय स्तर पर कुछ नेताओं की नाराजगी और संगठन के प्रति उनकी शिकायतों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। महेंद्र कुजड़वा जैसे स्थानीय आवाजों का उल्लेख करते हुए यह चर्चा की जा रही है कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं को कितना महत्व दिया जा रहा है। पार्टी के लिए चुनावी और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले कार्यकर्ता यदि अपनी उपेक्षा महसूस करते हैं, तो इसका असर संगठन के भीतर संवाद और समन्वय पर पड़ सकता है। भाजपा के भीतर कथित असंतोष का एक बड़ा कारण स्थानीय नेतृत्व की भूमिका और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी को भी बताया जा रहा है। कई बार विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों, संगठन में पदों के वितरण, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को लेकर नेताओं की अपेक्षाएं अलग-अलग होती हैं। यदि इन अपेक्षाओं पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती, तो असंतोष पैदा होने की संभावना रहती है।

वाहन आपकी पहचान नंबर प्लेट से होगी, जाति के नाम से नहीं! गुजरात में निजी वाहनों पर जातिसूचक लिखावट और चिह्नों के खिलाफ सख्ती की तैयारी, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

सड़कों पर दौड़ने वाले निजी वाहनों के शीशों, बोनट और नंबर प्लेट पर बड़े-बड़े अक्षरों में जाति, समाज, वर्ग या उपनाम लिखवाकर रौब जमाने का चलन अब वाहन चालकों को भारी पड़ सकता है। गुजरात में निजी वाहनों पर लगाए जाने वाले जातिसूचक स्टीकर, लिखावट और प्रतीकों के खिलाफ परिवहन विभाग तथा यातायात पुलिस ने सख्ती का रुख अपनाया है। इस दिशा में नियमों का कड़ाई से पालन कराने की तैयारी की जा रही है। कानून की नजर में सभी नागरिक समान हैं और सड़क पर किसी वाहन की आधिकारिक पहचान उसकी सरकारी पंजीकरण नंबर प्लेट से ही होनी चाहिए, न कि किसी जाति या वर्ग के प्रदर्शन से। पिछले कुछ समय से गुजरात के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहन, कार और जीप सहित निजी वाहनों पर जाति और समुदाय के नाम लिखवाने का चलन बढ़ा है। कई वाहन चालक नंबर प्लेट के अंकों को तोड़-मरोड़कर इस तरह लिखवाते हैं कि उनसे किसी विशेष जाति या समाज का नाम अथवा पहचान प्रदर्शित हो। इसके अलावा वाहनों के पीछे के शीशों पर बड़े-बड़े अक्षरों में जातिसूचक शब्द, उपनाम और अन्य संदेश लिखवाए जाते हैं। कई वाहनों पर हथियारों के चित्र और उकसाने वाले नारे भी दिखाई देते हैं। कुछ मामलों में पीछे का पूरा शीशा ही इस तरह के स्टीकरों और लिखावट से ढक दिया जाता है। इस तरह की गतिविधियां केवल यातायात नियमों के उल्लंघन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सार्वजनिक सड़कों पर दूसरे वाहन चालकों के बीच दबाव और भय का माहौल बनाने का कारण भी बन सकती हैं। जाति और वर्ग के नाम पर अपना दबदबा दिखाने की यह प्रवृत्ति सामाजिक समानता और आपसी सौहार्द के लिए भी उचित नहीं मानी जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर किसी विशेष जाति या समुदाय के नाम का प्रदर्शन कर रौब जमाने की मानसिकता पर रोक लगाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के अनुसार, वाहन की पंजीकरण नंबर प्लेट निर्धारित प्रारूप और मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। उस पर पंजीकरण संख्या के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार का शब्द, चिह्न, चित्र या सजावटी लिखावट लगाने की अनुमति नहीं है। नंबर प्लेट पर निर्धारित अंकों और अक्षरों के साथ छेड़छाड़ करना भी नियमों का उल्लंघन है। उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) का उद्देश्य प्रत्येक वाहन को एक मानक और स्पष्ट पहचान देना है, ताकि यातायात व्यवस्था, वाहन की पहचान और नियमों के पालन में किसी तरह की परेशानी न हो। इससे पहले उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित कुछ राज्यों में जातिसूचक स्टीकर और वाहनों पर आपत्तिजनक लिखावट के खिलाफ अभियान चलाए जाने की खबरें सामने आती रही हैं। अब गुजरात में भी इस तरह के मामलों पर सख्ती की आवश्यकता जताई जा रही है। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की ओर से नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के संकेत दिए गए हैं। इसका उद्देश्य सड़कों पर अनावश्यक रौब, दिखावे और कथित विशिष्ट पहचान के प्रदर्शन को रोकना तथा यातायात नियमों के प्रति अनुशासन कायम करना है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की ओर से दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।



आज का राशिफल

(शनिवार) 21 नवम्बर 2026

मेष — आज आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और रुका धन मिलेगा, कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं पर काम शुरू करना शुभ रहेगा।

वृषभ — परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा, संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिलने से मन बहुत प्रसन्न होगा।

मिथुन — अपनी वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है, व्यापार में मुनाफा कमाने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी।

कर्क — आज स्वास्थ्य में सुधार महसूस करेंगे, ऑफिस में बॉस आपके काम से खुश होकर कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

सिंह — समाज में आपका मान-सम्मान और रुतबा बढ़ेगा, प्रेम जीवन में मधुरता आएगी और पुराने गिले-शिकवे दूर हो जाएंगे।

कन्या — कार्यस्थल पर सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा, विद्यार्थियों को किसी कठिन विषय को समझने में शिक्षकों की मदद मिलेगी।

तुला — दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहेगी, किसी पुराने मित्र की मदद से आपका कोई महत्वपूर्ण सरकारी काम पूरा होगा।

वृश्चिक — गुप्त शत्रुओं से सावधान रहने की जरूरत है, आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा बिल्कुल न करें।

धनु — कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मकर — व्यापार में विस्तार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जीवनसाथी के साथ भविष्य की योजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हो सकती है।

कुंभ — दिनभर ऊर्जा और उत्साह से भरपूर रहेंगे, रुके हुए कानूनी मामलों में आज फैसला आपके पक्ष में आ सकता है।

मीन — कला और रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, अनावश्यक यात्रा से बचें और अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सतर्क रहें।

गुजरात की राजनीति में कोली समाज की भागीदारी पर सवाल, प्रतिनिधित्व के बावजूद सत्ता में प्रभावी हिस्सेदारी की मांग तेज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में अहमदाबाद महानगरपालिका ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शहरी क्षेत्रों में छोटे कारोबार करने वाले रेहड़ी-पटरी संचालकों और सड़क किनारे सामान बेचकर आजीविका चलाने वाले छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण वितरण और बेहतर कार्य निष्पादन के लिए अहमदाबाद नगर निगम को राष्ट्रीय स्तर पर शहरी स्थानीय निकाय श्रेणी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि के साथ अहमदाबाद ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर गुजरात का गौरव बढ़ाया है।



इस उपलब्धि के लिए नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में अहमदाबाद नगर निगम को प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के हाथों निगम की ओर से यह सम्मान स्वीकार किया गया। अहमदाबाद महानगरपालिका की टीम ने योजना को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू करने, पात्र लाभार्थियों तक पहुंच बनाने और ऋण वितरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए जो प्रयास किए, उन्हें इस राष्ट्रीय सम्मान का प्रमुख आधार माना जा रहा है। देशभर के शहरी स्थानीय निकायों के बीच दूसरा स्थान हासिल करना निगम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में छोटे कारोबार करने वाले उन लोगों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है, जिनकी आजीविका मुख्य रूप से रेहड़ी-पटरी, ठेले और छोटी दुकानों पर निर्भर है। कोरोना महामारी के दौरान और उसके बाद बड़ी संख्या में छोटे व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हुआ था। कई रेहड़ी संचालकों, सब्जी विक्रेताओं, फल बेचने वालों, चाय-नाश्ते के ठेले लगाने वालों और अन्य छोटे कारोबारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया था। ऐसे लोगों को फिर से अपना व्यवसाय शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता थी। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना शुरू की गई थी। इस योजना के माध्यम से पात्र छोटे व्यापारियों को बैंकों के जरिए आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि वे बिना किसी बड़ी आर्थिक परेशानी के अपने कारोबार को दोबारा खड़ा कर सकें। योजना के तहत ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को समय पर भुगतान करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। नियमित रूप से ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को आगे अधिक ऋण प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इसके साथ ही डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए भी प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। इससे छोटे व्यापारियों को बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ने और डिजिटल भुगतान अपनाने में मदद मिलती है। अहमदाबाद नगर निगम ने शहर में इस योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास किए। निगम की ओर से रेहड़ी-पटरी संचालकों और छोटे व्यापारियों की पहचान कर उन्हें योजना की जानकारी देने तथा ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया में सहायता उपलब्ध कराने का काम किया गया। योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पात्र लाभार्थियों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के प्रयासों के कारण बड़ी संख्या में छोटे कारोबारियों को आर्थिक सहायता प्राप्त करने का अवसर मिला।

श्योपुर में रेत माफिया का वन विभाग की टीम पर हमला, दो वनकर्मी घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर में चंबल नदी से अवैध रेत परिवहन रोकने पहुंची राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की टीम पर रेत माफिया से जुड़े लोगों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने सरकारी वाहन को घेरकर वनकर्मियों पर पत्थरों और लाठी-डंडों से हमला किया तथा जब्त की गई ट्रैक्टर-ट्रॉली को छुड़ाकर फरार हो गए। हमले में दो वनरक्षक घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की टीम चंबल नदी से अवैध रेत परिवहन रोकने के लिए गश्त कर रही थी। इसी दौरान वर्धा गांव के पास रेत से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां दिखाई दीं। टीम को देखकर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरी को वनकर्मियों ने जब्त कर लिया। इसके बाद टीम जब जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को अभयारण्य कार्यालय लेकर जा रही थी, तभी ढेंगदा चौराहे के पास कार और मोटरसाइकिलों पर सवार होकर कुछ लोग पहुंच गए। आरोप है कि इन लोगों ने वन विभाग की टीम को घेर लिया और पत्थरों तथा लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से वनकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। हमलावरों ने जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को अपने कब्जे में लेकर छुड़ा लिया और मौके से फरार हो गए। घटना में वनरक्षक महेश बघेल और रामलखन गुर्जर घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।



चोरी की शिकायत लेकर पहुंची महिला को झूठे केस में फंसाया? सस्पेंडेड एएसपी पर गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी में गांजा मामले में निलंबित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। उनके खिलाफ एक महिला का वीडियो सामने आया है, जिसमें उसने चोरी की शिकायत लेकर पहुंचने पर कथित रूप से झूठा मुकदमा दर्ज कराने और निर्दोष लोगों को फंसाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला ने सिवनी की महिला थाना प्रभारी संदीपिका ठाकुर पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसे लगातार थाने और दूसरे कार्यालयों के चक्कर लगवाए गए। महिला का दावा है कि उसकी मूल शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय मामले को दूसरे गंभीर अपराधों में बदल दिया गया। वीडियो में महिला अपनी आपबीती बताते हुए भावुक होकर रोती दिखाई दे रही है। महिला के अनुसार, वह अपने साथ हुई सोने के आभूषणों और नकदी की चोरी की शिकायत लेकर तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के पास पहुंची थी। उसने अधिकारियों को चोरी से संबंधित आवेदन के साथ कथित सबूत और घटना का वीडियो भी उपलब्ध कराया था। महिला का आरोप है कि मोबाइल में वीडियो देखने के बाद दीपक मिश्रा ने उसके आवेदन को पर्याप्त नहीं बताते हुए दूसरा आवेदन लाने की बात कही। महिला के मुताबिक, अधिकारी ने उससे कहा कि वह पढ़ी-लिखी है या बेवकूफ और इसी तरह आवेदन देती रही तो उसे अदालत के चक्कर काटने पड़ेंगे।



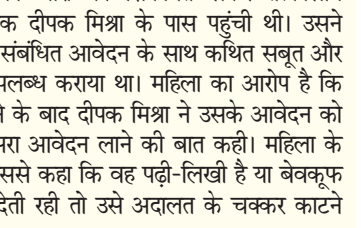
पसंदीदा अधिवक्ता के पास भेजने का लगाया आरोप

महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद दीपक मिश्रा ने अपने पसंदीदा अधिवक्ता प्रमोद सोनी को फोन किया और उनका मोबाइल नंबर देकर महिला को उनके पास जाने के लिए कहा। महिला का दावा है कि अधिवक्ता के माध्यम से ऐसा आवेदन तैयार कराया गया, जिसमें उन लोगों के नाम भी शामिल कर दिए गए, जिनका कथित चोरी की घटना से कोई संबंध नहीं था। महिला के अनुसार, चोरी की शिकायत को लूटपाट, अपहरण और अन्य गंभीर धाराओं से जुड़े मामले में बदल दिया गया। महिला ने वीडियो में दावा किया कि उसने अधिकारियों के सामने बार-बार आपत्ति जताई और उनसे ऐसा नहीं करने की गुहार लगाई, लेकिन उसकी बात नहीं सुनी गई। उसका कहना है कि वह न्याय पाने के लिए लगातार भटकती रही और कई बार रात 10 बजे तक भी उसे इधर-उधर चक्कर लगाने पड़े।

गोरखपुर में बुलडोजर से किशोर की मौत के मामले में 5 गिरफ्तार, सपा नेता साधु यादव नजरबंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 18 नवंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रोड शो के बाद हुए हादसे में 14 वर्षीय किशोर आर्यवर्धन की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस ने पूछताछ के लिए 20 से 25 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, समाजवादी पार्टी के नेता साधु यादव को नजरबंद किया गया है। पुलिस अब तक जेसीबी चालक समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा रोड शो में इस्तेमाल की गई चार जेसीबी मशीनों को भी जब्त कर लिया गया है। मृतक आर्यवर्धन भारतीय जनता पार्टी के नेता ओंकार सिंह का बेटा था। ओंकार सिंह निर्वाचन आयोग संपर्क विभाग में जिला सह-संयोजक हैं। आरोप है कि अखिलेश यादव के रोड शो के बाद बुलडोजर की चपेट में आने से किशोर की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने गुरुवार देर रात पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामले में दर्ज प्राथमिकी में समाजवादी पार्टी के नेता साधु यादव का नाम भी शामिल है। पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए उनके घर से एम्स-गोरखपुर थाने ले गई थी। साधु यादव की पत्नी चिंता यादव कैंपियरगंज विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं। इस बीच साधु यादव के परिवार ने सामाजिक माध्यमों पर एक वीडियो साझा कर आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके घर को चारों तरफ से घेर रखा है। वीडियो में उनके भाई सुरेंद्र यादव समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों को घर बुलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने भी दावा किया कि पुलिस ने उनके घर को चारों ओर से घेर लिया है। एसपी सिटी निमिष पाटिल ने पांच आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस ने रोड शो में इस्तेमाल की गई चारों जेसीबी मशीनों को जब्त कर लिया है। अब पुलिस मशीनों के मालिकाना हक और उन्हें रोड शो के लिए किसने उपलब्ध कराया था, इसकी जांच कर रही है। घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। मुख्यमंत्री ने परिवार से कहा था कि यह हादसा नहीं, बल्कि हत्या है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि घटना में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



डंपर और ट्रक के बीच पिसी कार, भीषण हादसे में वकील की इकलौती बेटी की मौत, मां समेत चार घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। शादी समारोह से घर लौट रहे एक परिवार की सीएनजी कार आगे चल रहे डंपर और पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक के बीच बुरी तरह फंस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांचों लोग अंदर फंस गए। हादसे में 20 वर्षीय समीक्षा सिंह की मौत हो गई, जबकि उसकी मां समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। करीब डेढ़ घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद पुलिस ने कार में बुरी तरह फंसी समीक्षा को बाहर निकाला। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतका समीक्षा सिंह पीजीआई थाना क्षेत्र की वृंदावन योजना सेक्टर-6 निवासी अधिवक्ता राजेश सिंह की इकलौती बेटी थी। समीक्षा ने हैदराबाद से एमबीए की पढ़ाई पूरी की थी और मुंबई की एक निजी



कंपनी में नौकरी कर रही थी। वह दीपावली की छुट्टियां मनाने के लिए अपने घर आई हुई थी। परिवार के लिए यह खुशी का समय था, लेकिन गुरुवार रात एक सड़क हादसे ने सब कुछ बदल दिया। समीक्षा अपनी मां गीता (50) और पड़ोस में रहने वाले शिखर (30), उनकी पत्नी सुकृति (40) तथा मां आशा (55) के साथ मोहनलालगंज स्थित शिवगढ़ रिसॉर्ट में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गई थी। पुलिस के मुताबिक, शादी समारोह में शामिल होने के बाद सभी लोग रात करीब साढ़े 11 से पौने 12 बजे के बीच कार से वापस घर लौट रहे थे। उनकी कार रायबरेली-लखनऊ मार्ग पर हरिकंशगढ़ी स्थित अल्ट्राटेक गिट्टी प्लांट के पास पहुंची थी। इसी दौरान सामने चल रहे डंपर को देखकर कार चालक शिखर अचानक नियंत्रण खो बैठे और कार सीधे डंपर के पिछले हिस्से में जा घुसी। कार अभी संभल भी नहीं पाई थी कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने भी उसे जोरदार टक्कर मार दी। देखते ही देखते कार दोनों भारी वाहनों के बीच बुरी तरह दब गई। दोनों भारी वाहनों के बीच फंसने से कार का अगला और पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद कार में सवार सभी पांचों लोग अंदर फंस गए। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग और राहगीर मौके पर पहुंच गए। लोगों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया और काफी मशक्कत के बाद कार के दरवाजे तोड़कर चालक शिखर, उनकी पत्नी सुकृति, मां आशा और समीक्षा की मां गीता को बाहर निकाला। चारों घायलों को एंबुलेंस की सहायता से पीजीआई स्थित ट्रॉमा सेंटर-2 भेजा गया। हालांकि, समीक्षा कार के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंसी हुई थी। वाहन की हालत इतनी खराब थी कि उसे बाहर निकालना आसान नहीं था। इसी बीच हादसे की सूचना मोहनलालगंज पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव अभियान शुरू कराया। दुर्घटनाग्रस्त कार सीएनजी से चलती थी, इसलिए बचाव कार्य के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ी। कार में लगे गैस सिलेंडर के कारण कटर और भारी औजारों के इस्तेमाल में अतिरिक्त सतर्कता जरूरी थी। पुलिसकर्मियों ने किसी भी संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक कार में फंसी युवती को बाहर निकालने का प्रयास किया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद समीक्षा को कार से बाहर निकाला जा सका। एहतियात के तौर पर कार से सीएनजी सिलेंडर भी अलग किया गया। गंभीर हालत में समीक्षा को तत्काल ट्रॉमा सेंटर-2 पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। एक होनहार युवती की अचानक मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

आधी रात सिलेंडर विस्फोट से मकान में लगी भीषण आग, जिंदा जली मां और दो मासूम बेटियां, घर का सामान जलकर राख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में बुधवार देर रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। बाबरी थाना क्षेत्र के गांव खेड़ी में एक मकान में रखे गैस सिलेंडर में आग लगने के बाद जोरदार विस्फोट हो गया। धमाके के साथ मकान में भीषण आग फैल गई। जिस समय यह हादसा हुआ, परिवार के लोग गहरी नींद में सो रहे थे। आग इतनी तेजी से फैली कि कमरे में सो रही एक महिला और उसकी दो बेटियां इसकी चपेट में आ गईं। हादसे में मां साजिदा (31) और उसकी दोनों बेटियों अदन (13) तथा माहिरा (11) की दर्दनाक मौत हो गई। तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में मकान में रखा घरेलू सामान भी पूरी तरह जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, गांव खेड़ी निवासी



साजिद अपने परिवार के साथ मकान में सो रहे थे। बुधवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे अचानक घर में रखे गैस सिलेंडर में आग भड़क उठी। परिवार के लोग जब तक कुछ समझ पाते, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इसी दौरान सिलेंडर में जोरदार विस्फोट हो गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के मकानों में सो रहे लोग भी घबराकर उठ गए। विस्फोट के बाद आग की लपटें तेजी से पूरे मकान में फैलने लगीं। घर के अंदर सो रही साजिद की पत्नी साजिदा और दोनों बेटियां आग की चपेट में आ गईं। आग की लपटें और धुएं के कारण परिवार को संभलने तक का मौका नहीं मिला। बताया जा रहा है कि आग इतनी भीषण थी कि साजिद चाहकर भी तत्काल अपनी पत्नी और बेटियों की मदद नहीं कर सके। मकान में आग फैलने के कारण आसपास के लोगों के लिए भी तुरंत अंदर पहुंचना मुश्किल हो गया। कुछ ही देर में आग ने घर के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और मकान में रखा घरेलू सामान, कपड़े तथा अन्य जरूरी वस्तुएं जलने लगीं। सिलेंडर विस्फोट की तेज आवाज सुनकर गांव के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने तत्काल बाबरी थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद मकान में लगी भीषण आग पर काबू पाया जा सका।

घर पर 'वंदे मातरम' और नेमप्लेट पर 'भगत सिंह' लिखने पर विवाद, इमाम ने निकाह पढ़ाने से किया इनकार, प्राथमिकी दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक अधिवक्ता की बहन का निकाह पढ़ाने से इनकार करने के मामले में इमाम मोहम्मद सुरफान रज़ा कादरी के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। मामला रोजा थाना क्षेत्र के बरमौला अर्जुनपुर गांव का है। अधिवक्ता मोनिश ने इमाम पर धार्मिक भावनाएं आहत करने और शांति भंग करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। विवाद की वजह घर पर 'वंदे मातरम' लिखा होना और नेमप्लेट पर जाति के स्थान पर 'भगत सिंह' लिखा होना बताया जा रहा है। अधिवक्ता मोनिश के अनुसार, उनकी बहन का निकाह 15 नवंबर को तय हुआ था। इसकी जानकारी करीब 10 से 15 दिन पहले ही मस्जिद के इमाम को दे दी गई थी। मोनिश का आरोप है कि इमाम ने उनसे कहा था कि उनके कार्य अच्छे हैं, लेकिन परिवार के कुछ कार्य धर्म के खिलाफ हैं। इसके बाद 13 नवंबर को इमाम ने निकाह पढ़ाने से इनकार कर दिया। वहीं, 15 नवंबर को उन्होंने अपने पिता की बीमारी का हवाला देते हुए निकाह की जिम्मेदारी निभाने से मना कर दिया। मोनिश ने बताया कि वह अपने नाम के आगे भगत सिंह लिखते हैं। इसके साथ ही जय हिंद और वंदे मातरम बोलते हैं तथा उनके





घर की नेमप्लेट पर भी ये शब्द लिखे हुए हैं। उनका कहना है कि कुछ लोग पहले भी इस बात पर आपत्ति जता चुके हैं, लेकिन उन्होंने अपनी विचारधारा और मान्यताओं के अनुसार ऐसा करना जारी रखा। मोनिश का आरोप है कि राष्ट्रवादी विचारधारा रखने और हिंदू परंपराओं का सम्मान करने के कारण उनके परिवार को परेशान किया गया। इमाम के निकाह पढ़ाने से इनकार करने के बाद परिवार ने दूसरे काजी को बुलाया और उनकी मौजूदगी में निकाह की रस्म पूरी कराई। मामले में रोजा थाना प्रभारी उमेश मिश्रा ने बताया कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज करने के बाद अधिवक्ता मोनिश की शिकायत पर इमाम मोहम्मद सुरफान रज़ा कादरी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं, इमाम पक्ष की ओर से कहा गया है कि उनके पिता की तबीयत खराब थी और इसकी सूचना एक दिन पहले ही दे दी गई थी, ताकि निकाह पढ़ाने के लिए दूसरे इमाम की व्यवस्था की जा सके। पुलिस मामले में दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर कार्रवाई कर रही है। अधिवक्ता मोनिश ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उन्होंने पुलिस की कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया है। फिलहाल वह अपनी बहन की विदाई के कार्यक्रम में व्यस्त हैं।

बोत्सवाना से आई मादा चीता ने कूनो में दी खुशखबरी, पहली बार चार शावकों को दिया जन्म, देश में चीतों की संख्या 62 हुई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। कूनो राष्ट्रीय उद्यान से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बोत्सवाना से लाई गई मादा चीता चह्रख्न 3 ने पहली बार भारत की धरती पर चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 62 हो गई है। इनमें 43 चीते भारत में जन्मे हैं। इस उपलब्धि को चीता पुनर्स्थापना कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता चह्रख्न 3 द्वारा चार स्वस्थ शावकों को जन्म देने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए चीता परियोजना से जुड़े अधिकारियों, वन्यजीव विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और वनकर्मियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोत्सवाना से भारत लाई गई किसी मादा चीता द्वारा देश में पहली बार शावकों को जन्म देना ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह मध्यप्रदेश के साथ-साथ पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। इससे भारत में चीतों की व्यवहार्य आबादी को फिर से स्थापित करने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि करीब ढाई वर्ष की मादा चीता चह्रख्न 3 ने चार महीने से अधिक समय जंगल में बिताने के बाद प्राकृतिक परिस्थितियों में चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है।



बीच सड़क पर कार से स्टंट, छत पर बीयर की बोतल लेकर झूमता दिखा युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में सड़क पर कार से खतरनाक करतब करने का एक वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में एक कार रात के अंधेरे में बीच सड़क पर गोल-गोल घूमती दिखाई दे रही है। वहीं कार की छत पर एक युवक हाथ में बीयर की बोतल लेकर फिल्मी गाने पर झूमता नजर आ रहा है। इस दौरान कार के दोनों दरवाजे भी खुले हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रसारित वीडियो में पृष्ठभूमि में फिल्मी गाना 'आशिक मिलेगा ना हम सा कोई' बज रहा है। युवक गाने की धुन पर झूमते हुए अपनी रील बनवाता दिखाई दे रहा है। कार सड़क पर गोल-गोल घूम रही है और आसपास से दूसरे वाहन भी गुजरते नजर आ रहे हैं। ऐसे में युवक की यह हरकत न केवल उसके लिए, बल्कि सड़क से गुजरने वाले अन्य लोगों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकती थी। यह वीडियो भोपाल का बताया जा रहा है, हालांकि अभी तक इसकी वास्तविक जगह की पुष्टि नहीं हो पाई है। इंटरनेट पर इसे भोपाल का बताकर प्रसारित किया जा रहा है। वीडियो में कार के भीतर चालक भी दिखाई नहीं दे रहा है। खुले दरवाजों के साथ कार को इस तरह घुमाना और छत पर युवक का खड़े होकर झूमना लापरवाही को दर्शाता है। युवक वीडियो में आसपास की परिस्थितियों से बेपरवाह होकर हाथ में बोतल लेकर मस्ती करता नजर आ रहा है।



मेडिकल स्टोर पर नकली दवा मिली तो खुलती चली गईं परतें, हिमाचल में दो अवैध दवा फैक्ट्रियों का खुलासा, मशीनें और करोड़ों का सामान जब्त

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में नकली दवाओं के कारोबार का ऐसा मामला सामने आया है, जिसकी जांच एक मेडिकल स्टोर से शुरू होकर हिमाचल प्रदेश की दो अवैध दवा निर्माण इकाइयों तक पहुंच गई। वाराणसी में एक मेडिकल स्टोर पर छापेमारी के दौरान नामी दवा कंपनी के नाम से बेची जा रही संदिग्ध टैबलेट मिली थीं। जब निर्माता कंपनी से उनकी जांच कराई गई तो दवाएं नकली निकलीं। इसके बाद उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और विशेष कार्यबल की टीम ने पूरे आपूर्ति तंत्र की पड़ताल शुरू की। जांच में मेडिकल स्टोर, दवा एजेंसी, भंडारण स्थल और मुख्य आपूर्तिकर्ताओं की कड़ियां जुड़ती चली गईं। आखिरकार जांच एजेंसियां हिमाचल प्रदेश के सोलन और बद्दी तक पहुंच गईं, जहां बिना अनुमति दवाएं बनाने वाली दो इकाइयों का खुलासा हुआ। दोनों स्थानों से दवाएं बनाने वाली मशीनें, कच्चा माल, अर्धनिर्मित दवाएं, तैयार दवाएं और नामी कंपनियों के समान दिखने वाली पैकेजिंग सामग्री बरामद की गई है। इस पूरे मामले की शुरुआत 30 अक्टूबर 2026 को वाराणसी के जंसा थाना क्षेत्र के कुरौना गांव स्थित मेसर्स एसपी मेडिकल स्टोर पर हुई कार्रवाई से हुई थी। जांच टीम को यहां कुछ ऐसी टैबलेट मिली थीं, जिनके पैकेट पर एक प्रतिष्ठित दवा कंपनी का नाम और



ब्रांड छपा हुआ था। पहली नजर में ये दवाएं सामान्य दवाओं जैसी दिखाई दे रही थीं, लेकिन इनके निर्माण और आपूर्ति को लेकर संदेह होने पर टीम ने संबंधित कंपनी से संपर्क किया। कंपनी की शिकायत और उपलब्ध दवाओं के नमूनों की तुलना के बाद इनके नकली होने की पुष्टि हुई। इस कार्रवाई के दौरान करीब पांच लाख रुपये की अन्य दवाएं भी जब्त की गई थीं। मेडिकल स्टोर संचालक सुनील कुमार पटेल से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसने ये दवाएं लहरतारा स्थित सुपर ड्रग एजेंसी के सेल्समैन अशोक कुमार वर्मा से खरीदी थीं। दवाओं की खरीद का कोई बिल भी उपलब्ध नहीं था। इस जानकारी के बाद जांच एजेंसियों ने सुपर ड्रग एजेंसी से जुड़े लोगों की भूमिका की पड़ताल शुरू कर दी। टीम ने दवाओं की खरीद, बिक्री और उनके भंडारण से संबंधित जानकारियां जुटाईं। इसी दौरान पता चला कि दवाओं की आपूर्ति केवल मेडिकल स्टोर तक सीमित नहीं थी, बल्कि इनके पीछे एक बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था।

एक कमरे में मिला 17 तरह की दवाओं का भंडार

जांच को आगे बढ़ाते हुए 2 नवंबर को टीम ने सुपर ड्रग एजेंसी के अशोक वर्मा और दवाओं की आपूर्ति करने वाले प्रियांशु तिवारी से पूछताछ की। इसके बाद जांच टीम वाराणसी के रोहनिया थाना क्षेत्र के परमानंदपुर स्थित सुरेंद्र नाथ मिश्रा के घर पहुंची। यहां एक कमरे में बिना बिल और आवश्यक अनुमति के 17 तरह की एलोपैथिक दवाओं का भंडार मिला। इन दवाओं के पैकेट की छपाई, नाम और वर्तनी में कई तरह की गड़बड़ियां पाई गईं। इससे दवाओं की प्रामाणिकता पर गंभीर सवाल खड़े हुए। जांच टीम ने मौके से 11 दवाओं के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे और करीब दो लाख रुपये की अन्य दवाएं जब्त कर लीं। सुरेंद्र नाथ मिश्रा से पूछताछ में दवाओं की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली। उसने बताया कि सोनभद्र जिले के अनपरा निवासी अभिषेक सिंह उर्फ रवि उसे ये दवाएं उपलब्ध कराता था। दोनों के बीच संपर्क और बातचीत के लिए मोबाइल अनुप्रयोग का इस्तेमाल किया जाता था। इस जानकारी ने जांच एजेंसियों को नकली दवाओं के मुख्य आपूर्ति तंत्र तक पहुंचने में मदद की।

पहले भी नकली दवा मामले में सामने आ चुका था नाम

जांच के दौरान सामने आया कि अभिषेक सिंह उर्फ रवि का नाम वर्ष 2023 में वाराणसी के सिगरा थाने में दर्ज नकली दवाओं के एक बड़े मामले में भी सामने आया था। उस प्रकरण में उसे गिरफ्तार किया गया था। मौजूदा मामले में अभिषेक से पूछताछ के दौरान दवाओं के निर्माण से जुड़े कई नए सुराग मिले। पूछताछ में सहारनपुर निवासी हसीन और वसीम के नाम भी सामने आए। जांच एजेंसियों के मुताबिक, दोनों हिमाचल प्रदेश के सोलन क्षेत्र में दवाओं का निर्माण करवाने और उनकी आपूर्ति कराने के काम से जुड़े थे। इसके बाद जांच का दायरा उत्तर प्रदेश से बाहर हिमाचल प्रदेश तक बढ़ा दिया गया। उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की विशेष टीम ने लखनऊ स्थित विशेष कार्यबल के साथ मिलकर हिमाचल प्रदेश में संदिग्ध ठिकानों की जानकारी जुटाई। दवाओं के निर्माण, पैकेजिंग और आपूर्ति से जुड़े सुरागों के आधार पर टीम ने 18 नवंबर को सोलन जिले की नालागढ़ तहसील के राजपुरा-खेड़ा बाईपास क्षेत्र में छापेमारी की।

सोलन में बिना अनुमति चल रही थी दवा निर्माण इकाई

छापेमारी के दौरान यहां बिना अनुमति दवा निर्माण की इकाई संचालित होती मिली। जांच एजेंसियों के अनुसार, इस स्थान पर दवाएं तैयार करने के साथ-साथ नामी दवा कंपनियों के ब्रांड जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करने से संबंधित सामग्री भी रखी गई थी। मौके से दवाओं की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली ब्लिस्टर पैकिंग मशीन, अलु-अलु पैकिंग मशीन, कैप्सूल भरने वाली मशीन और वजन करने के उपकरण बरामद किए गए।इसके अलावा बड़ी मात्रा में छपी हुई पन्नियां, छपाई से संबंधित सामग्री और दवाओं के नाम वाले पैकेजिंग उपकरण भी मिले। इन सामग्रियों की बरामदगी के बाद जांच एजेंसियों को आशंका है कि यहां तैयार की

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शनिवार)
21 नवंबर 2026

लाजपत नगर में पांच मंजिला इमारत के बेसमेंट में भीषण आग, मीडिया हाउस के कर्मचारी की मौत, दूसरा गंभीर रूप से झुलसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के लाजपत नगर पार्ट-2 में बुधवार को पांच मंजिला इमारत के बेसमेंट में बने एक मीडिया हाउस के कार्यालय में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग की चपेट में आने से एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। घायल कर्मचारी को सफदरजंग अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और इमारत में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण-पूर्व उत्कर्ष के मुताबिक, बुधवार दोपहर करीब 1 बजकर 17 मिनट पर पुलिस को लाजपत नगर पार्ट-2 स्थित जी-5 इमारत में आग लगने की सूचना मिली थी। उस समय इलाके में गश्त कर रहे हेड कांस्टेबल गजानन ने सबसे पहले आग देखी और तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस अधिकारियों को दी। इसके बाद थाना प्रभारी मुकेश बालयान, इंस्पेक्टर अमित कुमार, उपनिरीक्षक दीपक समेत पुलिसकर्मियों की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। आग बेसमेंट में लगी थी, जहां धुआं तेजी से फैलने लगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की टीमों ने इमारत को खाली कराने और बचाव अभियान शुरू किया। पहली से चौथी मंजिल तक मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान दमकलकर्मियों ने आग को नियंत्रित करने के साथ ही यह सुनिश्चित किया कि इमारत में कोई अन्य व्यक्ति फंसा न रह जाए।



स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में जुटकर की मदद

दमकल विभाग की टीमों के पहुंचने से पहले आसपास के लोगों ने भी आग बुझाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने बेसमेंट में पानी डालकर आग को फैलने से रोकने की कोशिश की। घटना की जानकारी मिलने पर आवासीय कल्याण समिति (आरडब्ल्यूए) के सदस्य भी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य में सहयोग किया। स्थानीय निवासी अनिल कुमार और ललित ढींगरा ने बताया कि हादसे के बाद आसपास के लोग एकजुट होकर आग बुझाने और इमारत में मौजूद लोगों को बाहर निकालने में जुट गए थे। बाद में दमकल विभाग की टीम ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया।

भारतीय नागरिक से शादी करने पर विदेशी महिला को भारत में रहने का स्वतः अधिकार नहीं, सरकार की अनुमति जरूरीः दिल्ली हाईकोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी भारतीय नागरिक से विवाह कर लेने मात्र से विदेशी महिला को भारत में रहने या अपनी पसंद का वीजा हासिल करने का स्वतः कानूनी अधिकार नहीं मिल जाता। विदेशी नागरिकों को भारत में प्रवेश देने और उनके यहां रहने की अनुमति देने का अधिकार सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। अदालत ने अमेरिका की एक महिला की याचिका खारिज करते हुए कहा कि विवाह प्रमाणपत्र होने के बावजूद संबंधित अधिकारी वीजा में बदलाव से पहले विवाह और उससे जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर सकते हैं। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने यह टिप्पणी अमेरिकी महिला की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें उसने अपने मौजूदा ई-पर्यटक वीजा को प्रवेश (एक्स-1) यानी पति-पत्नी वीजा में बदलने की मांग की थी। महिला ने दिसंबर 2025 में मोहम्मद वसीम अकरम से मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह किया था। इसके बाद 18 मार्च को विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत भी उनके विवाह का पंजीकरण कराया गया था। महिला का कहना था कि उसने वीजा में बदलाव के लिए जरूरी दस्तावेज जमा करा दिए थे, लेकिन विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) उसके आवेदन पर कार्रवाई नहीं कर रहा था।



महिला सिपाही ने इंस्पेक्टर का कराया तबादला, अंधेरी थाने में पटाखे फोड़कर मनाया जश्न; आईपीएस पति का देती थी हवाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई के अंधेरी पुलिस थाने में तैनात एक महिला सिपाही द्वारा थाने के परिसर में पटाखे फोड़ने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिला सिपाही ने अपने वरिष्ठ निरीक्षक उमेश मच्छिंदर का मुंबई पुलिस की विशेष शाखा-1 में तबादला होने पर जश्न मनाया। यह घटना थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की बात कही जा रही है। महिला सिपाही पर आरोप है कि वह अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अपने आईपीएस पति का हवाला देकर धमकाती थी। पुलिसकर्मियों के अनुसार, निरीक्षक उमेश मच्छिंदर का तबादला होने के बाद महिला सिपाही ने थाने के परिसर में पटाखे फोड़े। आरोप है कि उसने मच्छिंदर को आगे भी कार्रवाई करवाने की धमकी दी और दावा किया कि वह अंधेरी पुलिस थाने से छह अन्य पुलिस अधिकारियों का भी तबादला करवा सकती है। थाने के कुछ अधिकारियों का कहना है कि महिला सिपाही के खिलाफ बोलने या उसका सामना करने से कर्मचारी बचते थे। एक पुलिस अधिकारी ने आरोप लगाया कि महिला सिपाही अक्सर अपनी आधिकारिक और सुरक्षा संबंधी ड्यूटी से बचती थी। जब उसे कोई जिम्मेदारी सौंपी जाती, तो वह आत्महत्या करने की धमकी देती थी। इसके अलावा, वह अपने सहकर्मियों को यह कहकर डराती थी कि उसका पति भारतीय पुलिस सेवा में अधिकारी है। 13 नवंबर को पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक के आधार पर निरीक्षक उमेश मच्छिंदर के तबादले का आदेश जारी किया गया था। आदेश में इस फैसले के पीछे जनहित, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जरूरतों का हवाला दिया गया है। संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को मच्छिंदर को तत्काल कार्यमुक्त करने तथा अनुपालन रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए थे। इस अचानक हुए तबादले के कारणों को आधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं किया गया है। हालांकि, पुलिसकर्मियों का आरोप है कि महिला सिपाही की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों को की गई शिकायत के बाद यह कार्रवाई हुई और इससे पहले कोई विभागीय जांच नहीं कराई गई। मच्छिंदर ने आरोप लगाया कि महिला सिपाही ने उन्हें निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि महिला ने चेतावनी दी थी कि यदि उन्होंने उसे कोई ड्यूटी सौंपी तो उन्हें कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। मच्छिंदर के मुताबिक, महिला की शिकायत के आधार पर उनका तबादला कर दिया गया, जबकि उनका पक्ष सुनने के लिए कोई विभागीय जांच तक नहीं कराई गई। उन्होंने इस मामले में न्याय की मांग की है।



दिल्ली में बड़ी गैंगवार की साजिश नाकाम, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या की योजना बना रहे तीन आरोपी गिरफ्तार, पांच पिस्तौल बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पुलिस की सतर्कता से सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या की कथित साजिश नाकाम हो गई। हजरत निजामुद्दीन थाना क्षेत्र में पुलिस ने वारदात को अंजाम देने से पहले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने उनके कब्जे से पांच अर्धस्वचालित पिस्तौल और कारतूस बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में इस साजिश के तार राशिद केबलवाला गिरोह से जुड़े होने की बात सामने आई है।



पुलिस के अनुसार, गिरोह के नेटवर्क से जुड़े सदस्य एक इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर पर गोलीबारी कर उसकी हत्या करने की योजना बना रहे थे। आरोपी वारदात को अंजाम देने के लिए हथियारों के साथ इलाके में पहुंचे थे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक लग गई। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो हथियारबंद संदिग्धों और एक नाबालिग को पकड़ लिया। इस तरह पुलिस ने कथित हत्या की साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस साजिश के पीछे राशिद केबलवाला का नाम सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, उसने कथित तौर पर इन्फ्लुएंसर की हत्या करने का निर्देश दिया था। गिरफ्तार आरोपियों ने हथियारों के साथ अपना वीडियो भी कथित रूप से हैंडलर को भेजा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या की योजना किस वजह से बनाई गई थी और इसमें गिरोह के अन्य कौन-कौन से सदस्य शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

लाल किले के पास फर्जी पार्किंग पर्चियों से वसूली, पूर्व लाइसेंसधारक गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास नगर निगम की फर्जी पार्किंग पर्चियां जारी कर वाहन चालकों से अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूलने के आरोप में 40 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शास्त्री पार्क निवासी मोहम्मद नौशाद के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बिना वैध अनुमति के पार्किंग शुल्क वसूल रहा था। डीसीपी निहारिका भट्ट ने बताया कि बृहस्पतिवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-दो के पास एक व्यक्ति वाहन चालकों से बिना अनुमति पार्किंग शुल्क वसूल रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने सुबह करीब 10 बजकर 40 मिनट पर मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने जब उससे पार्किंग संचालन का वैध लाइसेंस या अनुमति संबंधी दस्तावेज मांगे तो वह कोई वैध कागजात पेश नहीं कर सका। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी को दिल्ली नगर निगम की ओर से 17 दिसंबर 2024 से तीन साल के लिए पार्किंग संचालन का लाइसेंस दिया गया था। हालांकि, बकाया राशि का भुगतान नहीं करने के कारण अगस्त 2026 में उसका लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। इसके बावजूद वह पार्किंग शुल्क वसूल रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से 'एमसीडी ऑथ. एससीटी./बाइक पार्किंग' लिखी 100 पर्चियों वाली एक पुस्तिका बरामद की है। इनमें से 18 पर्चियां इस्तेमाल की जा चुकी थीं, जबकि 82 पर्चियां खाली थीं।

दिल्ली-एनसीआर को मिली 100 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी, आनंद विहार से हापुड़ के बीच सेवा शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 100 नई विद्युत बसें सड़कों पर उतारी गई हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर दिल्ली के आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे से उत्तर प्रदेश के हापुड़ के बीच नई विद्युत बस सेवा की भी शुरुआत की गई। इस सेवा से दिल्ली, गाजियाबाद और हापुड़ के बीच रोजाना आवागमन करने वाले यात्रियों को सार्वजनिक परिवहन का एक और विकल्प मिलेगा। दिल्ली सरकार के अनुसार, राजधानी में अब तक 5,338 विद्युत बसें जनता को समर्पित की जा चुकी हैं। शुक्रवार को 100 नई बसों के शामिल होने के बाद इनकी संख्या बढ़कर 5,438 हो जाएगी। नई बसों में 50 बसें 9 मीटर लंबी और 50 बसें 12 मीटर लंबी हैं। सभी बसें वातानुकूलित और नीचे की सतह वाली होंगी, ताकि यात्रियों को चढ़ने-उतरने में सुविधा मिल सके। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन बसों में कई आधुनिक व्यवस्थाएं की गई हैं। बसों में सीसीटीवी कैमरे, आपातकालीन बटन और वास्तविक समय में बसों की स्थिति जानने के लिए निगरानी प्रणाली उपलब्ध होगी। इसके अलावा दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन सुविधाओं से सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी। नई बसों के शामिल होने के बाद दिल्ली के कुल बस बेड़े की संख्या करीब 7,088 हो जाएगी। इसमें 5,338 विद्युत बसें और 1,750 सीएनजी बसें शामिल होंगी। दिल्ली सरकार ने वर्ष 2028-29 तक राजधानी में बसों की कुल संख्या बढ़ाकर करीब 14,000 करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत आने वाले समय में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा।



आनंद विहार से हापुड़ के बीच हर 20 मिनट में मिलेगी बस

आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे से हापुड़ के बीच शुरू की गई नई विद्युत बस सेवा के तहत कुल 12 बसें संचालित होंगी। यात्रियों को ये बसें प्रत्येक 20 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध होंगी। इस मार्ग में आनंद विहार, गाजियाबाद, मोहन नगर, डासना, मसूरी और पिलखुवा जैसे प्रमुख स्थान शामिल किए गए हैं। इस सेवा से दिल्ली और उत्तर प्रदेश के बीच रोजाना यात्रा करने वाले लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से दिल्ली, गाजियाबाद और हापुड़ के बीच नौकरी, कारोबार और अन्य कामों के लिए आवागमन करने वाले यात्रियों को इससे सुविधा मिलेगी।

दिल्ली में सब-रजिस्ट्रार कार्यालय अब कहलाएंगे 'जन सेवा केंद्र', पासपोर्ट सेवा केंद्रों की तर्ज पर होंगे आधुनिक, इसी महीने जारी होगा निविदा नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी के सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों की कार्यप्रणाली और स्वरूप में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर रही है। अब इन कार्यालयों को 'जन सेवा केंद्र' के नाम से जाना जाएगा। सरकार इन्हें पासपोर्ट सेवा केंद्रों की तर्ज पर आधुनिक सुविधाओं से लैस करने जा रही है। इसके साथ ही नागरिक सेवाओं से जुड़े कुछ अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी इन केंद्रों में उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य लोगों को अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना और सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल तथा समयबद्ध बनाना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ इस परियोजना की समीक्षा की और इसे जल्द लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि परियोजना के लिए निजी सेवा प्रदाता कंपनी के चयन की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके लिए इसी महीने निविदा सूचना जारी की जाएगी। सरकार की योजना है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक राजधानी के सभी सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों को आधुनिक जन सेवा केंद्रों में बदल दिया जाए। नई व्यवस्था के तहत इन केंद्रों का विकास सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर किया जाएगा। इसके अंतर्गत कुछ सुविधाओं और सेवाओं से जुड़े काम निजी कंपनियों या एजेंसियों को सौंपे जा सकते हैं, जबकि तकनीकी व्यवस्था और प्रशासनिक नियंत्रण दिल्ली सरकार के पास ही रहेगा। केंद्रों में होने वाले वैधानिक कार्य सरकारी अधिकारियों द्वारा ही किए जाएंगे। निजी सेवा प्रदाता को मुख्य रूप से आधारभूत ढांचे, नागरिक सुविधाओं और अग्रिम कार्यालय के कर्मचारियों की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी जाएगी। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से कार्यालयों में कामकाज का तरीका बदलेगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। निजी सेवा प्रदाता को निर्धारित सेवा मानकों का पालन करना होगा। वहीं, तकनीकी प्रणाली पर सरकार का नियंत्रण रहने से प्रशासनिक जवाबदेही भी बनी रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, इस बदलाव से सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता बढ़ाने, कामकाज में तेजी लाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।



ई-डिस्ट्रिक्ट मंच से जुड़ेगा पंजीकरण सॉफ्टवेयर

प्रस्तावित जन सेवा केंद्रों में आधुनिक पूर्वनिर्मित ढांचे तैयार किए जाएंगे, ताकि कार्यालयों को कम समय में विकसित किया जा सके। इसके साथ ही पंजीकरण से जुड़े सॉफ्टवेयर को ई-डिस्ट्रिक्ट मंच से जोड़ा जाएगा। इससे नागरिक सेवाओं से संबंधित प्रक्रियाओं को एकीकृत करने और कामकाज को अधिक सुविधाजनक बनाने की योजना है। परियोजना की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को यह भी बताया गया कि कार्यालयों में आवश्यक बदलाव किस प्रकार किए जाएंगे और इन्हें पूरा करने में कितना समय लगेगा। इस दौरान यह सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई कि निर्माण और आधुनिकीकरण के दौरान आम लोगों का कामकाज प्रभावित न हो। इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं करने की योजना बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को सरकारी सेवाओं के लिए अलग-अलग दफ्तरों में भटकने और अनावश्यक परेशानियों से बचाना है।

दादर रेलवे स्टेशन का नाम 'चैत्यभूमि' करने के प्रस्ताव पर विवाद, मनसे ने जताया विरोध; स्थानीय लोगों की राय लेने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'चैत्यभूमि' रखने के प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद दादर स्टेशन का नाम बदलकर 'चैत्यभूमि' किया जाएगा। हालांकि, बाद में मुख्यमंत्री कार्यालय ने स्पष्ट किया कि नाम परिवर्तन का प्रस्ताव दादर मेट्रो स्टेशन के लिए है, रेलवे स्टेशन के लिए नहीं। इस मुद्दे पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने विरोध जताते हुए स्थानीय निवासियों की राय लेने की मांग की है। मनसे पार्षद यशवंत किल्लेदार ने इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने स्थानीय लोगों को विश्वास में लिए बिना नाम बदलने का निर्णय लिया है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के वार्ड संख्या 192 का प्रतिनिधित्व करने वाले किल्लेदार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा कि बाहरी लोगों की मांगों को स्थानीय निवासियों पर थोपकर दादर की पहचान मिटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले भी जब यह प्रस्ताव सामने आया था, तब स्थानीय निवासियों ने इसका विरोध किया था। किल्लेदार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सरकार से मनमाने ढंग से निर्णय नहीं लेने की अपील की। उनका कहना है कि सरकारों को नागरिकों की सहमति और भावनाओं का ध्यान रखते हुए फैसले लेने चाहिए। उन्होंने मांग की कि नाम परिवर्तन को आगे बढ़ाने से पहले स्थानीय निवासियों के बीच सर्वेक्षण कराया जाए या उनसे सीधे परामर्श किया जाए। किल्लेदार ने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे पर दादर के नागरिकों की भावनाओं से प्रधानमंत्री और केंद्रीय रेल मंत्री को अवगत कराते हुए पत्र लिखेंगे। दादर रेलवे स्टेशन मुंबई के सबसे महत्वपूर्ण रेल केंद्रों में से एक है। इसकी शुरुआत वर्ष 1853 में हुई थी। यह मध्य और पश्चिम रेलवे की रेल लाइनों को जोड़ता है और यहां 14 प्लेटफॉर्म हैं। वहीं, दादर मेट्रो स्टेशन एक अलग परिवहन केंद्र है। मुख्यमंत्री कार्यालय के स्पष्टीकरण के अनुसार, नाम परिवर्तन की प्रक्रिया मेट्रो स्टेशन के लिए आगे बढ़ाई जानी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 18 नवंबर को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस की तैयारियों की समीक्षा बैठक के दौरान दादर स्टेशन का नाम 'चैत्यभूमि' रखने की प्रक्रिया पूरी करने की बात कही थी। इसके बाद जारी सरकारी विज्ञप्ति में रेलवे स्टेशन का नाम बदलने का उल्लेख हुआ, जिससे राजनीतिक और सार्वजनिक स्तर पर चर्चा शुरू हो गई। बाद में मुख्यमंत्री कार्यालय ने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव दादर मेट्रो स्टेशन से संबंधित है।चैत्यभूमि दादर में स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का स्मारक स्थल है।



दुबई में नौकरी का झांसा देकर महिला को देह व्यापार में धकेलने का आरोप, दिव्यांग पति की गुहार पर सुरक्षित भारत लौटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बेहतर नौकरी और अच्छी कमाई का सपना लेकर दुबई गई महाराष्ट्र की एक महिला के साथ कथित धोखाधड़ी और शोषण का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला को होटल में नौकरी दिलाने और हर महीने 1.25 लाख रुपये वेतन देने का झांसा देकर दुबई बुलाया गया, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उसे देह व्यापार के लिए मजबूर किया गया।



विरोध करने पर उसका पासपोर्ट छीन लिया गया और रिहाई के बदले 5 लाख रुपये की मांग की गई। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल के हस्तक्षेप और विदेश मंत्रालय की मदद से महिला को सुरक्षित भारत वापस लाया गया है। वह मुंबई पहुंच चुकी है। मुरलीधर मोहोल के कार्यालय की ओर से गुरुवार को जारी बयान के अनुसार, महिला के पति ने पुणे के जंगली महाराज रोड स्थित उनके कार्यालय पहुंचकर मदद की गुहार लगाई थी। उसने बताया कि उसकी पत्नी को दुबई में बंधक बनाकर रखा गया है और उसका पासपोर्ट भी अपने कब्जे में ले लिया गया है। महिला का पति दिव्यांग है और परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उसकी पत्नी रोजगार की तलाश में विदेश गई थी। बताया गया कि इसी दौरान वाट्सऐप के माध्यम से एक व्यक्ति ने महिला से संपर्क किया और उसे दुबई के एक होटल में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इसके लिए हर महीने 1.25 लाख रुपये वेतन देने का वादा किया गया था। बेहतर कमाई की उम्मीद में महिला दुबई पहुंच गई, लेकिन वहां पहुंचने के बाद परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं। आरोप है कि दुबई पहुंचने के बाद महिला को देह व्यापार करने के लिए मजबूर किया गया। जब उसने इससे इनकार किया तो उसे बंधक बना लिया गया। आरोपितों ने उसे छोड़ने के बदले 5 लाख रुपये की मांग की और उसका पासपोर्ट भी छीन लिया। इस स्थिति में महिला के लिए भारत लौटना मुश्किल हो गया था। पति की शिकायत मिलने के बाद मुरलीधर मोहोल के कार्यालय ने महिला से संपर्क स्थापित किया और उसे सुरक्षित वापस लाने के प्रयास शुरू किए। मोहोल ने इस मामले में विदेश मंत्रालय से संपर्क किया।

होटलों में खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी, कहीं मिला एक्सपायरी दूध तो कहीं कॉकरोच; खाद्य लाइसेंस निलंबित



महानगर मेट्रो ब्यूरो

लोनावला। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल लोनावला में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की अचानक हुई जांच में चार बड़े होटलों के रसोईघरों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। कहीं एक्सपायरी दूध और खाद्य सामग्री रखी मिली, तो कहीं कॉकरोच और गंदगी पाई गई। एक होटल में कच्चे चिकन से खून मिला पानी टपक रहा था, जबकि दूसरे होटल की बेकरी में खाद्य पदार्थ बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक्सपायरी रंग मिले। इन खामियों के बाद विभाग ने चारों होटलों के खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। महाराष्ट्र सरकार के 'सुरक्षित भोजन, सुरक्षित महाराष्ट्र' अभियान के तहत 18 नवंबर 2026 को पुणे मंडल की एफडीए टीम ने लोनावला के प्रमुख होटलों और रेस्तरां में अचानक जांच की। टीम ने रसोईघर, फ्रिज, शीत भंडारण, बेकरी और खाद्य सामग्री रखने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा और साफ-सफाई से जुड़े नियमों का गंभीर उल्लंघन मिला। कार्रवाई की जद में आए होटलों में द ऑर्किड होटल, रिदम होटल, द फर्न होटल और बेसिलिका होटल शामिल हैं। द ऑर्किड होटल में जांच के दौरान रसोईघर में दूध के तीन और शीत भंडारण कक्ष में आठ पैकेट एक्सपायरी दूध के मिले। इस तरह कुल 11 पैकेट ऐसे दूध के पाए गए, जिनकी उपयोग अवधि समाप्त हो चुकी थी। इसके अलावा खाद्य सामग्री रखने के निर्धारित नियमों का भी पालन नहीं किया जा रहा था। खाद्य पदार्थों को उनकी खरीद और उपयोग की अंतिम तिथि के अनुसार व्यवस्थित रखने की व्यवस्था में लापरवाही मिली। कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ रखा गया था। फ्रिज, भोजन काटने वाले तख्ते और चूल्हे के पीछे का हिस्सा गंदा था। रसोईघर में पानी जमा था और कूड़ेदानों पर ढक्कन भी नहीं लगे थे। जांच में यह भी सामने आया कि रसोईघर के कर्मचारी आवश्यक सुरक्षा कपड़ों का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। कर्मचारियों के पास दस्ताने, एप्रन और सिर ढकने वाले आवरण नहीं थे। होटल में ग्राहकों की शिकायतें दर्ज करने के लिए आवश्यक शिकायत रजिस्टर भी नहीं मिला। रिदम होटल के मुख्य रसोईघर और बेकरी विभाग में जांच के दौरान कॉकरोच पाए गए। फ्रिज के आसपास भी कॉकरोच मौजूद थे। होटल प्रबंधन की ओर से कीट नियंत्रण से जुड़े अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए जा सके। यहां शाकाहारी और मांसाहारी भोजन को अलग-अलग रखने की उचित व्यवस्था नहीं थी। कच्चे और पके हुए खाद्य पदार्थ भी एक साथ रखे मिले। फ्रिज में रखे खाद्य पदार्थों और प्लास्टिक की बोतलों में भरी सॉस पर आवश्यक पहचान संबंधी पर्चियां नहीं लगी थीं। बेकरी की मशीनों और फ्रिज की नियमित गहरी सफाई भी नहीं की जा रही थी। शीतलन यंत्र से पानी बहकर फर्श पर जमा हो रहा था।

फेयरफैक्स अब आईआईएफएल कैपिटल का नया प्रवर्तक

44.08 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली ।

कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की अगुवाई वाले फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स समूह ने आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज में अपनी कुल हिस्सेदारी बढ़ाकर 44.08 प्रतिशत कर ली है। इस अधिग्रहण के साथ फेयरफैक्स अब कंपनी का नया प्रवर्तक बन गया है, जो भारत में समूह की बढ़ती निवेश रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फेयरफैक्स की निवेश इकाई एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने खुले बाजार से शेयरों की खरीद प्रक्रिया पूरी की। आंकड़ों के मुताबिक, एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने औसत 350 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1,540 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे आईआईएफएल कैपिटल में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.79 प्रतिशत हो गई। संबद्ध इकाइयों के साथ फेयरफैक्स समूह की कुल हिस्सेदारी 44.08 प्रतिशत हो गई है। इस बदलाव के बाद, आईआईएफएल के मौजूदा प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी 25.80 प्रतिशत से घटकर 11.85 प्रतिशत रह गई। प्रवर्तक समूह के प्रमुख निर्मल जैन और वेंकटरमण राजमणि ने अपनी हिस्सेदारी बेची है। यह कदम फेयरफैक्स समूह के लिए भारत में अपनी वित्तीय सेवाओं की उपस्थिति को और मजबूत करने का संकेत है।

अर्बन कंपनी ने क्यूआईपी से जुटाए 2,500 करोड़

6 गुना से अधिक की मिली जबरदस्त मांग

नई दिल्ली ।

घरेलू सेवा मंच अर्बन कंपनी ने घोषणा की है कि उसने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं। इस निर्गम के लिए कंपनी को निवेशकों से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की जबरदस्त मांग मिली, जो प्रस्तावित राशि का छह गुना से भी अधिक है। यह पूंजी कंपनी के इंस्टाहेल्प आपूर्ति पारिस्थितिकी तंत्र, विपणन, प्रौद्योगिकी उन्नयन, प्रशिक्षण और संभावित अधिग्रहणों को बढ़ावा देने में सहायक होगी। कंपनी ने बताया कि क्यूआईपी 16 नवंबर को खुला और 19 नवंबर को बंद हुआ। निदेशक मंडल ने 19 नवंबर को एक रुपये अंकित मूल्य वाले 16,02,56,410 इक्विटी शेयरों को 156 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर आवंटित करने की मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य न्यूनतम 161.03 रुपये प्रति शेयर से 3.1 प्रतिशत की छूट पर था। क्यूआईपी में 60 से अधिक निवेशकों ने बोलियां लगाईं, जिनमें से 33 निवेशकों को शेयर आवंटित किए गए। इनमें 13 ऐसे निवेशक भी शामिल थे जिनके पास निर्गम की तिथि तक कंपनी के शेयर नहीं थे। निर्गम का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 13 प्रमुख म्यूचुअल फंड कंपनियों को आवंटित किया गया। इनमें एसबीआई, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिरे एसेट, इन्वेस्को, व्हाइटओक कैपिटल, मोतीलाल ओसवाल, आदित्य बिड़ला सन लाइफ, कोटक, निप्पॉन इंडिया, यूटीआई, एडलवाइस, बंधन और जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड शामिल हैं, जो कंपनी में मजबूत संस्थागत विश्वास को दर्शाता है।

सेबी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के हस्तांतरण को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा (पीएमएस) कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

यह अधिग्रहण आईसीआईसीआई समूह के भीतर परिसंपत्ति प्रबंधन सेवाओं के पुनर्गठन का हिस्सा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने हाल ही में शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज से एक ईमेल प्राप्त हुआ है। इस ईमेल में जानकारी दी गई है कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को सेबी से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उसके पीएमएस कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी गई है। यह अधिग्रहण चालू स्थिति में एकमुश्त बिक्री के आधार पर किया जाएगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के निदेशक मंडल ने पहले ही 10 अगस्त को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद दोनों कंपनियों ने इस सौदे के लिए एक कारोबार हस्तांतरण समझौता किया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 897, निफ्टी 286 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ कारोबार का समापन किया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। जिससे प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने एक बार फिर नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच। लगातार दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए, बाजार ने निवेशकों को बड़ी राहत दी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 897.96 अंक की प्रभावशाली बढ़त के साथ 83,919.71 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 286.30 अंक की छलांग लगाकर 25,800.60 पर पहुंचा। दिन के कारोबार के दौरान भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपने उच्चतम स्तरों को हासिल किया। सेंसेक्स ने 1,016.21 अंकों की उछाल के साथ 84,037.96 का इंट्रा-डे हाई दर्ज किया, जबकि निफ्टी 50 ने 294.5 अंकों की तेजी के साथ 25,808.80 के उच्चतम स्तर को स्पर्श किया। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। आज के कारोबार में, निफ्टी 50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 5.2 प्रतिशत की सबसे बड़ी बढ़त देखी गई। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी



3 से 4 प्रतिशत की अच्छी तेजी दर्ज की गई। हालांकि, टाइटन, टाटा स्टील, एनटीपीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसे कुछ शेयरों में गिरावट देखने को मिली। व्यापक बाजारों की बात करें तो, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.66 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की हल्की गिरावट आई। सेक्टरवार प्रदर्शन में, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 3 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 2.5 प्रतिशत, पीएसयू बैंक में 1.2 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 1.3 प्रतिशत की उछाल आई। रियल एस्टेट (1.7 प्रतिशत), फाइनेंशियल सर्विसेज (1.6 प्रतिशत) और ऑटो (0.65 प्रतिशत) सेक्टर भी हरे निशान में रहे। इसके विपरीत, निफ्टी मीडिया में 1.68 प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

कच्ची चीनी आयात के लिए डीजीएफटी ने फिर खोला कोटा

पात्र मिलें 27 नवंबर तक कर सकेंगी आवेदन

नई दिल्ली ।



वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कच्ची चीनी के आयात के लिए शेष बचे कोटे के आवंटन हेतु एकबारगी आवेदन सुविधा शुरू की है। यह सुविधा उन पात्र चीनी मिलों और रिफाइनरी इकाइयों के लिए है, जो 27 नवंबर तक इस कोटे के लिए आवेदन कर सकती हैं। अगस्त में अधिसूचित 10 लाख टन के कुल शुल्क दर कोटे (टीआरक्यू) में से 8,12,450 टन का आवंटन पहले ही किया जा चुका था। संबंधित आवंटियों द्वारा 27,493.859 टन कोटा वापस करने और पहले से आवंटित न की गई 1,87,550 टन मात्रा को मिलाकर, अब कुल 2,15,043.859 टन कच्ची चीनी आयात के लिए उपलब्ध है। डीजीएफटी ने बताया कि वैधता अवधि बढ़ाए जाने और शेष मात्रा को देखते हुए यह सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत केवल वही चीनी मिलें और रिफाइनरी इकाइयां आवेदन कर सकती हैं जिनके पास आयातित कच्ची चीनी को सफेद/रिफाइंड चीनी में बदलने की अपनी कार्यशील क्षमता है।

यूएनओ बैंक कंगाल,नेताओं की सिफारिश पर खास लोगों को बांटे अंधाधुंध कर्ज

बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित, देश में मचा वित्तीय हड़कंप

पराग्वे।

यूएनओ बैंक, जो कभी सबसे तेजी से उभरते हुए वित्तीय संस्थानों में से एक था, अब डूब गया है। बैंक ने कथित तौर पर नेताओं की सिफारिश पर अपने ही समूह की कंपनियों और खास लोगों को अंधाधुंध कर्ज बांटे। इस वित्तीय संकट के कारण बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित हुए, जिनकी हजारों करोड़ रुपए की जमा पूंजी अब खतरे में है। पराग्वे सरकार ने इस नुकसान की भरपाई को बहुत मुश्किल बताया है, जिससे पूरे देश में वित्तीय हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएनओ बैंक ने एक फिनटेक स्टार्टअप के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के जरिए तेजी से लोकप्रियता हासिल की। मोबाइल ऐप, कैशबैक और अन्य आकर्षक प्रस्तावों ने इसे चंद सालों में पराग्वे की 64 लाख की आबादी में से 30 लाख ग्राहक बनाने में मदद की। बैंक ने पराग्वे की फुटबॉल टीम को भी प्रायोजित किया और कई स्टेडियमों से जुड़ा, जिससे इसकी छवि और मजबूत हुई। हालांकि, इस बाहरी चमक के पीछे, बैंक अंदरूनी तौर पर खोखला होता चला गया। आरोप है कि बैंक ने केवल उन्हीं कमजोर कंपनियों को कर्ज दिए जिनके उसके मालिकों या राजनीतिक हस्तियों से संबंध थे, जिससे संकट की शुरुआत हुई। यह भी आरोप है कि बैंक ने अपनी बैलेंस शीट में वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपाया और कुछ खर्चों को गलत तरीके से संपत्ति के रूप में दिखाया। जांच में तत्कालीन राष्ट्रपति की एक संपत्ति पर छापेमारी में एक तिजोरी भी मिली। इस बैंक में केवल आम लोगों का ही नहीं, बल्कि राज्य के पेंशन और हेल्थ फंड समेत करीब 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा का सार्वजनिक धन भी जमा था, जिससे संकट और गहरा गया। आमतौर पर ऐसे मामलों में केंद्रीय बैंक तुरंत हस्तक्षेप करता है, लेकिन जानकारों के मुताबिक पराग्वे के केंद्रीय बैंक ने इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की। रिपोर्टों में दावा किया गया कि कुछ अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका गया था और ये आदेश तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख की ओर से आते थे। विवाद बढ़ने के बाद, तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख को इस्तीफा देना पड़ा।

नए केंद्रीय बैंक प्रमुख ने बताया कि पांच दिनों से भी कम समय में करीब 18.12 लाख लोगों के खाते दूसरे बैंकों में स्थानांतरित किए गए और जमा राशि के भुगतान के लिए डिपॉजिट गारंटी फंड का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक के डूबने से एक अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई असंभव है।

टूआरई ओरियाना पावर पांच सीबीजी संयंत्रों में 750 करोड़ का निवेश करेगी

यूपी, एमपी और गुजरात में लगेंगे 110 टन प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी टूआरई ओरियाना पावर लिमिटेड ने जैव ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है।

कंपनी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में 750 करोड़ रुपये के निवेश से पांच नए कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है।

इन संयंत्रों की संयुक्त उत्पादन क्षमता 110 टन प्रतिदिन होगी और इनके अगले दो वर्षों के भीतर चालू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं को सरकार की गोबर-धन पहल के तहत पंजीकृत और अनुमोदित किया गया है। यह निवेश टूआरई ओरियाना के सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण से आगे बढ़कर वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में कदम रखने का प्रतीक है। कंपनी का यह कदम भारत के ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने, घरेलू ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर



निर्भरता कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य में भी योगदान देगा। टूआरई ओरियाना पावर के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और सीबीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को उच्च क्षमता वाले उभरते अवसरों के रूप में देखती है।

सोने की चाल बिगड़ी, बफे के सिद्धांत की हुई जीत

मुंबई ।

गोल्ड मार्केट में आई हालिया गिरावट ने कई निवेशकों को चौंकाया है। वहीं दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के निवेश सिद्धांतों को यह स्थिति एक बार फिर सही साबित करती दिख रही है, क्योंकि वह हमेशा से सोने को अनुत्पादक मानते रहे हैं। 2024 से 2026 की शुरुआत तक गोल्ड में अच्छी तेजी थी, जब कई निवेशकों ने फायदा उठाया। वॉरेन बफे ने तब भी इससे दूरी बनाए रखी। अब, सोने में फिर गिरावट का रुख है।

फंड्समइंडिया रिसर्च के मुताबिक, इस साल 31 अक्टूबर तक सोने में सालाना आधार पर 25 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज हुई, जो 1980 के बाद की सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है। नोमुरा का अनुमान है कि सोना गिरकर 3500 डॉलर तक आ सकता है, जो मौजूदा स्तर से करीब 5 फीसदी कम होगा। जहां कई निवेशक महंगाई या बाजार में हलचल से बचाव के लिए सोने को अच्छा मानते हैं, वहीं बफे का दृष्टिकोण भिन्न है। उनका मानना है कि सोना अपने मालिक के लिए कोई कमाई नहीं करता - न ब्याज, न डिविडेंड, न कोई नया प्रोडक्ट। इसमें निवेश करने वाले सिर्फ इस उम्मीद में पैसा लगाते हैं कि कोई दूसरा निवेशक इसे ज्यादा कीमत पर खरीदेगा।

फ्लिपकार्ट सेल समय बदलाव से वॉलमार्ट की तीसरी तिमाही में आय प्रभावित

अमेरिकी खुदरा दिग्गज को तीसरी तिमाही में एक प्रतिशत राजस्व वृद्धि का नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने हाल ही में घोषणा की है कि उसकी तीसरी तिमाही की राजस्व वृद्धि पर एक प्रतिशत का नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी मुख्य वजह उसकी भारतीय ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट की प्रमुख बिग बिलियन डेज (बीबीडी) बिक्री आयोजन का समय बदलना है, जो इस साल चौथी तिमाही में चला गया है। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में स्पष्ट किया कि पिछले साल की तुलना में फ्लिपकार्ट की 11-दिवसीय बिग बिलियन डेज बिक्री का समय बदलने से यह प्रभाव पड़ा। जहां तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई, वहीं चौथी तिमाही में इसका अपेक्षित लाभ मिलने की उम्मीद है।

वॉलमार्ट इंक के एक अधिकारी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लिपकार्ट के बीबीडी आयोजन के समय में बदलाव के कारण उन्हें तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि में एक फीसदी की कमी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि इस आय को इस साल अंतरराष्ट्रीय खंड की चौथी तिमाही के नतीजों में दर्ज किया जाएगा। यह बदलाव दर्शाता है कि त्योहारी बिक्री के समय का बड़े खुदरा खिलाड़ियों की आय पर कितना गहरा असर पड़ता है। खबरों के मुताबिक, 9 अक्टूबर को शुरू हुए बिग बिलियन डेज के 13वें संस्करण में ऑर्डर, इकाइयों और खरीदारों की संख्या में सालाना आधार पर 20 से 22 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो चौथी तिमाही के लिए मजबूत आय का संकेत है।

मॉरीशस निवेशक के एमएफ यूनिट बिक्री पर भारत में टैक्स नहीं

अदालत ने कहा- निवेशक फंड की इकाई का मालिक, अंतर्निहित शेयरों का नहीं



नई दिल्ली ।

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मॉरीशस स्थित निवेशकों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुए मुनाफे पर भारत में टैक्स नहीं लगाने का स्पष्टीकरण दिया है। यह फैसला इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स को 593.48 करोड़ रुपए के टैक्स विवाद में बड़ी राहत देता है, जिससे भारत-मॉरीशस दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) के तहत कर छूट के दावे को बल मिला है। अदालत ने आयकर विभाग की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुई कमाई को अंतर्निहित भारतीय कंपनियों के शेयरों की बिक्री से प्राप्त लाभ माना जा रहा था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निवेशक केवल म्यूचुअल फंड की यूनिट का मालिक होता है, न कि फंड के जरिए खरीदे गए शेयरों का। इसलिए यूनिटधारक सीधे तौर पर किसी कंपनी का शेयरधारक नहीं होता।

यह मामला मॉरीशस स्थित इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स से संबंधित था, जिसने आकलन वर्ष 2022-23 में इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट बेचकर 593.48 करोड़ रुपए का पूंजीगत लाभ कमाया था। आयकर विभाग का तर्क था कि फंड की 65 फीसदी से अधिक संपत्ति भारतीय शेयरों में निवेशित थी, इसलिए पूरी कमाई भारत में कर योग्य होनी चाहिए।

एआई निवेश की चिंता ने गिराए एशियाई टेक शेयर

जापानी निक्केई चार महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

एशियाई टेक और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान की कई दिग्गज कंपनियों, जिनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टबैंक शामिल हैं, के शेयर 17 फीसदी तक लुढ़क गए। यह गिरावट एआई कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश के भविष्य में संभावित मुनाफे को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंता का परिणाम है, जबकि हाल ही में एआई फर्म एंथ्रोपिक का आईपीओ रिकॉर्डतोड़ सफल रहा था। बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों को संदेह है कि एआई पर कंपनियों द्वारा खर्च की जा रही भारी रकम भविष्य में कितना मुनाफा देगी।

एंथ्रोपिक के शानदार आईपीओ के बावजूद यह चिंता दूर नहीं हुई। पिछले कई महीनों से एआई कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन और बढ़ते खर्च को लेकर बाजार में चिंता बनी हुई है। इस बिकवाली के चलते चिप टेस्टिंग उपकरण बनाने वाली जापानी कंपनी एडवांटेस्ट के शेयर 12 फीसदी गिरे, वहीं सॉफ्टबैंक ग्रुप का शेयर 17 फीसदी तक टूट गया। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स अप्रैल के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया में मेमोरी चिप बनाने वाली एसके हाइनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। ताइवान में भी, शॉर्ट सेलिंग पर पाबंदियों के बावजूद, टीएसएमसी और मीडियाटेक के शेयरों में गिरावट जारी रही। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद नियमों में संभावित बदलाव और एक बड़ी वैश्विक चिप कंपनी से वरिष्ठ अधिकारी के अचानक हटने से भी एआई सेक्टर को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। निवेशक अब एआई कंपनियों की केवल बिक्री वृद्धि नहीं, बल्कि कमाई के मुकाबले खर्च के अनुपात को भी बारीकी से देख रहे हैं। यह सब मिलकर निवेशकों में जरूरत से ज्यादा बुनियादी ढांचे पर खर्च और निवेश पर रिटर्न को लेकर चिंता पैदा कर रहा है।

जेपी मॉर्गन चेज के हजारों ग्राहकों का डेटा लीक

ईमेल और फोन नंबर हुए सार्वजनिक, पर संवेदनशील वित्तीय जानकारी सुरक्षित

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के जेपी मॉर्गन चेज बैंक से जुड़ी एक बड़ी साइबर सुरक्षा घटना सामने आई है। बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर हुए साइबर हमले के बाद हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी इंटरनेट पर लीक हो गई है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से ईमेल पते और कुछ फोन नंबर शामिल हैं, हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट कार्ड विवरण या अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी प्रभावित नहीं हुई। बैंक ने यह भी पुष्टि की है कि यह घटना हाल ही में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से संबंधित नहीं है।

बैंक प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों ने इन बाहरी कंपनियों के मार्केटिंग से संबंधित डेटा तक पहुंच बनाई, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल थे। वीजा और मास्टरकार्ड ने भी डेटा लीक की पुष्टि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि उनके भुगतान संबंधी कार्यों या ग्राहकों की संवेदनशील जानकारी पर कोई असर नहीं पड़ा। बैंक के अनुसार प्रभावित खातों की संख्या हजारों में है, जो चेज बैंक के करोड़ों ग्राहकों के आधार का एक छोटा हिस्सा है। घटना को फिलहाल काबू में कर लिया गया है और प्रभावित कार्डधारकों की सहायता की जा रही है। बैंक ने दोहराया कि यह साइबर हमला इस सप्ताह की शुरुआत में हुई सॉफ्टवेयर खराबी के कारण आई बैंकिंग सेवाओं में बाधा से पूरी तरह अलग है। यह घटना हाल ही में विश्व स्तर पर सामने आई तकनीकी समस्याओं की शृंखला का हिस्सा है, जिसने विमान सेवाओं और माइक्रोसॉफ्ट की ईमेल सेवाओं को भी प्रभावित किया है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 पर खुला

-पिछले दिन रुपया नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था

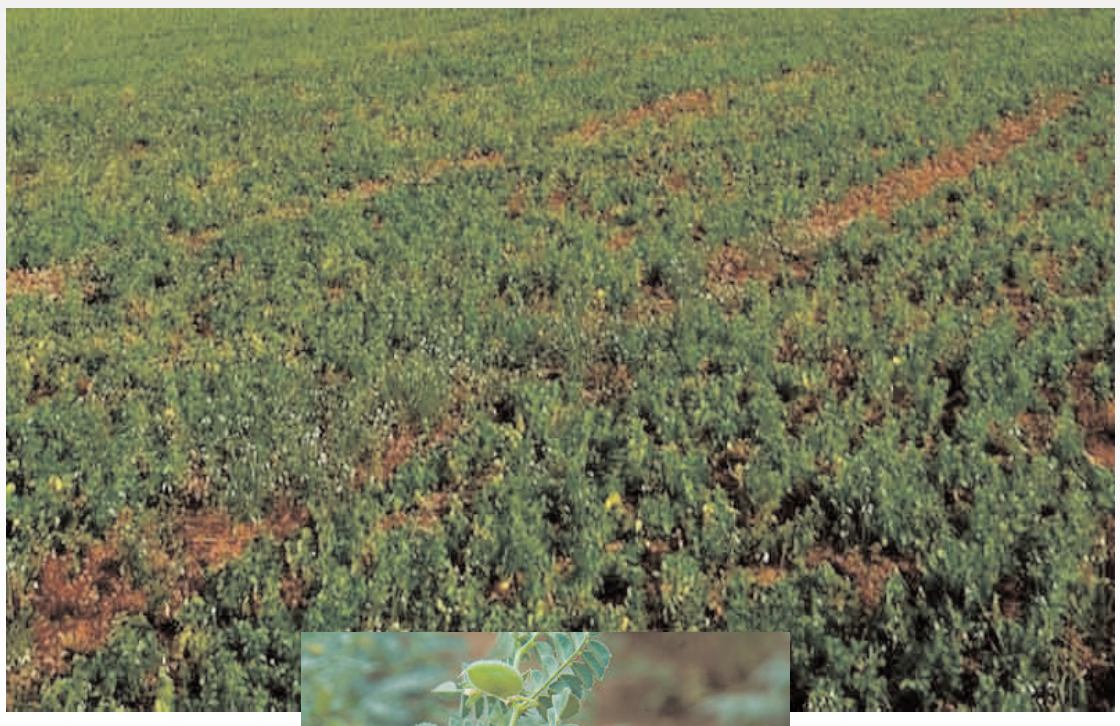


मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की मजबूत लिवाली और प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बावजूद स्थानीय मुद्रा ने मजबूती दिखाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 पर खुला और फिर बढ़त हासिल करते हुए 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की मजबूती दर्शाता है। गुरुवार को रुपया लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था।

किसान चने की इन 3 किस्मों की करें खेती,

कम लागत और समय में मिलेगी बंपर पैदावार





किसान चने की इन 3 किस्मों की करें खेती, कम लागत और समय में मिलेगी बंपर पैदावार; जानिए खासियत और लाभ – रबी फसलों की बुवाई का सीजन चल रहा है। इस सीजन में किसान मुख्य तौर पर चना, गेहूं और सोयाबीन की फसल बोते हैं। ऐसे में अन्नदाताओं को अच्छी किस्म के बीजों की आवश्यकता होती है ताकि वह अच्छी पैदावार लें सके। हालांकि, बाजार में रबी फसलों की बहुत सी अधिक उत्पादन देने वाली किस्में हैं मौजूद है लेकिन इनकी जानकारी हर किसान को नहीं होती है। ऐसे में यहां हम आपको चने की अधिक उत्पादन देने वाली टॉप 3 किस्मों की जानकारी देंगे, ताकि आप कम लागत और समय में बढ़िया मुनाफा कमा सकें। आइए जानें किस्नों की खासियत और लाभ।किसान क्रेडिट कार्ड

1. बिदिशा (बीजी 1084) डब्ल्यूबीजी 29 — पश्चिम बंगाल के किसानों के लिए वरदान
   - » रिलीज वर्ष: 2015 (एसवीआरसी)
   - » उद्गम केंद्र: बेरहामपुर, पश्चिम बंगाल
   - » औसत उपज: लगभग 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
   - » परिपक्वता अवधि: 131 दिन
   - » उपयुक्त क्षेत्र: पश्चिम बंगाल
   - » विशेष लक्षण: पछेती बुवाई की स्थिति में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन
   - » मुख्य विशेषता: छोटे बीजों वाली मध्यम परिपक्व देसी किस्म (12–14 ग्राम प्रति 100 बीज)

   यह किस्म देरी से बोई जाने वाली फसलों के लिए उपयुक्त है और उपज के मामले में अन्य देसी किस्मों से काफी बेहतर मानी जाती है।
2. बीडीएनजीके 798 — महाराष्ट्र के किसानों के लिए उपयुक्त काबुली किस्म

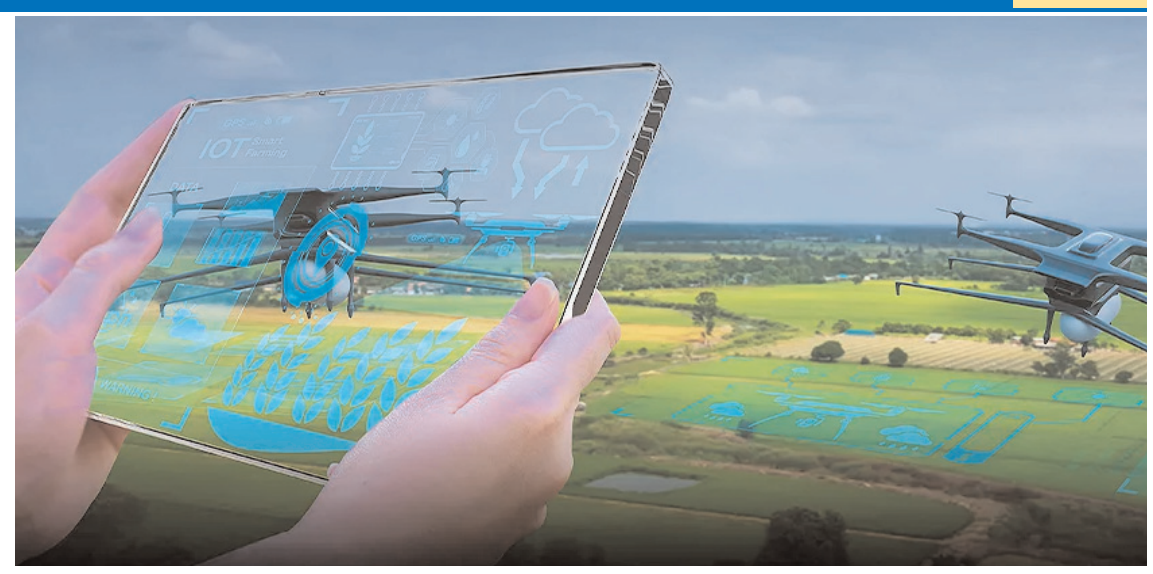
बीज उर्वरक

- » रिलीज वर्ष: 2016 (एसवीआरसी)
- » उद्गम केंद्र: एआरएस, जालना
- » औसत उपज: 16–18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
- » परिपक्वता अवधि: 120–135 दिन
- –उपयुक्त क्षेत्र: महाराष्ट्र
- » विशेष लक्षण: सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त
- » मुख्य विशेषता: सफेद दानों वाली काबुली किस्म (29 ग्राम प्रति 100 बीज), मुरझान और स्टंट रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी

यह किस्म न केवल दाने के आकार और रंग के कारण बाजार में लोकप्रिय है, बल्कि इसकी रोग सहनशीलता और उपज क्षमता भी किसानों को अच्छा मुनाफा दिला सकती है।

3. गुजरात जूनागढ़ ग्राम 6 (जीजेजी 6) — उच्च उपज और रोग प्रतिरोधक किस्म
   - » रिलीज वर्ष: 2016 (एसवीआरसी)
   - » उद्गम केंद्र: जूनागढ़
   - » औसत उपज: 16–18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
   - » परिपक्वता अवधि: 120–130 दिन
   - » उपयुक्त क्षेत्र: गुजरात
   - » विशेष लक्षण: सामान्य बुवाई के लिए उपयुक्त
   - » मुख्य विशेषता: मुरझान और स्टंट रोगों के प्रति सहिष्णु

गुजरात के किसानों के बीच यह किस्म लोकप्रिय हो रही है क्योंकि यह सामान्य बुवाई में भी बेहतर पैदावार देती है और बीमारियों से सुरक्षित रहती है।



भारत में खेती को बदल रहीं ये आधुनिक तकनीक

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया गया है कि कैसे सात आधुनिक टेक्नोलॉजी कृषि क्षेत्र में बदलाव ला रही हैं। खास बात यह है कि इन बदलावों के लिए फोरम ने अपनी रिपोर्ट में भारत की कई केस स्टडी का हवाला दिया है।

भारत की केस स्टडी का रिपोर्ट में हवाला

तकनीक से कृषि में बढ़ेगी उत्पादकता

Agriculture News: वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि जनरेटिव एआई, रोबोटिक्स और उपग्रह–आधारित रिमोट सेंसिंग सहित सात उभरती टेक्नोलॉजी कृषि में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। इन सात उभरती टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर विजन, एज इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), CRISPR (क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट्स) और नैनो टेक्नोलॉजी भी शामिल हैं। ये ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करते हुए लचीलापन और उत्पादकता को बढ़ावा देंगी। रोचक बात यह है कि इस रिपोर्ट में भारत की कई केस स्टडी का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट का शीर्षक 'कृषि में गहन–तकनीकी क्रांति को आकार देना' है। इसे उद्योग और शिक्षा जगत, दोनों के हितधारकों के सहयोग से विकसित किया गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कृषि क्षेत्र वैश्विक स्तर पर संकटों के दौर से गुजर रहा है।

प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण से आजीविका को खतरा

गांवों से शहरों की ओर बढ़ता पलायन, जलवायु परिवर्तन की तीव्रता और प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर मिट्टी और जल का तेजी से क्षरण उत्पादकता को खतरे में डाल रहे हैं। इससे कृषि पर निर्भर आजीविका के लिए भी खतरा बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (स्नह) के अनुसार वर्ष 2050 तक बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए दुनिया को काफी अधिक खाद्यान्न उत्पादन करने की आवश्यकता होगी। यह लक्ष्य बढ़ते दबावों को देखते हुए हासिल करना होगा, क्योंकि दुनिया की एक–तिहाई मिट्टी का क्षरण हो चुका है, 71 प्रतिशत एक्रीफर समाप्त हो चुके हैं और औसत किसान की उम्र लगभग 60 वर्ष हो रही है।

टेक्नोलॉजी में मूलभूत बदलाव लाने की क्षमता

विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने कहा कि इन सात तकनीकी क्षेत्रों में फसलों की खेती, निगरानी, संरक्षण और वितरण के तरीकों में मूलभूत बदलाव लाने की क्षमता है, जिससे पूरे कृषि क्षेत्र में उत्पादकता, स्थिरता और लचीलेपन में सुधार होगा। रिपोर्ट में ऑटोनोमस स्वार्म रोबोटिक्स, प्रिसिजन कृषि प्रबंधन, एजेंटिक एआई सिस्टम और कार्बन रिपोर्टिंग जैसे उच्च–प्रभावी उपयोग के मामलों के लिए इन टेक्नोलॉजी की क्षमता पर भी प्रकाश डाला गया है।

सरकारों से तालमेल बनाए रखने का आग्रह

इसमें कई उदाहरण भी दिए गए हैं। मसलन, जलवायु–अनुकूल चावल की किस्में जो 20 प्रतिशत कम उत्सर्जन करती हैं, गन्ने में प्रिसिजन खेती जिससे पैदावार में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुईहै, और सप्लाई चेन जोखिमों का पूर्वानुमान लगाने और कार्बन वित्त पोषण को बढ़ावा देने के लिए रिमोट सेंसिंग के उपयोग को प्रदर्शित किया गया है।

WEF ने गहन तकनीकी इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया है जो कृषि प्रणालियों की समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही इसने सरकारों से तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए चुस्त नीतियों और नियामक सैंडबॉक्स को अपनाने का आग्रह किया है।

कृषि पहल के लिए आर्टिफिशि इंटेलिजेंस

यह रिपोर्ट विश्व आर्थिक मंच की पहल के लिए आर्टिफिशियल इंटेलि (AI4AI) की तरफ से जारी की गई है। 2021 से AI4AI पहल ने भारत 895,000 से अधिक किसानों को डिजि तकनीक प्रदान की है। AI4AI ने कृषि टेक्नोलॉजी के परिवर्तनकारी प्रभाव दिखाने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र, शि जगत, स्टार्टअप और नागरिक समाज स बहु–हितधारक साझेदारियों को बढ़ावा है। भारत में सीखे गए सबक के आधार AI4AI ने सऊदी अरब, कोलंबिया ब्राजील में भी इसी तरह की पहल अवधारणा का समर्थन किया है। WEF कहा कि अनियमित वर्षा और बढ़ते ताप के कारण कई बागवानी फसलों को लग 65 प्रतिशत का नुकसान हुआ है।

भारत की केस स्टडी का हवाला

रिपोर्ट में भारतीय कृषि अनुसंधान परि (ICAR) द्वारा देश में जलवायु–अनु चावल विकसित करने की एक केस स्टडी हवाला दिया गया है। फसल–सुधार पारंपरिक विधियों में प्रजनन चक्र लंबा हो और प्रिसिजन सीमित होता है। इससे उभ जलवायु और रोग संकट के दबावों से निप के लिए किस्मों का विकास धीमा हो जाता

इस समस्या से निपटने के लिए ICA के शोधकर्ताओं ने CRISPR–आधा जीनोम संपादन का उपयोग करके चावल दो किस्में विकसित कीं। पहली, DRR 1 ने सूखे, लवणता और जलवायु के दबावे प्रति सहनशीलता में सुधार किया है। ICA का दावा है कि इससे उपज में 19 प्रतिशत वृद्धि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में प्रतिशत की कमी हो सकती है। दूसरी कि पूसा डीएसटी चावल 1 लवणीय और क्षा मिट्टी में यील्ड में 9.66 से 30.4 प्रतिशत की वृद्धि कर सकती है।

तिलहन की खेती



परिचय

भारत में तिल की खेती पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश में की जाती हैढ्ढ भारत के कुल उत्पादन 20 प्रतिशत उत्पादन अकेले गुजरात से होता हैढ्ढ उत्तर प्रदेश में तिल की खेती मुख्यत: बुंदेलखंड के राकर भूमि में तथा मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, इलाहाबाद, फतेहपुर, आगरा एवम मैनपुरी में शुद्ध एवम मिश्रित रूप से की जाती हैढ्ढ तिल की उत्पादकता बहुत ही कम है सघन पद्धतियाँ अपनाकर उत्पादन बढाया जा सकता हैढ्ढ

जलवायु

तिल की खेती के लिए किस प्रकार की जलवायु अ ो र



भूमि की आवश्यकता पड़ती है

तिल के लिए शीतोषण जलवायु उपयुक्त होती है मुख्यत: बरसात या खरीफ में इसकी खेती की जाती है यह बहुत ही ज्यादा बरसात या सूखा पड़ने पर फसल अच्छी नहीं होती हैढ्ढ इसके लिए हल्की भूमि तथा दोमट भूमि अच्छी होती हैढ्ढ यह फसल पी एच 5.5 से 8.2 तक की भूमि में उगाई जा सकती हैढ्ढ फिर भी यह फसल बलुई दोमट से काली मिट्टी में भी उगाई जाती हैढ्ढ

प्रजातियां

तिल की जो उन्नतशील प्रजातियाँ है उनके बारे में जाने किसान भाईयो को बताईये उन उन्नतशील प्रजातियों के बारे में

तिल की कई प्रजातियाँ पाई जाती है जैसे की टाईप 4, टाईप12, टाईप13, टाईप78, शेखर, प्रगति, तरुण, कृष्णा, एवम बी.63 प्रजातियाँ हैढ्ढ

भूमि की तैयारी

फसल की तैयारी के लिए अपने खेतों की तैयारी किस प्रकार करनी चाहिए

खेत की तैयारी के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा दो–तीन जुताई कल्टीवेटर या देशी हल से करके खेत में पाटा लगाकर भुरभुरा बना लेना चाहिएढ्ढ इसके पश्चात ही बुवाई करनी चाहिएढ्ढ 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद को आख़िरी जुताई में मिला देना चाहिएढ्ढ

बीज और बुआई

तिल की फसल में बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर कितनी लगती है और बीज का शोधन हमारे किसान भाई किस प्रकार करे

एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए तीन से चार किलोग्राम बीज पर्याप्त होता हैढ्ढ बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधन करना चाहिएढ्ढ

तिल की बुवाई किस समय और किस विधि द्वारा करनी चाहिए

तिल की बुवाई का उचित समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई का दूसरा पखवारा माना जाता हैढ्ढ तिल की बुवाई हल के पीछे लाइन से लाइन 30 से 45 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को कम गहराई पर करते हैढ्ढ

पोषण प्रबंधन

फसल में खाद एवम उर्वरको का प्रयोग कब करना चाहिए और कितनी मात्रा में करना चाहिए

उर्वरको का प्रयोग भूमि परीक्षण के आधार पर करना चाहिएढ्ढ 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद खेत तैयारी करते समय आख़िरी जुताई में मिला देना चाहिएढ्ढ इसके साथ ही साथ 30 किलोग्राम नत्रजन, 15 किलोग्राम फास्फोरस तथा 25 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ रकार तथा भूड भूमि में 15 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस,पोटाश एवम गंधक की पूरी मात्रा बुवाई के समय बेसल ड्रेसिंग में तथा नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम निराई–गुडाई के समय खड़ी फसल में देना चाहिएढ्ढ

सिंचाई प्रबंधन

सिंचाई प्रबंधन तिल की फसल में कब होना चाहिए किस प्रकार होना चाहिए इस बारे में बताईये

वर्षा ऋतू की फसल होने के कारण सिंचाई की कम आवश्यकता पड़ती हैढ्ढ यदि पानी न बरसे तो आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ फसल में 50 से 60 प्रतिशत फलत होने पर एक सिंचाई करना आवश्यक हैढ्ढ यदि पानी न बरसे तो सिंचाई करना आवश्यक होता हैढ्ढ

निराई–गुडाई

तिल की फसल में निराई–गुडाई कब करनी चाहिए और खरपतवारों के नियंत्रण हेतु क्या उपाय करने चाहिए

किसान भाईयो प्रथम निराई–गुडाई बुवाई के 15 से 20 दिन बाद दूसरी 30 से 35 दिन बाद करनी चाहिएढ्ढ निराई–गुडाई करते समय थिनिंग या विरलीकरण करके पौधों के आपस की दूरी 10 से 12 सेंटीमीटर कर देनी चाहिएढ्ढ खरपतवार नियंत्रण हेतु एलाक्लोर50 ई.सी. 1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर बुवाई के बाद दो–तीन दिन के अन्दर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ

रोगों पर नियंत्रण

रोगों पर नियंत्रण हमें कैसे करना चाहिए इस पर जानकारी दे रहे है

इसमे तिल की फिलोड़ी अवम फाईटोप्थोरा झुलसा रोग लगते हैढ्ढ फिलोड़ी की रोकथाम के लिए बुवाई के समय कूंड में 10जी. 15 किलोग्राम या मिथायल–ओ–डिमेटान 25 ई.सी 1 लीटर की दर से प्रयोग करना चाहिए तथा फाईटोप्थोरा झुलसा की रोकथाम हेतु 3 किलोग्राम कापर आक्सीक्लोराइड या मैन्कोजेब 2.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से आवश्यकतानुसार दो–तीन बार छिड़काव करना चाहिएढ्ढ

कीट प्रबंधन

कौन–कौन से कीट तिल की फसल में लग सक है और उनका नियंत्रण हमें किस प्रकार करना चाहिए

तिल में पत्ती लपेटक अवम फली बेधक कीट लग हैढ्ढ इन कीटों की रोकथाम के लिए क्यूनालफास 2 ई.सी. 1.25 लीटर या मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिश चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से छिड़क करना चाहिएढ्ढ

कटाई एवं मड़ाई

तिल की फसल की कटाई एवम मड़ाई का स समय क्या है कब करनी चाहिए

तिल की पत्तियां जब पीली होकर गिरने लगे त पत्तियां हरा रंग लिए हुए पीली हो जावे तब समझ चाहिए की फसल पककर तैयार हो गयी हैढ्ढ इस पश्चात कटाई पेड़ सहित नीचे से करनी चाहिएढ्ढ कट के बाद बण्डल बनाकर खेत में ही जगह जगह छोटे–छोटे ढेर में खड़े कर देना चाहिएढ्ढ जब अच तरह से पौधे सूख जावे तब डंडे छड आदि की सहाय से पौधों को पीटकर या हल्का झाड़कर बीज निका लेना चाहिएढ्ढ

पैदावार

तिल की फसल से लगभग प्रति हेक्टेयर कित पैदावार हमें प्राप्त हो जाती है

तकनीकी तरीको से खेती करने पर तिल पैदावार 7 से 8 कुन्तल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती हैढ्ढ

'सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने में कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं'

गौतम गंभीर और पृथ्वी शॉ के कोच का बयान



नई दिल्ली । गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंडिया की प्लेइंग इलेवन से मोहम्मद सिराज को बाहर रखने के पीछे धार्मिक एंगल के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि टीम का चयन पूरी तरह से क्रिकेट की जरूरतों और कॉम्बिनेशन पर आधारित था। आईएएनएस से बात करते हुए भारद्वाज ने कहा, 'यह आरोप बेबुनियाद है। इंडियन क्रिकेट टीम में कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं है। हर कोई इंडियन है और देश का प्रतिनिधित्व करता है। गौतम गंभीर ने हमेशा मोहम्मद सिराज का समर्थन किया है। अगर सिराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं, तो यह पूरी तरह से टीम की जरूरतों की वजह से है। सिलेक्शन टीम के कॉम्बिनेशन, प्लेयर्स की पोजीशन और उनके परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। गंभीर किसी से निजी दुश्मनी नहीं रखते। उनकी प्राथमिकता सही कॉम्बिनेशन के साथ एक मजबूत टीम बनाना है। बीसीसीआई भी किसी भी हिंदू-मुस्लिम बंटवारे में न तो विश्वास करता है और न ही उसे बढ़ावा देता है। ऐसे आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।' क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के बचपन



के कोच संतोष पिंगुलकर ने भी हिंदू-मुस्लिम एंगल को खारिज किया है। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सिराज को टीम से बाहर रखने से जुड़ी जो चर्चा चल रही है, वो बेबुनियाद है। उन्हें वनडे में मौका दिया गया था। वह अभी भी टीम का हिस्सा हैं। उन्हें लेकर जो राजनीतिक बयान आ रहे हैं, वो गलत हैं। क्रिकेट में राजनीति की कोई जगह नहीं है। ' दरअसल, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से वेलिंगटन में शुरू हुए टेस्ट मैच की भारतीय प्लेइंग इलेवन में मोहम्मद सिराज को शामिल नहीं किए जाने पर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने सिराज को टीम में जगह न मिलने का कारण उनका नाम बताया है। मसूद ने कहा, 'उनका नाम सिराज है–क्या यही वजह काफी नहीं है? अगर वह अच्छा कर रहा है और फिर भी उसे नहीं चुना जा रहा है, तो इसके पीछे और क्या वजह हो सकती है? सिर्फ यही वजह हो सकती है, इसके अलावा कोई और वजह नहीं हो सकती। ' सिराज, जो मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकिल में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उन्हें टीम से बाहर रखने की वजह से टीम की चयन रणनीति पर सवाल उठे हैं।



महेला जयवर्धने बने जीएमआर स्पोर्ट्स में क्रिकेट डायरेक्टर

डब्ल्यूपीएल का कामकाज देखेंगे

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को जीएमआर स्पोर्ट्स ने क्रिकेट डायरेक्टर बनाया है। जयवर्धने इस भूमिका में विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी, आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के क्रिकेट



कामकाज देखेंगे। जीएमआर स्पोर्ट्स क्रिकेट टीम के पोर्टफोलियो में, जयवर्धने क्रिकेट ऑपरेशन, टैलेंट की पहचान, प्लेयर डेवलपमेंट और परफॉर्मेंस मैनेजमेंट पर स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन देंगे और हर फ्रेंचाइजी में लीडरशिप, हेड कोच और क्रिकेट मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। वह हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट के साथ भी काम करेंगे, ताकि ग्रुप की टीमों के बीच नॉलेज, एक्सपर्टीज और बेस्ट प्रैक्टिस साझा कर सकें। इस नियुक्ति से डब्ल्यूपीएल जीतने की कोशिश कर रही दिल्ली कैपिटल्स को मजबूती मिलेगी। दिल्ली कैपिटल्स 2023 में शुरू हुए डब्ल्यूपीएल की पांच फाउंडिंग टीमों में से एक है। अब तक टूर्नामेंट के सभी चार एडिशन में फाइनल में पहुंची टीम हर बार रनर-अप रही है। अपनी नियुक्ति के बाद जयवर्धने ने शनिवार को दिए एक बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स की एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य के लिए एक रोमांचक विजन है। मुझे डब्ल्यूपीएल टीम के लिए क्रिकेट डायरेक्टर का रोल निभाने में बहुत खुशी हो रही है। इस कॉम्पिटिशन में महिलाओं के खेल के भविष्य को आकार देने की बहुत ज्यादा क्षमता है। मैं टैलेंटेड खिलाड़ियों के एक स्थापित ग्रुप और एक अनुभवी सपोर्ट टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।'

हांगकांग ओपन 2026

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, रक्षिता बाहर

हांगकांग । भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शुक्रवार को चीन के हू के युआन और लिन जियांग यी की जोड़ी को हराकर हांगकांग ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी को 21-12, 13-21, 21-16 से हराकर जीत दर्ज की। वे दूसरा गेम हार गए, लेकिन वापसी करते हुए तीसरा गेम जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय जोड़ी ने 13 मिनट में 21-12 से पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम ज्यादा कड़ा था और 4-4 की बराबरी के बाद दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई। फिर स्कोर 9-9



से बराबर हो गया। हू और लिन ने 13-11 से बढ़त बनाई और 15-11 पर पहुंचने के बाद इसे 21-13 से जीत लिया। भारतीयों ने तीसरे गेम में जबरदस्त वापसी की और इंटरवल तक 11-7 से आगे थे। उन्होंने जीत का सिलसिला बनाए रखा और 15-9 तथा 17-10 से आगे हो गए। हालांकि, चीनी जोड़ी ने आखिर में वापसी की कोशिश की, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपना संयम बनाए रखते हुए गेम 21-16 से जीतकर आखिरी चार में जगह बनाई।

दूसरी ओर, भारत की रक्षिता रामराज महिला एकल क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गई। 19 साल की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी, जिसमें स्कोर 13-13 से बराबर रहा। चोचुवोंग 17-15 से आगे हो गईं, लेकिन रक्षिता ने वापसी करते हुए 17-17 से बराबरी कर ली। हालांकि, थाई शटलर ने धैर्य बनाए रखते हुए 21-19 से गेम जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: दूसरे दिन का खेल समाप्त भारत का स्कोर 1 विकेट पर 159 रन

जायसवाल शतक से चूके



वेलिंगटन । भारत ने बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन की समाप्ति के समय 1 विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए थे। केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने की। शुरुआत धीमी रही, लेकिन एक बार लय मिलने के बाद भारतीय ओपनरों ने मैदान के चारों ओर रन बनाए। जायसवाल बेहद आक्रामक रहे। बाएं हाथ का यह युवा सलामी बल्लेबाज शतक से चूक गया। जायसवाल 89 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल को मैट हेनरी ने आउट किया। आउट होने से पहले इस खिलाड़ी ने पहले विकेट के लिए केएल राहुल के साथ 27.5 ओवर में 130 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दी। केएल राहुल 116 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं, जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए पडिक्कल 35 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 16 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड की पहली पारी के स्कोर से अभी भी 209 रन पीछे है।

इससे पहले दूसरे दिन की शुरुआत न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन से की थी। निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन बनाकर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। वह 216 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हुए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी की।

फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया। हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट, आकाशदीप ने 3 विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिया। वॉशिंगटन सुंदर को विकेट नहीं मिला।

निकोलस 175 पर नाबाद रहे, फिलिप्स ने भी लगाया शतक

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में बनाए 368 रन

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन में न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए हेनरी निकोलस और ग्लेन फिलिप्स ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 243 रन से की थी।

निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन पर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। आकाशदीप की गेंद पर बोल्ड होने से पहले फिलिप्स ने 216 गेंदों पर 118 रन बनाए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की अहम साझेदारी कर स्कोर को 286 तक पहुंचाया। फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया।

हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे। निकोलस का यह 12वां टेस्ट शतक है और इस वेन्यू पर लगाया 5वां शतक है।

ग्लेन फिलिप्स ने की रोहित शर्मा की बराबरी

हासिल की असाधारण उपलब्धि

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने वेलिंगटन में भारत के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (शुक्रवार) शतक लगाया। फिलिप्स ने 118 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही फिलिप्स ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ग्लेन फिलिप्स एक ही कैलेंडर ईयर में भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक ही कैलेंडर ईयर में किसी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले फिलिप्स दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कीर्तिमान भारत



के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी हासिल कर चुके हैं। फिलिप्स ने जनवरी 2026 में इंदौर में भारत के खिलाफ हुए वनडे में 106 रन की पारी खेली थी। वहीं, भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई घरेलू टी20 सीरीज के चौथे मैच में उन्होंने 107 रन बनाए थे। मौजूदा टेस्ट में खेली गई 118 रन की पारी से उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में एक ही टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगाया था। उस समय वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज थे। ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं, और भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा से शानदार रहा है। फिलिप्स ने भारत के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों की 6 पारियों में 1 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 232 रन बनाए हैं। वहीं, 16 वनडे की 12 पारियों में 1 शतक की बदौलत 342 रन बनाए हैं। टी20 फॉर्मेट में फिलिप्स का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली है। भारत के खिलाफ 22 टी20 मैचों की 20 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 657 रन बनाए हैं।

रियल मैड्रिड ने ऑरेलियन टचौमेनी के साथ 6 साल का नया करार किया

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड ने फ्रांसीसी मिडफील्डर ऑरेलियन टचौमेनी के साथ अपना करार जून 2032 तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही क्लब ने अपने एक अहम खिलाड़ी को लंबे समय के लिए साथ बनाए रखा है। स्पेनिश क्लब ने गुरुवार को इस करार के विस्तार की घोषणा करते हुए पुष्टि की है कि यह मिडफील्डर अगले छह साल तक सैंटियागो बर्नाबेउ (रियल मैड्रिड का स्टेडियम) में बना रहेगा। टचौमेनी 2022 में फ्रांसीसी क्लब एएस मोनाको से रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे। उन्होंने पिछले पांच सीजन में 205 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान क्लब के साथ आठ ट्रॉफियां जीतीं। उनकी जीती गई ट्रॉफियों में एक यूईएफए चैंपियंस लीग, दो फीफा क्लब वर्ल्ड कप, दो यूईएफए सुपर कप, एक ला लीगा खिताब, एक कोपा डेल रे और एक स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं।



उस्मान ख्वाजा 'सबसे बड़े गद्दार'

सैंडपेपरगेट खुलासे के बाद पूर्व दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज का बयान

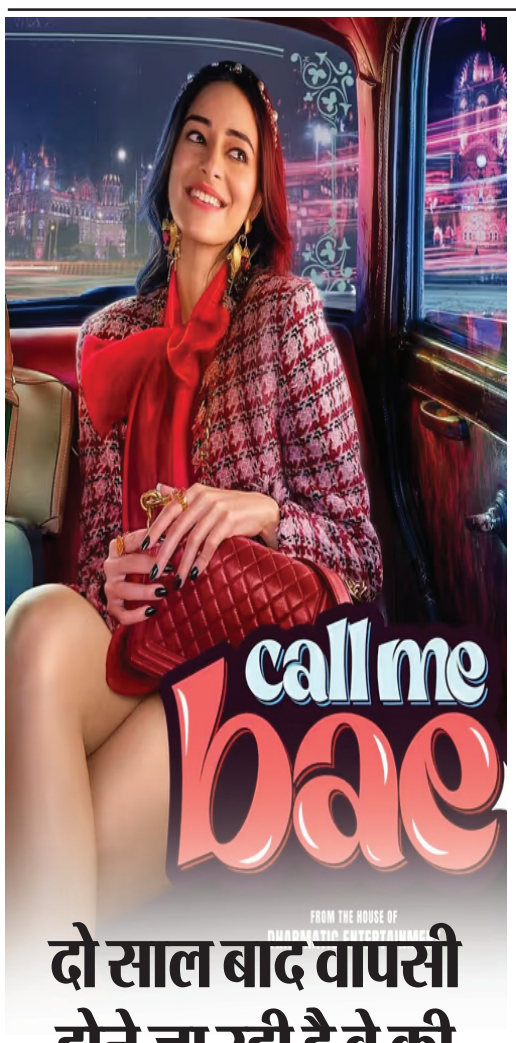
पर्थ । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज फैनी डिविलियर्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा को खेल का 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। फैनी का यह बयान उस्मान ख्वाजा की नई किताब 'सब्र' में 2018 के बॉल-टैम्परिंग स्कैंडल के ज़िक्र और उसे लेकर हो रहे विवाद के बाद आया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में दावा किया है कि 2018 में केपटाउन में हुए सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। फैनी डिविलियर्स ने इस मामले के सामने आने के बाद उस्मान ख्वाजा पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। पर्थ स्थित एक एफएम चैनल से बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा, 'मैं ऑन रिकॉर्ड कहना चाहता हूं कि ख्वाजा शायद सबसे बड़ा गद्दार है, जिसे मैंने पिछले 40-50 वर्षों में खेल खेलते हुए देखा है। उसने हर एक कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ा है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। उसने अपने साथी खिलाड़ियों को बेच दिया है। यह सही या गलत के बारे में नहीं है। गलत को पहले ही हैंडल किया जा चुका है। यह पहले से ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का हिस्सा रहा है। दुख की बात है कि ऐसा हुआ। इस आदमी ने सब कुछ फिर से सामने ला दिया है। ' डिविलियर्स ने कहा, 'ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को एक बार फिर बदनाम किया है। उसने दोस्ती तोड़ी है और टीम के अंदर जो कोड ऑफ कंडक्ट होता है, उसे भी तोड़ा है। उसने वह सब कुछ गलत किया है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। '



ख्वाजा की किताब प्रकाशित होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के अलग-अलग बयानों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। पूर्व सलामी बल्लेबाज और उस टेस्ट का हिस्सा रहे डेविड वॉर्नर ने ख्वाजा के दावों का समर्थन किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ख्वाजा के दावों को बकवास करार दिया था। मिचेल स्टार्क ने भी इस मामले पर अपने पुराने बयान को ही दोहराया है, जिसमें ख्वाजा के दावों से सहमति नहीं जताई गई है।

इन सबके बीच उस विवाद का सबसे बड़ा चेहरा रहे कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन में छपे 4,497 शब्दों के एक लेख में कहा है कि यह झूठ है कि कमिंस और टीम को सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी नहीं थी। बैनक्रॉफ्ट का बयान आने के बाद कमिंस की मुश्किल बढ़ गई है। उन पर कप्तानी छोड़ने का दबाव बढ़ गया है।

2018 में हुई इस घटना में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को आरोपी मानकर सजा दी गई थी। स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर 12-12 महीने, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर 9 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था।



दो साल बाद वापसी होने जा रही है बे की

सीरीज कॉल मी बे में बेला बे चौधरी के किरदार से बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दर्शकों का दिल जीत लिया। करण जौहर द्वारा समर्थित इस सीरीज में अनन्या की कॉमिक टाइमिंग और एक अमीर परिवार की लड़की के किरदार में उनकी एक्टिंग दर्शकों को खूब पसंद आई। वह मुंबई में अकेले अपनी जिंदगी संभालती नजर आती हैं। अब पहले सीजन के दो साल बाद बे की वापसी होने जा रही है। प्राइम वीडियो ने आखिरकार आने वाले सीजन की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। उम्मीद है कि नया सीजन उनकी उलझी हुई लव लाइफ और पत्रकारिता के चुनौतीपूर्ण करियर से आगे की कहानी दिखाएगा। हाल ही में प्राइम वीडियो ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें अनन्या बे के किरदार में एक स्टाइलिश आउटफिट पहने ऑटो-रिक्शा की छत पर लेटी हुई नजर आ रही हैं। क्लिप में वह कहती हैं, मैं बे हूं, मैं छा जाने के लिए आई हूं। खाओ, प्यार करो, प्रार्थना करो और आज के दिन का पूरा मजा लो। कैप्शन से पता चला कि नया सीजन 17 दिसंबर को रिलीज होगा। आने वाले सीजन में बे की लव लाइफ और भी उलझने वाली है, जिससे उसके दिल और उसके बहन कोड दोनों की परीक्षा होगी। कॉलिन डीकुन्हा द्वारा निर्देशित कॉल मी बे सीजन 2 को करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता ने धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। सोमेन मिश्रा और कॉलिन डीकुन्हा इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं।

इशिता मोइत्रा द्वारा बनाई गई इस सीरीज को इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर, रोहित नायर और नितल चंदरना ने लिखा है। नए सीजन में पुरानी कास्ट की वापसी होगी, जिसमें अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कॉल मी बे के दूसरे सीजन में श्रुति हासन की एंट्री होने वाली है। इसके अलावा, वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। दूसरे सीजन के बारे में बात करते हुए, प्रोड्यूसर करण जौहर ने कहा, सीजन 1 को मिले प्यार और रिस्पॉन्स ने यह साबित कर दिया कि दर्शक बे के उतार-चढ़ाव भरे सफर और जिंदगी को लेकर उसके बेबाक नजिरिए से गहराई से जुड़ गए थे। सीजन 2 के जरिए हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते हैं। इसमें हम बे के नए पहलुओं को दिखाएंगे, साथ ही उस मजाक, जज्बात और बेबाक अंदाज को भी बनाए रखेंगे, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। हम प्राइम वीडियो के साथ फिर से जुड़कर दर्शकों के सामने बे की जिंदगी का एक नया पड़ाव लाने के लिए उत्साहित हैं।

इसमें बे और उसकी प्यारी सहेलियां एक ऐसे नए सफर पर निकलेंगी, जो हंसी-मजाक, भावनाओं और ढेर सारी उथल-पुथल से भरा होगा। यह सीरीज बेला बे चौधरी की कहानी है, जो दक्षिण दिल्ली की एक अमीर सोशलिट हैं। उनका आलीशान जीवन तब अचानक बदल जाता है, जब उनका परिवार उन्हें बेदखल कर देता है। इसके बाद उन्हें मुंबई में अपनी जिंदगी नए सिरे से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। अनन्या पांडे को उनकी कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी के लिए काफी तारीफ मिली। कई दर्शकों को यह शो मनोरंजक, हल्का-फुल्का और एक बार में पूरा देख लेने लायक लगा। वीर दास को भी एक टीवी न्यूज एंकर के रूप में उनके अभिनय के लिए काफी सराहा गया।



अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर सोनम कपूर फिर चर्चा में

1936 की कलाकृति को अनामिका खन्ना ने दिया नया रूप

अभिनेत्री सोनम कपूर एक बार फिर अपने अनोखे फैशन अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। मुंबई में 17 नवंबर को आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने भारतीय कला और विरासत का खूबसूरत संगम पेश किया। सोनम ने इस खास मौके पर ऐसी पोशाक पहनी, जिसका कनेक्शन करीब 90 साल पुरानी एक पेंटिंग से है। उनकी साड़ी मशहूर भारतीय चित्रकार अमृता शेरगिल की साल 1936 में बनाई गई एक कलाकृति से प्रेरित थी। डिजाइनर अनामिका खन्ना ने इस ऐतिहासिक कलाकृति को आधुनिक फैशन का रूप दिया, जबकि सोनम की बहन रिया कपूर ने उनके पूरे लुक को स्टाइल किया। सोनम कपूर ने इस कार्यक्रम में गहरे हरे रंग की खूबसूरत साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने लंबे झुमके और पश्चिमी अंदाज का खास कोट कैरी किया। उनका यह लुक भारतीय परंपरा और आधुनिक फैशन का अनूठा मेल नजर आया। इस पोशाक के पीछे की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। दरअसल, अमृता शेरगिल ने साल 1936 में अपने चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का एक चित्र बनाया था। इसी पेंटिंग से प्रेरणा लेकर अनामिका खन्ना ने सोनम के लिए यह विशेष पोशाक तैयार की। रिया कपूर ने सोशल मीडिया पर इस लुक की जानकारी साझा करते हुए बताया कि अमृता शेरगिल आधी भारतीय और आधी हंगेरियन थीं। उन्होंने पेरिस में कला की शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल किया था। हालांकि, बाद में भारत उनके जीवन और कला की प्रेरणा का प्रमुख केंद्र बन गया। अमृता की तरह उनके चचेरे भाई सुमेर अपजीत सिंह का जीवन भी दो अलग-अलग संस्कृतियों के बीच बीता था। उनका पालन-पोषण पटियाला में हुआ था और उन्हें पश्चिमी पहनावे का भी शौक था। बाद में उन्होंने पेरिस में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर एल्सा शियापारेली के लिए मॉडलिंग भी की थी। अमृता शेरगिल ने अपने चित्र में सुमेर को गहरे हरे रंग की साड़ी पहने दिखाया था। उनके हाथ में सफेद फूलों का एक गुच्छा भी नजर आता है। इसी ऐतिहासिक चित्र की रंगत और शैली को ध्यान में रखते हुए अनामिका खन्ना ने सोनम का लुक तैयार किया। इस विशेष पोशाक में शुद्ध शिफॉन की साड़ी का इस्तेमाल किया गया है। साड़ी पर हरे रंग के अलग-अलग शेड्स हाथ से पेंट किए गए हैं। इसके साथ सिल्क वेलवेट का पश्चिमी शैली वाला कोट दिया गया है, जिसके किनारों पर बारीक जरदोजी का काम किया गया है। इस तरह भारतीय पारंपरिक पहनावे और पश्चिमी फैशन को एक साथ जोड़ा गया है। लगभग नौ दशक पुरानी पेंटिंग की प्रेरणा को आधुनिक अंदाज में पेश करना इस लुक की सबसे खास बात रही। सोनम कपूर अर्थशॉट प्राइज 2026 समारोह में प्रस्तुतकर्ता और अतिथि के रूप में शामिल हुई थीं। इस कार्यक्रम में ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन भी मौजूद थे। 17 नवंबर को मुंबई में आयोजित यह समारोह पहली बार भारत में हुआ।

प्रियंका ने याद किया अभिषेक संग शरारत

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने एक साक्षात्कार के दौरान अपने सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ की गई एक पुरानी और मजेदार शरारत को याद किया है। प्रियंका ने बताया कि एक बार उन्होंने अभिषेक का फोन छुपा दिया था और उससे अभिनेत्री रानी मुखर्जी को एक मैसेज भेजा।



गौरतलब है कि अभिषेक और रानी के अपने-अपने जीवनसाथी से शादी करने से पहले उनके बीच प्रेम संबंध होने की खबरें थीं। प्रियंका ने कहा कि अभिषेक ने ही सबसे पहले उनका फोन चुराकर इस शरारत की शुरुआत की थी, और उन्होंने इसे अभिषेक पर पलटवार करने का एक मौका समझा। प्रियंका ने अपने मैसेज में लिखा था, मुझे तुम्हारी याद आ रही है, तुम कहां थीं? क्या तुमज रानी मुखर्जी ने इसका जवाब देते हुए लिखा, हाय एबी, क्या हुआ है तुम्हें? बाद में यह बात सामने आई कि प्रियंका को इस घटना के बारे में जिसने बताया था, वह संभवत : अभिषेक ही थे।

ग्रीस में छुट्टियां मना रहे सैफरीना

बॉलीवुड की पसंदीदा जोड़ियों में से एक, करीना कपूर खान और सैफ अली खान इन दिनों ग्रीस में अपने परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे हैं। हाल ही में अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों पर इस फैमिली ट्रिप की कुछ मनमोहक झलकियां प्रशंसकों के साथ साझा कीं। इन तस्वीरों में कपल सूर्यास्त के खूबसूरत नज़ारे के सामने रोमांटिक अंदाज में पोज देते हुए एकदम परफेक्ट नजर आ रहा है। एक तस्वीर में सैफ अली खान एक साइनबोर्ड के सामने खड़े दिख रहे हैं, जिस पर सनसेट लिखा है। उन्होंने इसके साथ लिखा, अगर कोई शक हो तो। करीना के साथ अपनी फोटो पोस्ट करते हुए सैफ ने मजाकिया कैप्शन में लिखा, सनसेट तो मुख्य आकर्षण होना चाहिए था, लेकिन कोई मेरा ध्यान भटका रहा है। दूसरी तस्वीर में सैफ, पत्नी करीना और छोटे बेटे जेह के साथ एक प्यारी-सी सेल्फी ले रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सीन ने की शानदार कमाई



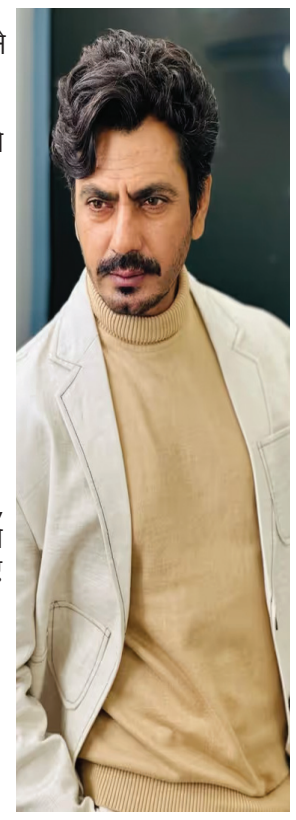
बाक्स ऑफिस पर रामायण के बीच सीन ने भी शानदार कमाई कर रही है। दूसरे शनिवार को फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया। यह फिल्म सूर्या के करियर की सेकंड हाइएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे शनिवार को 11.21 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 5 करोड़ का बिजनेस किया। फिल्म ने नौवें दिन टोटल 16.21 करोड़ का बिजनेस किया। वहीं आठवें दिन फिल्म ने 10.58 करोड़ का कलेक्शन किया था। दूसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में 53.21 परसेंट की ग्रोथ दिखी। फिल्म ने इंडिया में नेट 126.8 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं फिल्म ने 149.63 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 78.7 करोड़ की बिजनेस किया। वर्ल्डवाइड फिल्म ने 228.33 करोड़ का बिजनेस किया। इसी के साथ सीन सूर्या के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने विश्वनाथ एंड सन्स ने 212.23 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं सीन ने 228.33 करोड़ कमा लिए हैं। अब सीन से आगे करुप्पु है।सूर्या के करियर की टॉप 10 हाइएस्ट ग्रॉसर फिल्मों की बात करें तो इस लिस्ट में करुप्पु नंबर वन पर है। फिल्म ने 315 करोड़ कमाए। दूसरे नंबर पर सीन है। फिल्म ने 9 दिनों में 228.33 करोड़ कमाए। विश्वनाथ एंड सन्स ने तीसरे नंबर पर जगह बनाई है। इस फिल्म ने 212.23 करोड़ का बिजनेस किया। चौथे नबंर पर सिंघम 2 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ कमाए। पांचवें नंबर 24 है। इस फिल्म ने 108.9 करोड़ का बिजनेस किया। छठें नंबर पर कंगुवा है। फिल्म ने 107.03 करोड़ का बिजनेस किया। सातवें नंबर पर 7 अमअरिवु है। फिल्म ने 105.2 करोड़ की कमाई की। आठवें नंबर पर सिंघम 3 है। इस फिल्म ने 104.6 करोड़ कमाए। नौवें नंबर पर रेट्रो है। इस फिल्म ने 9.48 करोड़ की कमाई की।



नवाजुद्दीन के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया दीया मिर्जा ने

अभिनेत्री दीया मिर्जा की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने मनोरंजन जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया है। दीया की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों को लेकर बहस शुरू हो गई है। जहां कुछ लोग अभिनेत्री के समर्थन में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उनकी पोस्ट को किसी नए प्रोजेक्ट का प्रचार और प्रचार रणनीति बता रहे हैं। दीया मिर्जा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट साझा किया। इसमें उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के व्यवहार पर नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में अभिनेता को टैग करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना एक बुरे सपने जैसा अनुभव रहा। उन्होंने अभिनेता के बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें बेहद आपत्तिजनक व्यक्ति बताया। अभिनेत्री की इस टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया।

हालांकि, दीया मिर्जा ने अपनी पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि उन्हें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किस व्यवहार से परेशानी हुई और यह अनुभव किस फिल्म या परियोजना से जुड़ा है। उन्होंने इस विवाद के पीछे की पूरी वजह भी साझा नहीं की है। दूसरी ओर, खबर लिखे जाने तक नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से भी इस टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी। पोस्ट सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ लोगों ने अभिनेत्री की बात को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले का संदर्भ जानने की इच्छा जताई। वहीं, कई यूजर्स ने इसे किसी आने वाली फिल्म, विज्ञापन या नए प्रोजेक्ट से जोड़कर देखा। उनका मानना है कि मनोरंजन जगत में कई बार कलाकारों की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किसी परियोजना का प्रचार किया जाता है। ऐसे में दीया की इस टिप्पणी को लेकर भी कुछ लोगों ने संदेह जताया।



एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह भी प्रचार रणनीति का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि आजकल सोशल मीडिया पर इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। एक अन्य यूजर ने दोनों कलाकारों के सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या की तुलना करते हुए प्रतिक्रिया दी। वहीं, एक यूजर ने कहा कि अब दर्शक प्रचार और वास्तविक विवाद के बीच अंतर समझने लगे हैं। कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि अगर कलाकार लगातार विवादों के जरिए अपने प्रोजेक्ट का प्रचार करेंगे, तो भविष्य में लोग उनकी वास्तविक समस्याओं और गंभीर शिकायतों को भी प्रचार समझकर नजरअंदाज कर सकते हैं। एक अन्य टिप्पणी में दीया की अभिनय क्षमता पर भी निशाना साधा गया। फिलहाल इस पूरे मामले में दीया मिर्जा की ओर से कोई विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं आया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की प्रतिक्रिया का भी इंतजार है। दोनों कलाकारों के बीच विवाद की वास्तविक वजह सामने आने के बाद ही तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

जैकी श्रॉफ ने संघर्ष के दिनों में उधार लिए पांच रुपये लौटाए, अर्चना पूरन सिंह को दिए 500 रुपये

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने बेबाक अंदाज और दरियादिली के लिए जाने जाते हैं। उनके संघर्ष के दिनों से जुड़ा एक पुराना किस्सा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इस कहानी में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह भी शामिल हैं। दरअसल, जैकी श्रॉफ ने कई साल पहले अर्चना से पांच रुपये उधार लिए थे। अब उन्होंने यह रकम दस गुना नहीं, बल्कि सौ गुना करके लौटाई है। अभिनेता ने पांच रुपये के बदले अर्चना को 500 रुपये दिए। इस घटना से जुड़ा एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में है। यह किस्सा कपिल शर्मा के कॉमेडी शो के एक पुराने एपिसोड से जुड़ा है। उस कार्यक्रम में अर्चना पूरन सिंह ने जैकी श्रॉफ के संघर्ष के दिनों की कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया था कि जब दोनों अपने करियर में जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तब वे नेपियन सी रोड पर आसपास रहते थे। जैकी उस समय तीन बत्ती इलाके में रहते थे। अर्चना ने बताया कि जैकी का स्वभाव हमेशा से मददगार रहा है और वह जरूरतमंद लोगों की परेशानी देखकर उनकी सहायता करने के लिए आगे आ जाते थे।

अर्चना के मुताबिक, जब जैकी के सामने कोई जरूरतमंद व्यक्ति आ जाता और अपनी परेशानी बताता, तो अभिनेता तुरंत उसकी मदद करना चाहते थे। ऐसे में वह कई बार उनसे एक रुपया मांग लेते थे। अर्चना ने बताया कि उन्हें उस समय समझ नहीं आता था कि जैकी उनसे पैसे क्यों मांग रहे हैं, लेकिन वह उन्हें एक रुपया दे देती थीं। इसके बाद जैकी उस जरूरतमंद व्यक्ति को पैसे दे देते थे और बदले में उसे दुआएं मिलती थीं। अर्चना ने बताया कि उस समय दोनों ही संघर्ष कर रहे थे। उनके पास भी ज्यादा पैसे नहीं होते थे, लेकिन जैकी का दिल बहुत बड़ा था। वह अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों की मदद में खर्च कर देते थे। इसी वजह से कई बार उनके पास खुद के खर्च के लिए पैसे कम पड़ जाते थे। जब जैकी श्रॉफ ने यह पुराना वीडियो देखा, तो उन्होंने अर्चना को पांच रुपये के बदले 500 रुपये लौटाए। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा कि पांच रुपये के बदले 500 रुपये। इस पर अर्चना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह कपिल के शो में उनकी पहली कमाई है।

जैकी ने इस दौरान अपनी पुरानी आदत के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि जब उन्हें शूटिंग के बाद पैसे मिलते थे, तो रास्ते में मिलने वाले जरूरतमंद लोगों की मदद करने में वह रकम खर्च हो जाती थी। कभी किसी का घर जल गया होता, तो कभी किसी के परिवार में शादी होती या किसी के घर बच्चे का जन्म होने वाला होता। ऐसे मौकों पर वह अपनी क्षमता के अनुसार मदद करते थे। अभिनेता ने बताया कि कई बार प्रोडक्शन से जुड़े लोगों को भी पता होता था कि उस दिन उन्हें भुगतान मिलने वाला है। लेकिन घर पहुंचने तक वह पैसे लोगों की मदद में खर्च कर चुके होते थे। ऐसी स्थिति में उन्हें अर्चना से पैसे उधार लेने पड़ते थे। यह पुराना किस्सा एक बार फिर जैकी श्रॉफ की दरियादिली और अर्चना के साथ उनके पुराने रिश्ते को सामने लाता है।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो

बोरियावी में पुलिस की नाक के नीचे चल रहा जुए का कथित कारोबार, अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। गुजरात में शराब और जुए जैसे अवैध कारोबार पर रोक लगाने के दावों के बीच आनंद जिले के बोरियावी क्षेत्र में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर जुआ संचालित होने का मामला चर्चा में है। आनंद ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बोरियावी में कुछ समय से नंबरों पर जुआ खेले जाने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस अवैध कारोबार के कारण कई परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और मेहनत से कमाई गई रकम जुए में गंवाई जा रही है। इसके बावजूद इस गतिविधि पर प्रभावी रोक नहीं लगने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। इस मामले में आनंद जिला पुलिस प्रमुख और स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि आखिर इतने समय से कथित रूप से चल रहे जुए के कारोबार की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक नहीं पहुंची या फिर जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि, अधिकारियों की संलिप्तता अथवा किसी प्रकार की मिलीभगत को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों के बीच यह आरोप भी चर्चा में है कि कथित तौर पर बिचौलियों के माध्यम से पुलिस थाने से लेकर जिला स्तर तक धनराशि पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। आरोप है कि इसी कथित व्यवस्था के कारण जुए के अड्डों पर कार्रवाई नहीं हो रही है। पेट्रोलिंग के लिए पुलिस वाहनों के निकलने के बावजूद ऐसे ठिकानों पर





गतिविधियां जारी रहने की बात कही जा रही है। यदि ये आरोप सही हैं तो यह कानून व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही से जुड़ा गंभीर विषय है। इस पूरे मामले में एक कथित ध्वनि रिकॉर्डिंग को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। दावा किया जा रहा है कि इस रिकॉर्डिंग में बोरियावी के जुए के कारोबार और कथित वसूली से जुड़े कुछ तथ्यों का खुलासा हो सकता है। हालांकि, रिकॉर्डिंग की वास्तविकता, उसमें दर्ज बातचीत और उसकी प्रमाणिकता की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यदि ऐसी कोई रिकॉर्डिंग सामने आती है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर सच्चाई उजागर करना आवश्यक होगा। अब सवाल यह है कि क्या राज्य सतर्कता प्रकोष्ठ और गृह विभाग इस मामले का संज्ञान लेकर जांच कराएंगे? क्या आनंद जिला पुलिस प्रमुख और स्थानीय अपराध शाखा के संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होगी? क्षेत्र के लोगों की मांग है कि बोरियावी में चल रहे कथित जुए के कारोबार पर तत्काल रोक लगाई जाए और यदि किसी पुलिसकर्मी की मिलीभगत सामने आती है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। स्थानीय स्तर पर चेतावनी दी जा रही है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जनता आंदोलन का रास्ता अपना सकती है। ऐसे में प्रशासन के सामने चुनौती है कि वह आरोपों की निष्पक्ष जांच कराए, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए और पुलिस व्यवस्था के प्रति आम लोगों का भरोसा बनाए रखे।

पाकिस्तानी मंत्री को ताजमहल और निजामुद्दीन दरगाह जाने की अनुमति नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मलिक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए भारत पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने आगरा के ताजमहल और दिल्ली स्थित निजामुद्दीन दरगाह जाने की इच्छा जताई थी, लेकिन केंद्र सरकार ने उनकी इस मांग को मंजूरी नहीं दी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत सरकार ने पाकिस्तानी मंत्री को स्पष्ट कर दिया है कि उनकी यात्रा केवल एससीओ के निर्धारित कार्यक्रमों तक सीमित रहेगी। इसके अलावा उन्हें देश में किसी अन्य स्थान पर जाने की अनुमति नहीं होगी।मुसादिक मलिक ने भारत यात्रा के दौरान दोनों ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों पर जाने की इच्छा व्यक्त की थी। हालांकि, सरकार ने सुरक्षा और निर्धारित यात्रा कार्यक्रम के तहत उन्हें केवल एससीओ बैठक में शामिल होने की अनुमति दी है। इस फैसले के बाद उनकी ताजमहल और निजामुद्दीन दरगाह जाने की योजना पूरी नहीं हो सकेगी। मुसादिक मलिक की यह यात्रा कूटनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वर्ष 2023 में गोवा में आयोजित एससीओ बैठक में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के शामिल होने के बाद यह पहली बार है, जब पाकिस्तान का कोई संघीय मंत्री भारत आया है। इसके अलावा मई 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद किसी पाकिस्तानी नेता की यह पहली भारत यात्रा है।

नर्मदा नदी के तल से मिला विशाल प्राचीन जीवाश्म, 75 सेंटीमीटर लंबे जबड़े ने वैज्ञानिकों को चौंकाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

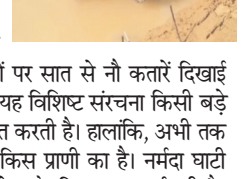
राजपीपला/नर्मदा। गुजरात की नर्मदा नदी का क्षेत्र एक बार फिर प्राचीन इतिहास और पुरातात्विक रहस्यों को लेकर चर्चा में है। नदी के तल में किए गए शोध के दौरान एक विशाल प्राचीन जीवाश्म मिला है। इसके आकार और बनावट ने वैज्ञानिकों तथा पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह जीवाश्म किसी विशालकाय प्रागैतिहासिक जीव का जबड़ा हो सकता है। मिले अवशेष की लंबाई करीब 75 सेंटीमीटर और चौड़ाई लगभग 25 सेंटीमीटर बताई गई है। इसकी सबसे खास बात दाढ़ों की बनावट है। जीवाश्म में दाढ़ों पर सात से नौ कतारें दिखाई देने की जानकारी सामने आई है। दांतों की यह विशिष्ट संरचना किसी बड़े और शक्तिशाली प्राचीन जीव की ओर संकेत करती है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह अवशेष किस प्राणी का है। नर्मदा घाटी पहले भी प्राचीन जीवों के अवशेषों की खोज के लिए महत्वपूर्ण रही है। इस क्षेत्र से पहले डायनासोर के अंडों और प्राचीन हाथियों जैसे विशालकाय जीवों के जीवाश्म मिलने की जानकारी सामने आ चुकी है। ऐसे में नई खोज से इस क्षेत्र में लाखों या करोड़ों वर्ष पहले मौजूद जीव-जंतुओं के बारे में नई जानकारी मिलने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, जबड़े की विस्तृत जांच और वैज्ञानिक परीक्षण के बाद ही इसकी वास्तविक पहचान तथा आयु का पता चल सकेगा। इसके लिए जीवाश्म को प्रयोगशाला में भेजकर अध्ययन किए जाने की तैयारी है। हालांकि, मसौदे में कार्बन काल निर्धारण का उल्लेख है, लेकिन इस तरह के जीवाश्म की सही आयु निर्धारित करने के लिए कौन-सी वैज्ञानिक विधि अपनाई जाएगी, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। नर्मदा नदी के तल से इतने बड़े अवशेष के मिलने की खबर फैलने के बाद आसपास के गांवों में भी उत्सुकता बढ़ गई है। स्थानीय लोग इस दुर्लभ खोज को लेकर जानकारी जुटा रहे हैं। दूसरी ओर, पुरातत्व और भूविज्ञान से जुड़े विशेषज्ञों की ओर से अवशेष को सुरक्षित रखकर आगे का अध्ययन कराने की तैयारी की जा रही है। अब वैज्ञानिक जांच के परिणामों का इंतजार है। रिपोर्ट सामने आने के बाद ही पता चलेगा कि यह जबड़ा डायनासोर का है या किसी अन्य प्राचीन विशालकाय जीव का। फिलहाल इस खोज ने नर्मदा घाटी के प्रागैतिहासिक इतिहास को लेकर नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।



लिंबायत में तड़के पुलिस दल पर हमले की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात के सूरत शहर के संवेदनशील लिंबायत इलाके में शुक्रवार तड़के गोलीबारी की घटना से हड़कंप मच गया। वांछित आरोपियों की तलाश में कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर कुछ असामाजिक तत्वों ने हमला करने का प्रयास किया। स्थिति गंभीर होने पर पुलिस को आत्मरक्षा में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली चलानी पड़ी। गोलीबारी की आवाज से आसपास के इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को लिंबायत क्षेत्र में कुछ वांछित आरोपियों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस दल ने तड़के इलाके में तलाशी और दबिश की कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान कथित तौर पर कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर घातक हथियारों से हमला करने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें चेतावनी देकर काबू में करने की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ने पर एक अधिकारी ने आत्मरक्षा में गोली चला दी। पुलिस की जवाबी गोलीबारी में एक हमलावर के घायल होने की जानकारी सामने आई है। उसे तत्काल पुलिस निगरानी में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस का बड़ा दल मौके पर पहुंच गया। एहतियात के तौर पर पूरे लिंबायत इलाके की घेराबंदी कर दी गई और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हमले में कौन-कौन शामिल था और घटना के पीछे क्या कारण थे।



स्पाइसजेट पर डीजीसीए की सख्ती, सात दिन में मांगा जवाब...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लगातार उड़ानें रद्द होने, देरी और परिचालन संबंधी गड़बड़ियों को लेकर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विमानन कंपनी स्पाइसजेट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 17 नवंबर को जारी इस नोटिस में कंपनी से सात दिनों के भीतर जवाब मांगा गया है। नियामक ने कंपनी के कामकाज, यात्रियों को दी जा रही सुविधाओं और विमान संचालन से जुड़े कई मामलों पर सवाल उठाए हैं।रिपोर्टों के मुताबिक, वर्ष 2019 में देश की दूसरी सबसे बड़ी विमानन कंपनी रही स्पाइसजेट की स्थिति अब काफी कमजोर हो गई है। कंपनी के पास केवल 13 विमान बचे हैं, जिनमें से 10 से भी कम उड़ान भरने की स्थिति में हैं। विमान पट्टे पर देने वाली कंपनियों को समय पर भुगतान नहीं कर पाने के कारण कई विमान कंपनी से वापस ले लिए गए हैं या जमीन पर खड़े हैं। कंपनी पर करीब 35 करोड़ रुपये का कर्ज बताया गया है। पिछले नौ महीनों में उसका बाजार हिस्सा 3.9 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत रह गया है। इस वर्ष अगस्त और सितंबर में कंपनी की हर पांच में से एक उड़ान रद्द हुई थी।डीजीसीए ने नोटिस में सात प्रमुख मामलों पर जवाब मांगा है। इनमें छोटे और दूरदराज के शहरों के लिए निर्धारित उड़ानों का संचालन नहीं करना भी शामिल है।



वर्ष 2026 में नियमों के अनुसार इन मार्गों पर उड़ानें संचालित नहीं की गईं। शीतकालीन समय-सारणी में प्रतिदिन 66 उड़ानों की मंजूरी होने के बावजूद कंपनी करीब 15 उड़ानें ही चला पा रही थी। यानी स्वीकृत उड़ानों में से लगभग 23 प्रतिशत का ही संचालन हो रहा था।नियामक ने उड़ानों में लगातार देरी और रद्द होने से यात्रियों को हो रही परेशानी पर भी सवाल उठाए हैं। साथ ही यात्रियों की सहायता के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं होने को लेकर कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है। डीजीसीए ने यह भी कहा है कि 11 मई 2026 को लगाए गए जुर्माने का भुगतान कई बार याद दिलाने के बावजूद कंपनी ने नहीं किया। हालांकि, जुर्माने की राशि की जानकारी सामने नहीं आई है।कंपनी के अनिवार्य बीमा कवर के नवीनीकरण को लेकर भी नियामक ने अनिश्चितता जताई है। विमान संचालन जारी रखने के लिए यह बीमा आवश्यक होता है। इसके अलावा विदेशी विमानन एजेंसियों ने भी स्पाइसजेट की उड़ानों से जुड़ी गड़बड़ियों और विदेशों में सेवाएं देने वाली कंपनियों को समय पर भुगतान नहीं किए जाने को लेकर चिंता जताई है।

गुजरात कांग्रेस ने संगठन मजबूत करने के लिए बनाई रणनीति, अमित चावड़ा की अध्यक्षता में राजीव गांधी भवन में हुई अहम बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात में आगामी विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी सिलसिले में अहमदाबाद के पालड़ी स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव गांधी भवन में प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर के वरिष्ठ नेताओं, महानगरपालिका और वार्ड स्तर के पदाधिकारियों, चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों तथा जमीनी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में संगठन को सक्रिय बनाने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की भूमिका मजबूत करने और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जनहित के मुद्दों पर आंदोलन चलाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ. तुषार चौधरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यसमिति सदस्य जगदीशभाई ठाकोर, विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता शैलेष परमार सहित प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नेताओं ने संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में यह संदेश दिया गया कि अब केवल बयान जारी करने के बजाय जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाने और उनके



समाधान के लिए संघर्ष करने की आवश्यकता है। बैठक में गुजरात की सभी 17 महानगरपालिकाओं के कांग्रेस अध्यक्षों, वार्ड अध्यक्षों और वार्ड प्रभारियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। इसके अलावा लोकसभा चुनाव लड़ चुके प्रत्याशियों तथा वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके उम्मीदवारों ने भी भाग लिया। प्रदेश के सक्रिय पदाधिकारियों, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षकों, विभिन्न प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्षों तथा महानगरपालिकाओं में निर्वाचित कांग्रेस पार्षदों की उपस्थिति भी रही। बैठक के दौरान अलग-अलग क्षेत्रों में संगठन की स्थिति और कार्यकर्ताओं की सक्रियता को लेकर जानकारी साझा की गई। बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने, स्थानीय समस्याओं को पहचानने और नाराज कार्यकर्ताओं को फिर से संगठन से जोड़ने जैसे विषयों पर खुलकर चर्चा हुई। नेताओं ने पदाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से लोगों के संपर्क में रहने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए।

महंगाई, बेरोजगारी और प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे उठाने की तैयारी

बैठक में प्रदेश की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों पर भी चर्चा की गई। कांग्रेस नेताओं ने महंगाई, बेरोजगारी, युवाओं के प्रश्नपत्र लीक मामलों, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति को प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। उनका कहना था कि इन समस्याओं से आम नागरिक, युवा और मध्यम वर्ग प्रभावित हो रहे हैं। विपक्षी दल के रूप में कांग्रेस को इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाना चाहिए और लोगों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाना चाहिए। बैठक में आने वाले दिनों में राज्यभर में जनहित के मुद्दों पर आंदोलन और विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की रणनीति पर भी विचार किया गया। इसके लिए पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारियां सौंपने तथा स्थानीय स्तर पर संगठन को सक्रिय करने पर जोर दिया गया। कांग्रेस की योजना है कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर गांवों, कस्बों और शहरों में कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाई जाए। राजीव गांधी भवन में हुई इस बैठक को गुजरात कांग्रेस की आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। अब यह देखना होगा कि बैठक में तय की गई रणनीति को प्रदेशभर में किस तरह लागू किया जाता है और महानगरपालिका से लेकर बूथ स्तर तक संगठनात्मक गतिविधियां किस गति से आगे बढ़ती हैं।

रामायण फिल्म में रावण के महिमामंडन और भगवान श्रीराम के चित्रण पर विवाद, मुंबई में प्रदर्शन...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। हाल ही में प्रदर्शित हुई 'रामायण' फिल्म को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हिंदू जनजागृति समिति ने आरोप लगाया है कि फिल्म में मूल रामायण के प्रसंगों को बदलकर रावण का महिमामंडन किया गया है, जबकि भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के आदर्श चरित्रों को कमजोर रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसी के विरोध में 20 नवंबर को मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन के बाहर समिति की ओर से आंदोलन किया गया। प्रदर्शन में विभिन्न हिंदुत्ववादी संगठनों के प्रतिनिधियों, धर्मप्रेमी नागरिकों और रामभक्तों ने भाग लिया। समिति ने फिल्म के आपत्तिजनक दृश्यों और संवादों को तत्काल हटाने तथा इसके अगले भाग के प्रदर्शन से पहले संतों, रामायण के अध्येताओं और धर्मशास्त्र के जानकारों के समक्ष फिल्म की जांच कराने की मांग की है। इस संबंध में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को दिए जाने वाले ज्ञापन पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने हस्ताक्षर कर अपनी सहमति जताई। इसी प्रकार कोल्हापुर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर भी विरोध प्रदर्शन किया गया। समिति का आरोप है कि फिल्म में कई ऐसे दृश्य दिखाए गए हैं, जो मूल रामायण की कथा और



पात्रों के स्वरूप से मेल नहीं खाते। संगठन के अनुसार, फिल्म में अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित भगवान श्रीराम और लक्ष्मण को राक्षसों को देखकर भागते हुए दिखाया गया है, जबकि दूसरी ओर निहत्थे रावण को हजारों सैनिकों से अकेले लड़ते और उनका वध करते हुए प्रस्तुत किया गया है। समिति का कहना है कि इस तरह के चित्रण से रावण को महान योद्धा और जनकल्याणकारी शासक के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया गया है। समिति ने यह भी आरोप लगाया कि फिल्म में रावण को गरीबों को सोने के घर देने वाला और शोषितों का रक्षक बताया गया है। संगठन के अनुसार, रावण द्वारा माता सीता के अपहरण की वास्तविकता को नजरअंदाज करते हुए उसे महिलाओं का रक्षक दिखाया गया है। समिति ने इस चित्रण पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे रामायण के मूल प्रसंगों और पात्रों की स्थापित छवि में बदलाव होता है। शूर्पणखा के प्रसंग को लेकर भी समिति ने फिल्म पर सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि फिल्म में लक्ष्मण द्वारा शूर्पणखा की नाक काटे जाने के बाद माता सीता को लक्ष्मण के इस कृत्य पर आपत्ति जताते हुए दिखाया गया है। साथ ही भगवान श्रीराम को खर-दूषण के सामने लक्ष्मण के कृत्य के लिए क्षमा मांगते हुए प्रस्तुत किया गया है। समिति के अनुसार, लक्ष्मण के चरित्र को उद्दंड, व्यंग्य करने वाला और बड़ों का अनादर करने वाले व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है। इसके अलावा माता सीता को राक्षसों से युद्ध करते हुए दिखाया गया है, लेकिन रावण द्वारा अपहरण किए जाने के समय उनका प्रतिरोध नहीं दिखाया गया। संगठन ने इन प्रसंगों को मूल रामायण से अलग और आपत्तिजनक बताया है। हिंदू जनजागृति समिति ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 और केंद्र सरकार के फिल्म प्रमाणन संबंधी दिशा-निर्देशों में धार्मिक समूहों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने तथा महिलाओं के अवमूल्यन से जुड़े दृश्यों को लेकर स्पष्ट प्रावधान हैं। ऐसे में फिल्म को प्रमाणपत्र देते समय इन मानकों पर विचार किया गया था या नहीं, इसका जवाब बोर्ड को देना चाहिए।

हिंदू जनजागृति समिति ने दादर रेलवे स्टेशन के बाहर किया आंदोलन,

भारत के राफेल विमानों की संख्या पर नया विवाद, फ्लाइट ग्लोबल ने 36 के बजाय 32 सक्रिय विमान बताए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत के राफेल लड़ाकू विमानों की संख्या को लेकर एक बार फिर विवाद सामने आया है। ब्रिटेन की विमानन पत्रिका फ्लाइट ग्लोबल की वर्ष 2027 की विश्व वायुसेना निर्देशिका में भारत के पास सक्रिय राफेल विमानों की संख्या 36 के बजाय 32 बताई गई है। हालांकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि शेष चार विमानों को सक्रिय सूची से क्यों हटाया गया और इसके पीछे



क्या कारण हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद पूर्व वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल एन. तिवारी ने इसके आंकड़ों को पूरी तरह गलत बताया है। एयर मार्शल तिवारी ने पत्रिका से उसके सूचना स्रोतों की विश्वसनीयता की दोबारा जांच करने को कहा है। उन्होंने सामाजिक माध्यम एक्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि फ्लाइट ग्लोबल के जिन स्रोतों के आधार पर पहले राफेल विमानों के बारे में जानकारी दी गई थी, उनकी विश्वसनीयता पहले भी सवालों के घेरे में रही है। दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने भारत के चार राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराने का दावा किया था। इस दावे के बाद भारतीय वायुसेना के विमानों को लेकर कई तरह की खबरें सामने आई थीं। एयर मार्शल तिवारी के अनुसार, पाकिस्तान की ओर से जिन राफेल विमानों को मार गिराने का दावा किया गया था, उनके बताए गए विमान पहचान क्रमांक वाले विमान बाद में अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यासों में उड़ान भरते दिखाई दिए। उनका कहना है कि इससे पहले दी गई जानकारियों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं। फ्लाइट ग्लोबल की वर्ष 2027 की विश्व वायुसेना निर्देशिका में 160 देशों के सैन्य विमान बेड़ों से संबंधित आंकड़े शामिल किए गए हैं। इसमें भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों की सूची में राफेल डीएच और ईएच की कुल संख्या 32 बताई गई है। डीएच दो सीटों वाला, जबकि ईएच एक सीट वाला राफेल विमान है। भारत ने फ्रांस से कुल 36 राफेल विमान खरीदे थे। इनमें 28 एक सीट वाले और आठ दो सीट वाले विमान शामिल हैं। पिछले वर्ष जारी रिपोर्ट में फ्लाइट ग्लोबल ने भारत के 35 राफेल विमानों को सक्रिय बताया था, लेकिन इस बार यह संख्या घटाकर 32 कर दी गई है। खास बात यह है कि रिपोर्ट में संख्या में इस बदलाव का कोई कारण नहीं बताया गया है और न ही इसके समर्थन में कोई प्रमाण प्रस्तुत किया गया है। यह निर्देशिका ब्रिटेन की विमानन आंकड़ा एवं विश्लेषण कंपनी सीरियम के आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई है।

सोशल मीडिया प्रभावशाली नेहा बिष्ट के घर जबरन घुसा शादी की जिद करने वाला युवक, पिटाई के बाद मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में सोशल मीडिया प्रभावशाली नेहा बिष्ट के घर जबरन घुसे एक युवक की मारपीट के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक नेहा से शादी करने की जिद कर रहा था। इससे नाराज परिवार के सदस्यों और कुछ पड़ोसियों ने उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी थी। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 15 नवंबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में नेहा के पिता वीरेंद्र बिष्ट और एक पड़ोसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस मारपीट में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, मृतक युवक की पहचान अभिनव के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का रहने वाला था और चेन्नई की एक निजी कंपनी में काम करता था। बताया जा रहा है कि अभिनव नेहा बिष्ट से एकतरफा प्रेम करता था। नेहा की शादी कहीं और तय होने की जानकारी मिलने के बाद वह नाराज था और उनसे शादी करने की जिद कर रहा था। खास बात यह है कि नेहा उसे व्यक्तिगत रूप से जानती तक नहीं थीं।



7 नवंबर को नेहा के घर पहुंचा था युवक

पुलिस के मुताबिक, अभिनव 7 नवंबर को पूर्वी दिल्ली के मधु विहार स्थित नेहा बिष्ट के घर पहुंचा था। उस समय नेहा घर पर ही मौजूद थीं। आरोप है कि अभिनव शराब के नशे में था और नेहा से शादी करने की जिद करने लगा। इस घटना को लेकर 8 नवंबर को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसके बाद परिवार के सदस्यों और कुछ पड़ोसियों ने उसके साथ मारपीट की, जिसमें उसे गंभीर चोटें आईं।

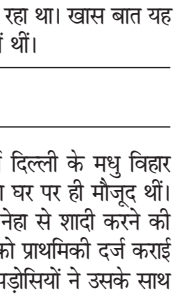
पीठ और दाएं पैर में आई थीं गंभीर चोटें

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो अभिनव की पीठ और दाएं पैर में गंभीर चोटें मिलीं। उसे तत्काल राजीव गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। 15 नवंबर को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद पुलिस ने मामले में गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया और नेहा के पिता वीरेंद्र बिष्ट तथा एक पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मारपीट में और कौन-कौन लोग शामिल थे। इसके लिए घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों की जांच की जा रही है।

अहमदाबाद को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान, पीएम स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में देशभर में दूसरा स्थान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नई दिल्ली। अहमदाबाद नगर निगम ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ऋण वितरण और योजना के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नगर निगम को शहरी स्थानीय निकाय श्रेणी में देशभर में दूसरा स्थान मिला है। इस उपलब्धि के लिए नई दिल्ली में आयोजित समारोह में निगम को सम्मानित किया गया। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह पुरस्कार प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के तहत शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना का उद्देश्य रेहड़ी-पटरी लगाने वालों और छोटे कारोबारियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद प्रभावित हुए छोटे कारोबारियों को दोबारा अपना काम शुरू करने और आजीविका मजबूत करने में यह योजना मददगार बनी है। इसके तहत पात्र लाभार्थियों को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। अहमदाबाद नगर निगम ने शहर में योजना का दायरा बढ़ाने और अधिक से अधिक पात्र लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया। इसमें सब्जी और फल विक्रेताओं सहित अन्य छोटे पथ विक्रेताओं को ऋण उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया। योजना के तहत समय पर ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को डिजिटल लेन-देन पर प्रोत्साहन और आगे ऋण प्राप्त करने की पात्रता का लाभ भी मिलता है। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस उपलब्धि से अहमदाबाद नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह है। नगर निगम के पदाधिकारियों तथा पूरी कार्यकारी टीम ने इसे शहर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। इस सम्मान को स्थानीय स्तर पर सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जरूरतमंद लोगों तक आर्थिक सहायता पहुंचाने के प्रयासों की पहचान के रूप में देखा जा रहा है।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.